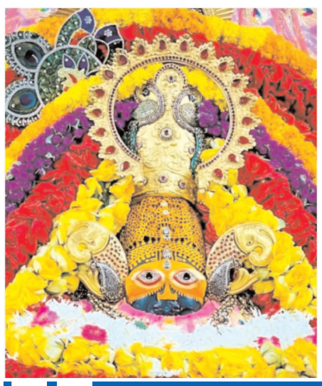

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:308। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 29 जून 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

वेनेजुएला में 68 हजार लोग अभी भी लापता

भारत ने वेनेजुएला की मदद के लिए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है।

एजेंसी

विक्टोरिया। वेनेजुएला में 24 जून को आए दो भूकंप के 72 घंटे बाद करीब 68,900 लोग अब भी लापता हैं। अधिकारियों के मुताबिक, और मलबे में फंसे लोगों की तलाश की जा रही है। फिर 5.6 तीव्रता का भूकंप आया। यूरो-मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर (EMSC) के मुताबिक भूकंप का केंद्र अरागुआ तट के पास समुद्र में 30 किलोमीटर की गहराई में था। इससे पहले शनिवार को भी 4.9 तीव्रता का भूकंप आया था। वेनेजुएला में अब तक 1430 लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही 3300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि भूकंप के बाद शुरू के 48 से 72 घंटे ही सबसे जरूरी होते है। इस समय लोगों को बचाने की उम्मीद ज्यादा रहती है। कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढने के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं। कई परिवार हथौड़ों और दूसरे औजारों से इमारतों का मलबा हटाकर अपने परिजन की तलाश कर रहे हैं।

24 देशों ने मदद के लिए भेजे 2,741 से ज्यादा बचावकर्मी

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने शनिवार को बताया कि अमेरिका, मेक्सिको, कोलंबिया, अल सल्वाडोर, स्विट्जरलैंड समेत 24 देशों ने राहत और बचाव कार्य में मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। इन देशों ने मानवीय सहायता, एक्सपर्ट बचाव दल और हजारों आपदा राहतकर्मी भेजे हैं। रोड्रिगेज ने बताया कि अब तक 521 टन राहत सामग्री, 86 ट्रेन्ड खोजी डॉग स्क्वॉड और 2,741 से ज्यादा खोज, बचाव व तकनीकी सहायता कर्मी वेनेजुएला पहुंच चुके हैं। ये सभी स्थानीय टीमों के साथ मिलकर राहत अभियान चला रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने भी 25 अंतरराष्ट्रीय सर्च एंड रेस्क्यू टीमों के करीब 1000 आपातकर्मी भेजने की घोषणा की है। अमेरिका ने भी भूकंप राहत कार्य के लिए वेनेजुएला पर लगे कुछ आर्थिक प्रतिबंधों में अस्थायी छूट देने का फैसला किया है। इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी (IRC) की चीफ एलिनोर रेक्स ने बताया कि देश का मुख्य एयरपोर्ट क्षतिग्रस्त होने से बड़े पैमाने पर मदद पहुंचाने में दिक्कत हो रही है। उन्होंने कहा कि IRC के पास पड़ोसी देश कोलंबिया में राहत सामग्री मौजूद है, लेकिन उसे वेनेजुएला तक पहुंचाने के लिए एयरपोर्ट तक पहुंच जरूरी है, जो एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। आने वाले दिनों में IRC की टीमें प्रभावित लोगों तक भोजन, पीने का पानी, अस्थायी आश्रय और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जरूरी दवाइयां व चिकित्सा सामग्री पहुंचाने पर ध्यान देंगी।

सेशेल्स में पीएम मोदी ने कई अहम एमओयू पर किए हस्ताक्षर

यूपीआई लागू करने पर बनी सहमति

मोदी को सेशेल्स का सर्वोच्च सम्मान

एजेंसी

विक्टोरिया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच कई एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। भारत और सेशेल्स ने कृषि, एक्जिम बैंक, बाहरी अंतरिक्ष में खोज और नए सेशेल्स नेशनल हॉस्पिटल पर चर्चा के लिए ज्ञापन समझौता (एमओयू) एक्सचेंज किया। पीएम मोदी ने कहा, 'डॉ. पैट्रिक हर्मिनी, दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल और मीडिया के साथियों का धन्यवाद। हमारे इस महत्वपूर्ण स्वागत और आतिथ्य सत्कार के लिए मैं राष्ट्रपति हार्मिनी का हार्दिक अभिनंदन करता हूं। उनके द्वारा 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' से सम्मानित किया जाना मेरे लिए और 140 करोड़ भारतवासियों के लिए हर्ष का विषय है। मैं इस सम्मान को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हुए उन सभी देशों को समर्पित करता हूं, जो क्लाइमेट चेंज की चुनौती से लड़ रहे हैं और पर्यावरण संरक्षण को भावी पीढ़ियों के प्रति अपना दायित्व मानते हैं।' 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' सेशेल्स गणराज्य द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया गया एक सर्वोच्च नागरिक और पर्यावरण सम्मान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरी यात्रा ऐसे ऐतिहासिक अवसर पर हो रही है, जब सेशेल्स अपनी आजादी के 150 वर्ष पूरे कर रहा है। हम भारत-सेशेल्स राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इन 50 वर्षों की यात्रा में हमने मित्रता को विश्वास में, विश्वास को सहयोग में और सहयोग को जनकल्याण में बदला है।

योगी का अखिलेश पर वार

कहा- 'एक बार रामलला के दर्शन कर लीजिए, सद्बुद्धि आ जाएगी'

हाल ही में प्रदेश में हजारों मोहर्रम जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से निकले और कहीं भी उपद्रव की स्थिति नहीं बनी।

एजेंसी

हाथरस। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस में 548 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी और उसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाने संबंधी अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि जिनकी सरकार में रामभक्तों पर गोलियां चलीं, उन्हें अयोध्या के विकास की चिंता करने का नैतिक अधिकार नहीं है। सीएम योगी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि अयोध्या को किसी से पहचान लेने की जरूरत नहीं है। आप इसकी चिंता मत करिए, पश्चाताप करिए और एक बार रामलला के दर्शन कर लीजिए, सद्बुद्धि आ जाएगी। अगर सचमुच आप खुद को धार्मिक साबित करना चाहते हैं तो मथुरा-वृंदावन, श्रीकृष्ण जन्मभूमि को लेकर भी खुलकर बोलिए, राम जन्मभूमि की तर्ज पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति का अभियान चलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने मोहर्रम जुलूसों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब प्रदेश में कानून के दायरे में सभी पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होते हैं और किसी गरीब का घर या छज्जा हटाकर ताजिए नहीं निकाले जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि डबल इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश को दंगामुक्त, माफिया मुक्त और विकास की नई दिशा देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश दंगों, कर्फ्यू और अराजकता के लिए बदनाम था जबकि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है।

तिरुमाला मंदिर पहुंचे अनंत अंबानी, भगवान वेंकटेश्वर के चरणों में अर्पित किए केश

हैदराबाद। रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक अनंत अंबानी ने रविवार को आंध्र प्रदेश स्थित विश्व प्रसिद्ध तिरुमाला श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने अपनी आस्था व्यक्त करते हुए परंपरा के अनुसार मुंडन कराकर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के चरणों में अपने केश अर्पित किए। मंदिर पहुंचने पर अनंत अंबानी ने पहले मुंडन संस्कार संपन्न कराया और इसके बाद विधि-विधान से भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। दर्शन के दौरान उन्होंने देश और समाज की सुख-समृद्धि तथा कल्याण की कामना की। उल्लेखनीय है कि अंबानी परिवार भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के प्रति अपनी गहरी आस्था के लिए जाना जाता है। परिवार के सदस्य समय-समय पर तिरुमाला मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन करते रहे हैं। पिछले वर्ष अनंत अंबानी के विवाह से पूर्व और विवाह के बाद भी अंबानी परिवार ने तिरुमाला पहुंचकर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए थे।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद

पिनाराई विजयन ने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन ने रविवार को अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ी के आरोपों की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की। सीपीआईएम के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री विजयन ने फेसबुक पोस्ट में वित्तीय गड़बड़ी की खबरों को 'बेहद गंभीर' बताया और कहा कि इनसे लोगों की आस्था और धार्मिक भावनाओं के गलत इस्तेमाल को लेकर चिंताजनक सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने राजनीतिक फायदे के लिए लोगों की आस्था का इस्तेमाल किया, उन्होंने इसकी आड़ में सुनियोजित तरीके से वित्तीय धोखाधड़ी भी की। विजयन ने दावा किया कि अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टियों के संघ परिवार से जुड़े संगठनों के साथ करीबी संबंध थे और कहा कि उनकी यह जिम्मेदारी है कि वे बताएं कि लाखों भक्तों से इकट्ठा किया गया पैसा कैसे खर्च किया गया। उन्होंने कहा कि जनता को यह जानने का हक है कि चंदा कहां गया। विपक्ष के नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इन आरोपों पर जवाब देने को कहा, क्योंकि उन्होंने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अहम भूमिका निभाई थी।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में छत्तीसगढ़ बना देश का अग्रणी राज्य

रायपुर। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के पंजीयन के लिए 15 जून से 15 जुलाई तक संचालित विशेष अभियान में छत्तीसगढ़ ने ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राज्य ने अभियान के शुरुआती मात्र 9 दिनों में ही निर्धारित लक्ष्य का 72 प्रतिशत पूरा कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। प्रदेश ने न केवल हितग्राहियों के पंजीयन में देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है, बल्कि प्री-रजिस्टर्ड हितग्राहियों के निराकरण में भी सभी राज्यों को पीछे छोड़ते हुए सर्वाधिक उपलब्धि अर्जित की है। यह उपलब्धि महिला एवं बाल विकास विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, पर्यवेक्षकों, मैदानी अमले तथा सभी संबंधित हितधारकों के समन्वित और समर्पित प्रयासों का परिणाम है। विशेष अभियान के अंतर्गत जिला जांजगीर-चांपा ने 96 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के साथ पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यह उपलब्धि मातृ एवं शिशु कल्याण के प्रति जिले की संवेदनशीलता, सक्रियता और प्रभावी कार्यप्रणाली को प्रतिबिंबित करती है।

करजन तालुका में खाकी के साए में नशे का काला कारोबार!

'कुख्यात' कारिंदे हनुभा की दादागीरी

क्या गृहमंत्री के आदेश करजन पुलिस स्टेशन की चौखट पर दम तोड़ देते हैं?

कुराली, सापा, कंडारी और करमडी में चल रहे शराब-जुए के अड्डों पर कब चलेगा एसएमसी का बुल्डोजर?

केमिकल युक्त शराब से एक और जहरीली शराब त्रासदी (लट्ठाकांड) का इंतजार करता भ्रष्ट तंत्र!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा / करजन: गुजरात में भले ही शराबबंदी के कागजों पर बड़े-बड़े दावे किए जाते हों, लेकिन वडोदरा जिले के करजन तालुका में हकीकत कुछ अलग और बेहद खौफनाक है। करजन तालुका के गांव-गांव में आज इंग्लिश शराब, देसी शराब, वरली मटका का जुआ और चरस-गांजे जैसे जानलेवा नशे के अड्डे बेखौफ होकर चल रहे हैं। करजन की युवा पीढ़ी इस नशे के दलदल में धकेली जा रही है, और इस पूरे काले कारोबार के पीछे खाकी का एक ऐसा सिपहसालार बैठा है, जिसकी मर्जी के बिना करजन में पत्ता भी नहीं हिलता!

गांव-गांव में मौत का सामान और जुए के कसीनो!

सूत्रों से मिली चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक:

कुराली गांव: नई नगरी में स्थित पानी की टंकी के पास खुलेआम वरली मटका का जुआ खिलाया जा रहा है।

सापा गांव: नई वसाहत (बस्ती) में वरली मटका का सट्टा चल रहा है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस जुए के संचालक वडोदरा शहर से खास करजन में धंधा करने आते हैं!

कंडारी गांव: इस गांव में जगह-जगह देसी शराब के अड्डे धड़ल्ले से चल रहे हैं, मानो कानून का कोई डर ही न हो।

करमडी गांव: यहाँ तो देसी शराब बनाने की भट्टियां चौबीसों घंटे सुलग रही हैं।

सबसे बड़ा सवाल: करमडी और आसपास के गांवों की भट्टियों में केमिकल युक्त जहरीली शराब बनाई जा रही है। अगर कल को करजन की धरती पर कोई बड़ी त्रासदी होती है और बेगुनाह लोग अपनी जान गंवाते हैं, तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है?

कौन है यह 'हनुभा'? PI पटेल का कमाऊ पूत या करजन का अघोषित राजा?

इस पूरे नेटवर्क को चलाने वाला मुख्य सरगना करजन पुलिस स्टेशन के डी-स्टाफ में तैनात पुलिस कांस्टेबल हनुभा बताया जा रहा है। हनुभा यानी करजन पुलिस स्टेशन का वह कारिंदा (वहीवटदार) जो पहले भी इंग्लिश शराब के तस्करों के साथ सीधी साठगांठ में रंगे हाथों पकड़ा जा चुका है और सस्पेंड भी हो चुका है।

लेकिन, सवाल यह उठता है कि इस भ्रष्ट कर्मचारी पर किस राजनीतिक गॉडफादर का हाथ है कि सस्पेंड होने के बाद भी वह दोबारा करजन पुलिस स्टेशन में ही आकर बैठ गया? करजन पुलिस स्टेशन के पी.आई. पटेल के लिए यह हनुभा 'कमाऊ पूत' साबित हो रहा है। महीने के लाखों रुपयों का भ्रष्टाचार कर पूरे सिस्टम को खरीद लिया गया हो, ऐसे हालात पैदा हो गए हैं।

राज्य के गृहमंत्री और उपमुख्यमंत्री को खुली चुनौती?

गांजे और चरस की बिक्री पूरे जिले में नेटवर्क फैलाकर की जा रही है। हैरानी की बात यह है कि जिले की एलसीबी भी इन अड्डों की तरफ से अपनी आंखें मूंदकर बैठी है। सूत्रों की मानें तो, इस कारिंदे हनुभा की दबंगई इस कदर बढ़ गई है कि वह राज्य के उच्च नेताओं और उपमुख्यमंत्री के आदेशों को भी ठेंगे पर रखता है और उन्हें खुली चुनौती दे रहा है!

'महानगर मेट्रो' के तीखे सवाल:

1. क्या वडोदरा जिला पुलिस अधीक्षक इस भ्रष्ट कारिंदे हनुभा और पी.आई. पटेल के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे?
2. स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम करजन के कुराली, सापा और कंडारी गांव में कब छापेमारी करेगी?
3. राजनीतिक आकाओं के दम पर कूदने वाले तस्करों और खाकी के भ्रष्ट चेहरों के खिलाफ मुख्यमंत्री कब लाल आंख करेंगे?

करजन की जनता अब त्राहि-त्राहि कर रही है। अगर ये अड्डे तुरंत बंद नहीं किए गए, तो 'महानगर मेट्रो न्यूज़' इस भ्रष्टाचार की तह तक जाकर और भी सबूत जनता के सामने बेनकाब करेगा।

जमीयत उलेमा-ए-हिंद और संजीवनी हॉस्पिटल के सहयोग से डभोई में फ्री मेडिकल कैंप लगाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। मानव सेवा ए प्रभु सेवा के नारे को पूरा करते हुए डभोई शहर में एक बड़ा और श्फ्री मेडिकल कैंप सफलतापूर्वक लगाया गया। यह फ्री मेडिकल कैंप जमीयत उलेमा-ए-हिंद डभोई द्वारा चलाए जा रहे यूनिटी फाउंडेशन डभोई और डॉ. जी.एस. छोटारा द्वारा चलाए जा रहे संजीवनी मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के खास सहयोग से लगाया गया था। इस कैंप का मुख्य मकसद गरीब और ज़रूरतमंद लोगों को उनके घर पर बेहतरीन हेल्थ सर्विस देना था, जिसमें डभोई के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए और इस सर्विस का फ़ायदा उठाया। इस मेगा मेडिकल कैंप में अलग-अलग बीमारियों के स्पेशलिस्ट डॉक्टरों ने अपनी सर्विस दी। कैंप में गायनेकोलॉजिकल डिपार्टमेंट, मेडिसिन डिपार्टमेंट, ऑर्थोपेडिक डिपार्टमेंट, डेंटल डिपार्टमेंट, जनरल डिपार्टमेंट, पीडियाट्रिक डिपार्टमेंट, सर्जरी डिपार्टमेंट के साथ-साथ कान, नाक और गले के स्पेशलिस्ट डॉक्टर मौजूद थे। कैंप के दौरान, मरीज़ों का डिटेल में हेल्थ चेक-अप किया गया और ज़रूरतमंद लोगों को मौके पर ही मुफ़्त दवाएँ भी बाँटी गईं। लगभग 300 से ज़्यादा मरीज़ों ने इस कैंप का फ़ायदा उठाया। जमीयत उलेमा-ए-हिंद डभोई की टीम ने इस पूरे प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए बहुत ही सराहनीय और तारीफ़ के काबिल काम किया। कैंप के दौरान, समाजसेवी रफ़ीकभाई मंसूरी, सईदभाई लोटवाला और मौलाना अब्दुल रशीद साहब के साथ-साथ दूसरे नेता और बुजुर्ग मौजूद थे। उन्होंने जमीयत डभोई टीम के इस नेक काम की तारीफ़ की और टीम के उज्ज्वल भविष्य के लिए दुआ की। जमीयत उलेमा-ए-हिंद डभोई के प्रेसिडेंट हाफ़िज़ हाजी ज़कारिया अतरवाला, वाइस प्रेसिडेंट हाजी निशारभाई हाजी हनीफ़भाई खत्री (चाचा वाला), शकीलभाई दफ़्फ़ू, असफ़ाकभाई पटेल और मकबूलभाई मुल्ला ने इस प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए बहुत मेहनत की थी। कैंप के आखिर में, बड़ी संख्या में मौजूद नेताओं और शहर के लोगों ने चैरिटेबल ऑर्गनाइज़ेशन का शुक्रिया अदा किया।

डभोई पुलिस का 'ऑपरेशन पराक्रम'
विदेशी शराब के साथ दो तस्कर पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। वडोदरा ग्रामीण पुलिस सुपरिटेंडेंट सुशील अग्रवाल और वडोदरा डिवीजन के पुलिस इंस्पेक्टर जनरल संदीप सिंह ने 'ऑपरेशन पराक्रम' के तहत जिले में अपराधियों, तस्करों और गैर-कानूनी कामों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। इस अभियान के तहत, डभोई डिवीजन के इंचार्ज, डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस पी.एन. पटेल के मार्गदर्शन में डभोई पुलिस ने शराबबंदी के एक बड़े मामले का खुलासा करने में सफलता हासिल की है। डभोई पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर ए.टी. पटेल को खास जानकारी मिली थी कि एक सफेद महिंद्रा TUV 300 गाड़ी (Reg. No. GJ-®y-CJ-x®|~) छोटा उदेपुर से नसवाड़ी और बुंजेठा होते हुए डभोई-वडोदरा की ओर भावनगर की ओर जा रही है, जिसमें काफी मात्रा में विदेशी शराब है। इस गाड़ी के आगे एक सफ़ेद इको गाड़ी (Reg. No. GJ-®y-EJ-2368) पायलटिंग कर रही थी। जानकारी के आधार पर, डभोई पुलिस की एक टीम ने पलासवाड़ा रेलवे फाटक के पास निगरानी रखी थी। इसी बीच, जैसे ही इको गाड़ी पायलटिंग के लिए पहुंची, पुलिस ने प्राइवेट गाड़ियों को रोका और गाड़ी में सवार दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। लेकिन, पीछे से आ रही TUV 300 गाड़ी का ड्राइवर पुलिस को दूर से देखकर अपनी गाड़ी सड़क पर छोड़कर भाग गया। पुलिस ने लावारिस हालत में खड़ी TUV 300 गाड़ी की तलाशी ली और उसमें से छोटी-बड़ी, भारत में बनी विदेशी शराब की कुल 1,384 बोतलें मिलीं, जिनकी अनुमानित कीमत ?4,42,424 है। पुलिस ने शराब और दोनों गाड़ियों को ज़ब्त कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

1. संतोषभाई प्रवीणभाई जेठवा (उम्र 24, निवासी हाथब बाजोठियावाड़ी, तहसील भावनगर)

2. सागरभाई प्रेमजीभाई बरैया (उम्र 21, निवासी हाथब, तहसील भावनगर)

जिनकी अभी गिरफ्तारी नहीं हुई है:

योगेशभाई उर्फ पथु लाभुभाई (निवासी भावनगर)इस अहम मामले का पता चलने के बाद, डभोई पुलिस ने फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए काम शुरू कर दिया है।

डभोई में मानसून से पहले बड़ी मुसीबत का डर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। जैसे-जैसे मानसून ज़ोरों से शुरू होने वाला है, डभोई शहर में एक बड़ा संकट मंडरा रहा है। शहर में पुराने और बहुत ज़्यादा टूटे-फूटे घर कभी भी बड़ी मुसीबत खड़ी कर सकते हैं। अभी डभोई नगर पालिका इलाके में करीब 10 से 15 घर ऐसे हैं। इस मामले में नगर पालिका प्रशासन ने घर के मालिकों को नोटिस देकर तसल्ली कर ली है, लेकिन ज़मीनी स्तर पर कोई पक्का काम न होने से स्थानीय लोगों की जान अधर में लटकी हुई है। डभोई के सबसे व्यस्त और चहल-पहल वाले इलाकों में ये टूटे-फूटे घर मौत का फंदा बनकर खड़े हैं। मुख्य रूप से: बेगवाड़ चिड़ावाड़ बाज़ार स्टेशन रोड खटकीवाड़ ये ऐसे भीड़भाड़ वाले इलाके हैं जहाँ से हर दिन हज़ारों मासूम पैदल चलने वाले और गाड़ी चलाने वाले गुज़रते हैं। अगर ये टूटी-फूटी दीवारें या छतें तेज़ बारिश या मॉनसून की हवाओं में गिर गईं, तो बड़ी मौतों का सच में डर है। नगर पालिका ने बार-बार घर के मालिकों को नोटिस जारी किए हैं, लेकिन बिल्डिंग मालिक इन खतरनाक स्ट्रक्चर को तोड़ने को तैयार नहीं हैं। दूसरी तरफ, ऐसा लगता है कि नगर पालिका सिर्फ़ कागज़ों पर घोड़े दौड़ाकर अपनी ज़िम्मेदारी से बच निकली है। लोगों का तीखा सवाल है, 'अगर कोई बड़ा हादसा होता है और किसी की जान चली जाती है, तो इसके लिए कौन ज़िम्मेदार होगा? नगर पालिका सिस्टम या गैर-ज़िम्मेदार बिल्डिंग मालिक? प्रशासन की इस ढीली पॉलिसी के खिलाफ़ स्थानीय लोगों में बहुत गुस्सा है। शहर के लोगों की मांग है कि नगर पालिका कागज़ पर नोटिस जारी करने का खेल बंद करे और कानून का सख़्त रुख अपनाते हुए इन जर्जर मकानों को तुरंत गिराए। अगर मकान मालिक खुद से कंस्ट्रक्शन नहीं हटाते हैं, तो नगर पालिका अपने अधिकार का इस्तेमाल करके इन्हें गिराए और लोगों की जान बचाए। अब देखना यह है कि डभोई नगर पालिका प्रशासन किसी बेगुनाह की बलि चढ़ने का इंतज़ार करेगा या फिर जल्दी जागकर लोगों के हित में सख़्त कार्रवाई करेगा!

पवी जेतपुर के नदी तट पर 'पीले सोने' की खुलेआम लूट

सिहोद ब्रिज के नीचे भू-माफिया बेखौफ, तंत्र की मिलीभगत से फल-फूल रहा काला कारोबार!

150 से 200 ओवरलोड ट्रैक्टर रोज उड़ा रहे कानून की धज्जियां

क्या गांधीनगर में बैठे उच्च अधिकारी छोटाउदेपुर के इस महा-घोटाले से अनजान हैं या फिर...

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

छोटाउदेपुर/पवी जेतपुर। छोटाउदेपुर जिले के पवी जेतपुर तालुका से प्राकृतिक संपत्ति की चोरी का एक ऐसा चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने स्थानीय प्रशासन और खान-खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पवी जेतपुर की जीवनरेखा माने जाने वाले सिहोद ब्रिज के नीचे और आसपास के नालेज, पादरवाट, ओली अंबा तथा तेजगढ़ जैसे संवेदनशील इलाकों में अवैध रेत खनन का नेटवर्क एक बार फिर बेकाबू होकर सक्रिय हो गया है। नदियों का सीना चीरकर करोड़ों रुपये की सरकारी संपत्ति भू-माफियाओं की जेब में जा रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी कुंभकर्णी नींद में सोए हुए हैं।

मोडस ऑपरेंडी: जेसीबी (JCB) मशीनों से नदियों का दोहन और ट्रैक्टरों की कतारें स्थानीय नागरिकों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह कोई छुपी हुई चोरी नहीं है, बल्कि दिन के उजाले में खुलेआम चलने वाली डकैती है। नदी के तट पर बड़ी-बड़ी जेसीबी मशीनें उतारकर, तय नियमों को ताक पर रखकर अत्यधिक गहराई तक रेत निकाली जा रही है। स्थानीय लोगों के गंभीर आरोपों के मुताबिक, रोजाना करीब vvariablez® से 200 ओवरलोड ट्रैक्टर बिना किसी रॉयल्टी पास के इस मार्ग से धड़ल्ले से गुजरते हैं। इन ओवरलोडेड वाहनों के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों की लागत से बनी सड़कें पूरी तरह जर्जर हो चुकी हैं और हर समय गंभीर हादसों का खतरा बना रहता है। मानसून के दौरान कोई बड़ा हादसा होता है, तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? प्रशासन या ये माफिया?

जनता का भड़कता आक्रोश: अब आर-पार की लड़ाई

बार-बार लिखित और मौखिक शिकायतें देने के बाद भी जब कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो अब पवी जेतपुर और आसपास के गांवों के लोगों में भारी आक्रोश फूट पड़ा है। स्थानीय निवासियों का साफ कहना है कि यदि प्रशासन ने जल्द ही इन अवैध खनन माफियाओं के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं की और उनके वाहनों को जब्त नहीं किया, तो जनता खुद सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होगी। अब पूरे जिले की निगाहें कलेक्टर कार्यालय और गांधीनगर के उच्च विभागों पर टिकी हैं कि वे इस रेत चोरी के बड़े रैकेट को ध्वस्त करने के लिए कब 'बुल्डोजर एक्शन' लेते हैं!

– विशेष रिपोर्ट,
महानगर मेट्रो ब्यूरो

'महानगर मेट्रो' के तीखे सवाल: कब तक चलेगी यह सांठगांठ?

इस पूरी घटनाक्रम से साफ है कि स्थानीय स्तर पर माफियाओं को किसी बड़े रसूखदार का संरक्षण प्राप्त है। 'महानगर मेट्रो' सीधे प्रशासन से ये कड़े सवाल पूछता है:

1. **सिस्टम इतना लाचार क्यों?** जब पूरा गांव अपनी आंखों से देख सकता है कि 200 ट्रैक्टर रेत चोरी करके जा रहे हैं, तो खान-खनिज विभाग के उड़नदस्ते (Flying Squad) या स्थानीय पुलिस को ये वाहन क्यों नहीं दिखते? क्या उनकी आंखों पर लापरवाही का चश्मा चढ़ा हुआ है?

2. **वरदहस्त किसका?** अतीत में जनता की शिकायतों के बाद सिर्फ दिखावे के लिए छापेमारी कर खानापूर्ति कर ली गई थी। लेकिन महज कुछ ही दिनों में यह काला कारोबार दोबारा कैसे शुरू हो गया? इन भू-माफियाओं के पीछे कौन से राजनीतिक आका या रसूखदार नेता शामिल हैं?

3. **ब्रिज की सुरक्षा का क्या?** सिहोद ब्रिज के बिल्कुल नीचे और नजदीक से अंधाधुंध रेत निकालने के कारण पुल के खंभे और नींव कमजोर हो रहे हैं। यदि

'जनोंमुखी पत्रकारिता वक्त की जरूरत '- शलभ भदौरिया
अर्जुन चंदेल का कटाक्ष 'संविधान में कहीं प्रेस का नाम नहीं, फिर चौथा स्तंभ कैसे '

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का एक दिवसीय सम्मेलन बुधवार को नागदा में स्थित रंगोली रिपोर्ट में गरिमामय माहौल में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजेश रघुवंशी ने की। मंच पर विशेष अतिथि के रूप में विधायक डॉ. तेज बहादुर सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र धाकड़, पूर्व विधायक जितेंद्र गहलोत, प्रख्यात मजदूर नेता सुल्तान सिंह शेखावत, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि ओपी गेहलोत और अग्निपथ के संपादक अर्जुन सिंह चंदेल मौजूद रहे। अग्निपथ के संपादक अर्जुन सिंह चंदेल ने तीखे और तल्ख लहजे में पत्रकारों को आईना दिखाया। उन्होंने

कहा कि हम पत्रकार आत्ममुग्ध हैं कि हम लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं, जबकि हकीकत यह है कि 251 पृष्ठों के हस्तलिखित संविधान में कहीं भी प्रेस, मीडिया या पत्रकार का नाम तक नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि कोई बताए कि पत्रकारिता चौथा स्तंभ है, यह कहां लिखा है। चंदेल ने कहा कि लोकतंत्र के तीनों स्तंभ वेतन से लेकर पेंशन तक पाते हैं, पर पत्रकारिता के लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। हां, मध्य प्रदेश सरकार ने जरूर 20 हजार रुपये की पेंशन की व्यवस्था की है,जिसे श्रद्धानिधि कहां जाता है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि 20 हजार पेंशन लेने के बाद क्या सरकार की आंखों में आंखें डालकर सवाल कर पाओगे। उन्होंने पत्रकारिता में आई गिरावट पर गंभीर चिंता जताई। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया ने अपने अंदाज में उद्बोधन की शुरुआत कर उपस्थित पत्रकारों को उत्साहित कर दिया। उन्होंने कहा कि पहले से ही तीन प्रकार की पत्रकारिता होती रही है। एक सेठाश्रित पत्रकारिता है, एक राजाश्रित पत्रकारिता है और तीसरी जनोंमुखी पत्रकारिता है। आज के दौर में जनोंमुखी पत्रकारिता की जरूरत है। उन्होंने व्यंगात्मक लहजे में कहा कि पत्रकारों की तारीफ करना नेताओं की मजबूरी है। परिवार का मुखिया होने के नाते मेरा यह दायित्व है कि मैं झूठी तारीफ न कर आप सबको आपकी कमियां बताकर उन्हें दूर करूं। भदौरिया ने कहा कि आजकल सरकार नारद जयंती मनाने लगी है तो नारद भी तो हम पत्रकारों के कुनबे के ही पत्रकार हैं। वे देव ऋषि थे फिर भी राक्षसों के बीच सम्मान पाते थे। उन्होंने कहा कि यदि नेता लोग हमें वास्तव में लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मानते हैं तो लोकसभा में प्रस्ताव पारित करें। अभी पत्रकार उसी अभिव्यक्ति की आजादी के तहत समाचार लिखते हैं जो आजादी आम लोगों को भी मिली हुई है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. तेज बहादुर सिंह ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियों के बाद भी पत्रकारों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

त्योहार को शांतिपूर्ण माहौल में मनाने के लिए एक्शन प्लान तैयार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद में आषाढ़ी बीजना के मौके पर होने वाली भगवान जगन्नाथजी की दुनिया भर में मशहूर रथ यात्रा में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं, ऐसे में पुलिस और एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम इस बड़े त्योहार को शांतिपूर्ण माहौल में पूरा करने के लिए पहले से ही एक्शन मोड में आ गया है। रथ यात्रा से पहले कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए पुलिस की तरफ से कड़े सुरक्षा कदम उठाए जा रहे हैं। भगवान जगन्नाथ के इस शहर भ्रमण के दौरान सुरक्षा में कोई चूक न हो, इसके लिए रथ यात्रा के पूरे रास्ते और सेंसिटिव इलाकों पर खास नजर रखने के लिए एक एक्शन प्लान तैयार किया गया है। पुलिस डिपार्टमेंट ने सेंसिटिव इलाकों में पहले से ही फुट पेट्रोलिंग और इंटेंसिव चेकिंग शुरू कर दी है। क्योंकि इस बड़े त्योहार में लाखों लोगों के आने की उम्मीद है, इसलिए कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का भी इस्तेमाल किया जाएगा। ड्रोन कैमरे और CCTV नेटवर्क पूरे रास्ते पर कड़ी नजर रखेंगे।

अहमदाबाद में असामाजिक तत्वों का बेकाबू आतंक: नवरंगपुरा फायर स्टेशन के पास दिनदहाड़े एक व्यक्ति पर हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाने वाली एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। अहमदाबाद के पॉश नवरंगपुरा इलाके में असामाजिक तत्वों का आतंक देखने को मिला है। नवरंगपुरा फायर स्टेशन के पास कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा एक सामान्य बात पर एक बेगुनाह व्यक्ति पर हिंसक हमला करने की घटना सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार, असामाजिक तत्वों ने किसी अज्ञात कारण से नवरंगपुरा फायर स्टेशन जैसी व्यस्त सार्वजनिक सड़क पर एक व्यक्ति को निशाना बनाया और उस पर हमला कर दिया। दिनदहाड़े हुई इस घटना के बाद, स्थानीय निवासियों और आस-पास के राहगीरों में बहुत डर और दहशत का माहौल फैल गया है। पता चला है कि हमले की इस घटना के बाद, घायल व्यक्ति को तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, शहर में पुलिस की गश्त के बावजूद, ऐसे असामाजिक तत्वों को कानून का कोई डर नहीं है। पब्लिक रोड पर हुई इस घटना ने शहर के लोगों की सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। जब लोकल पुलिस को इस मामले की जानकारी मिली, तो पुलिस ने केस दर्ज किया, आस-पास के CCTV फुटेज चेक किए और हमलावरों को पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी।

झोज पुलिस का बड़ा एक्शन, देसी पिस्तौल के साथ आरोपी गिरफ्तार घर में छिपाकर रखी थी देसी पिस्तौल, पुलिस ने मारा छापा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदयपुर। अवैध हथियारों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के तहत झोज पुलिस ने एक व्यक्ति को देसी पिस्तौल, तीन जिंदा कारतूस व एक मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार वडोदरा रेंज के उच्च अधिकारियों व छोटा उदयपुर जिला पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। जिसके आधार पर पुलिस उपाधीक्षक के.एच. सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में झोज थाने के पुलिस निरीक्षक जे.डी. वसावा को सूचना मिली कि बरोज गांव का नरसिंगभाई उर्फ सुरसिंगभाई चंदूभाई राठवा अपने घर पर अवैध देसी पिस्तौल व जिंदा कारतूस रखता है। सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी के घर पर छापेमारी की तो उसके पास से एक देसी पिस्तौल (मैगजीन समेत), तीन

जिंदा कारतूस व एक मोबाइल बरामद हुआ। पुलिस ने करीब 10 लाख रुपये कीमत का कीमती सामान जब्त किया। 20,600. इस मामले में जोज़ पुलिस स्टेशन में पार्ट-B क्राइम नंबर.11184012260661/2026 दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-B)(A) के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच की गई है। पुलिस इंस्पेक्टर जे.डी. वसावा, PSI एच.आर. प्रजापति के साथ जोज़ पुलिस स्टेशन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस पूरे ऑपरेशन में अहम भूमिका निभाई।

संक्षिप्त न्यूज

बिजली के पोल विवाद पर किसानों से बातचीत को तैयार सरकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। बिजली के पोल लगाने के विवाद को लेकर किसानों के आंदोलन के बाद सरकार ने किसान संगठनों को बातचीत के लिए बुलाया है। अब सभी की नजर इस बैठक पर है कि किसानों की मांगों पर सहमति बनती है या आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

नर्मदा जल योजना में करोड़ों के घोटाले का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जिले के 18 गांवों में नर्मदा जल योजना में करोड़ों रुपये के घोटाले का आरोप लगा है। दावा किया गया है कि कई स्थानों पर पाइपलाइन और जल आपूर्ति अधूरी होने के बावजूद काम पूरा दिखाकर भुगतान कर दिया गया। मामले की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग उठ रही है।

राम मंदिर में कथित गड़बड़ियों पर जांच की मांग तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण में कथित गड़बड़ियों और गुणवत्ता संबंधी शिकायतों को लेकर जांच की मांग उठ रही है। विभिन्न संगठनों और श्रद्धालुओं ने आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

E20 पेट्रोल से नई गाड़ियों को राहत, पुरानी गाड़ियों पर पड़ सकता है असर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। पेट्रोल में 20' इथेनॉल (E20) मिश्रण लागू होने के बाद नई E20-कंप्लायंट गाड़ियों पर इसका खास असर नहीं पड़ता, जबकि पुरानी गाड़ियों में माइलेज, स्टार्टिंग और इंजन पार्ट्स पर लंबे समय में असर पड़ सकता है। विशेषज्ञ नियमित सर्विस और वाहन निर्माता के निर्देशों का पालन करने की सलाह देते हैं।

राजकोट में पुल की गुणवत्ता पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। पुल में गैप की खबर सामने आने के बाद निर्माण गुणवत्ता को लेकर लोगों में नाराजगी है। स्थानीय नागरिकों ने मामले की निष्पक्ष जांच, जिम्मेदार अधिकारियों व ठेकेदारों पर कार्रवाई तथा सड़क और पुल परियोजनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की मांग की है।

रोहित शेट्टी को फिरौती की कथित धमकी, पुलिस ने जांच तेज की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी को ?20 करोड़ की कथित फिरौती और जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर एक कथित ऑडियो क्लिप भी वायरल हो रही है, जिसकी पुलिस जांच कर रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई पुलिस ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है। ऑडियो की सत्यता की जांच साइबर सेल और फोरेंसिक टीम से कराई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर धमकी देने वालों की पहचान और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।

भीनमाल में 'म्हारो खाटूश्याम' फिल्म के पोस्टर का भव्य विमोचन, 4 सितंबर को पूरे देश में होगी रिलीज

भीनमाल में 'म्हारो खाटूश्याम' फिल्म के पोस्टर का भव्य विमोचन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल (मुकेश सोलंकी)। शहर में श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में आयोजित एक भव्य भजन संध्या के दौरान भक्तों को एक बड़ी सौगात मिली। सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में देसाई फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म 'म्हारो खाटूश्याम' के आधिकारिक पोस्टर का भव्य विमोचन किया गया। यह फिल्म भारतीय सिनेमा जगत में अपनी तरह की एकमात्र अनूठी फिल्म होगी, जिसे हिंदी, गुजराती और राजस्थानी तीनों भाषाओं में एक साथ तैयार किया जा रहा है। इस फिल्म के डायरेक्टर गोपाल देसाई एवं प्रोड्यूसर संदीप देसाई है। आयोजन समिति से मिली जानकारी के अनुसार, श्याम बाबा के भजनों से गुंजायमान

पंडाल में जैसे ही फिल्म का पोस्टर लॉन्च किया गया, पूरा परिसर 'हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा' के जयकारों से गूंज उठा। फिल्म के निर्माताओं ने बताया कि यह फिल्म खाटूश्यामजी की महिमा, उनके जीवन दर्शन और भक्तों की अगाध आस्था पर आधारित है। तीन क्षेत्रीय व राष्ट्रीय भाषाओं के जुड़ाव के कारण यह फिल्म देश के एक बड़े दर्शक वर्ग तक बाबा श्याम का संदेश पहुंचाएगी।

4 सितंबर को देशभर के सिनेमाघरों में एक साथ मचेगी धूम

पोस्टर विमोचन के साथ ही निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट को भी आधिकारिक ऐलान कर दिया है। आगामी 4 सितंबर को यह फिल्म पूरे भारतवर्ष के सिनेमाघरों में एक साथ रिलीज की जाएगी। श्याम मित्र मंडल के पदाधिकारियों और स्थानीय भक्तों ने पोस्टर लॉन्च पर खुशी जताते हुए कहा कि यह फिल्म हर श्याम भक्त के लिए एक अनूठा उपहार साबित होगी। फिल्म को लेकर अभी से ही सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर भारी उत्साह देखा जा रहा है।'म्हारो खाटूश्याम' फिल्म के पोस्टर का भव्य विमोचन को सफल बनाने में स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों और श्याम भक्तों का सराहनीय सहयोग रहा।

इस मौके पर सुप्रसिद्ध युवा गायक अभिनव ऐरन, लोक लाड़ले सुप्रसिद्ध एंकर मीठालाल जांगिड़,नारायण जांगिड़, अशोक धारीवाल, सीएल गहलोत, गोपाल बालोत, संदीप देसाई,नवरत्न अग्रवाल, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, श्रवण अग्रवाल, हनुमान अग्रवाल, ब्रजमोहन अग्रवाल,जबराराम भाटी, सुरेश नामा,कपिल अग्रवाल, राहुल सोनी, पीयूष दवे, संदीप सिंह राव, लक्ष्मण त्रिवेदी, मयंक दवे, नरेश सोनी, ध्रुव शर्मा, सुमित कुमार, सौरभ दवे, जीतू सोनी, दशरथ वैष्णव, उत्तम सिंह, करण बंजारा, दिनेश प्रजापत, मोहित अग्रवाल, विक्रम सोनी, राहुल सोनी एवं मदन दवे सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक, मातृशक्ति और श्याम मित्र मंडल के सदस्य मौजूद रहे।

इंसानियत शर्मसारः 13 साल की मासूम बच्ची से 5 दिन में 30 दरिंदों ने किया गैंगरेप, दिल दहला देने वाली घटना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्रीगंगानगर/राजस्थान। एक बहुत ही जानलेवा और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है जिसने कानून-व्यवस्था को हिलाकर रख दिया है और सभ्य समाज की निगाहें नीची कर दी हैं। राजस्थान के श्रीगंगानगर में सिर्फ 5 दिन के छोटे से समय में 30 दरिंदों द्वारा 13 साल की मासूम बच्ची के साथ गैंगरेप किए जाने की भयानक घटना ने गुजरात समेत पूरे देश में भारी हंगामा मचा दिया है। मिली चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, इस मासूम बच्ची को दरिंदों ने अपने जाल में फंसाकर पांच दिन तक रखा। इन पांच दिनों में एक के बाद एक करीब 30 दरिंदों ने नर्क की सारी हदें पार करते हुए बच्ची पर अमानवीय अत्याचार किए। इन के तार गुजरात से जुड़े होने के शक के बीच लोकल पुलिस समेत एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया है। जब लड़की किसी तरह इन अपराधियों के चंगुल से भाग निकली, तो इस पूरे भयानक स्कैम का पर्दाफाश हुआ।

अपराधियों को फांसी देने की ज़ोरदार मांग, सख्त कार्रवाई शुरू

इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन के साथ-साथ बड़े अधिकारी एक्शन मोड में आ गए हैं। पीड़ित लड़की को तुरंत मेडिकल ट्रीटमेंट और काउंसलिंग के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और सभी अपराधियों को पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमें

बनाकर छापेमारी शुरू कर दी है और खबर है कि कुछ संदिग्धों को गिरफ्तार भी किया गया है। इस घिनौनी हरकत के बाद जनता में भारी गुस्सा है। लोग सोशल मीडिया पर भी इस मासूम लड़की के लिए इंसाफ की मांग कर रहे हैं। शहरवासियों की बस यही मांग है कि ऐसे बिगड़े और वहशी लोगों पर फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर जल्द से जल्द फांसी दी जाए, ताकि भविष्य में ऐसा पाप करने वाला कोई भी इंसान हजार बार कांपे।

गूगल पर सर्च किया 'डेथ पॉइंट', लोहगढ़ किले में की 'डेथ रिहर्सल' सिया और केतन की क्रूर साज़िश का चौंकाने वाला खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे/गुजरात। एक बहुत ही चौंकाने वाली और खून जमा देने वाली घटना सामने आई है जो क्राइम पेट्रोल या सस्पेंस थ्रिलर फिल्मों को भी पीछे छोड़ देती है। सिया और केतन की जोड़ी ने इतनी खतरनाक और क्रूर साज़िश रची कि कानून के रखवालों ने भी जानकर अपने सिर पर हाथ रख लिया है। इन दो गुनाहगारों ने कोई पेपर क्रैश या आम हादसा नहीं किया, बल्कि डिजिटल ज़माने में गूगल का इस्तेमाल करके मौत का पूरा रोडमैप तैयार किया! पुलिस जांच में जो बातें सामने आई हैं, वे दिमाग हिला देने वाली हैं। सिया और केतन ने जुर्म करने से पहले काफी देर तक इंटरनेट और गूगल पर सर्च किया था। उनका मकसद एक ऐसा 'डेथ पॉइंट' ढूंढना था जहां से कोई बच न सके और पूरी घटना एक हादसे में खत्म हो जाए। इसी खोज के आधार पर

उन्होंने लोहगढ़ किले की गहरी और खड़ी घाटियों को चुना था। साज़िश इतनी चालाक थी कि घटना को अंजाम देने से पहले, सिया और केतन ने लोहगढ़ किले में जाकर पूरी रिहर्सल की थी! उन दोनों ने लाइव डेमोंस्ट्रेशन दिया था कि कहाँ धक्का देना है, किस पॉइंट से बॉडी को नीचे फेंकना है और सबूत कैसे मिटाने हैं। मर्डर का पूरा प्लान ऐसे फाइनल किया गया था जैसे वे किसी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हों। इन अपराधियों की हिम्मत और समझदारी तो देखो! उन्हें पता था कि क्राइम करने के बाद पुलिस उन तक ज़रूर पहुँचेगी। इसीलिए सिया और केतन ने पुलिस की पूछताछ के सवालों और उनके मनगढ़ंत जवाबों की पूरी स्क्रिप्ट पहले से तैयार कर रखी थी। पुलिस के सामने कैसे रोना है, क्या कहानी बनानी है और कैसे बचना है, इन दोनों ने खूब प्रैक्टिस की थी। लेकिन, कहते हैं कि क्रिमिनल कितना भी चालाक क्यों न हो, वह कानून के हाथों से बच नहीं सकता। सिया और केतन ने अपनी तरफ से 100' परफेक्ट मर्डर प्लान बनाया था, लेकिन पुलिस के टेक्निकल सोर्स, मोबाइल लोकेशन और गूगल सर्च हिस्ट्री की जांच ने उनके प्लान की पोल खोल दी। जैसे ही पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की, उनकी पहले से तैयार की गई स्क्रिप्ट फेल हो गई और दोनों को अपना जानलेवा जुर्म कबूल करना पड़ा। अब, पुलिस ने इन दोनों बेरहम क्रिमिनल्स को गिरफ्तार करके सलाखों के पीछे डाल दिया है। इस घटना ने साबित कर दिया है कि क्रिमिनल्स अब टेक्नोलॉजी का कितना खतरनाक इस्तेमाल कर रहे हैं!

आरबीरा में नदी में अवैध रेत रोकने के लिए महिलाएं हुए एकजुट रेत माफिया भागने पर हुए मजबूर नदी से

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ ब्लॉक ग्राम आरबीरा और रेगाकठेरा नदी में लगातार अवैध रूप से रेत निकाला जा रहा था लंबे समय से चल रहा रेत का कालाबाजारी का खेल आखिरकार गांव की महिलाएं और कुछ ग्रामीण ने आज अचानक नदी में पहुंचकर अवैध तरीके से रेत निकाला जा रहा था और धड़के से बाहर सप्लाई कर रहे थे तभी ग्राम आरबीरा के महिलाएं साहस और एक जुटता दिखाकर अचानक नदी में पहुंचे और पता चला कि ग्राम रेगाकठेरा सरपंच की ट्रैक्टर नदी से अवैध तरीके से रेत निकल रहे थे ग्रामीण एवं महिलाएं ट्रैक्टर को पकड़ लगभग एक घंटा तक बैठे रहे ट्रैक्टर मालिक को बुलाया जाए तभी ट्रैक्टर यहां से

जाएगी अन्यथा नहीं तो खनिज विभाग में जाएगी आखिरकार में ट्रैक्टर मालिक को नदी में आना पड़ा और ट्रैक्टर मालिक के द्वारा अपनी बात रखकर बताया गया की रेत निकाल रहे हैं लेकिन पंचायत कम से निकल रहे हैं सरपंच पति का द्वारा कहा गया मिली सूत्रों के अनुसार ग्राम आरबीरा में लंबे समय से चले आ रहा था रेत का कालाबाजारी खेल कुछ महिलाएं ने मीडिया के समक्ष बताया गया कि हमारे गांव में अभी हाल में ही रेत के संबंध में मीटिंग मुनियादी भी किया गया है अवैध तरीके से रेत निकाल कर अगर कोई बाहर भेजता है

दुनिया के अमीर लोगों के रास्ते की रुकावटें हटाओ, खेती-बाड़ी के सेक्टर की लूट को अब हमेशा के लिए खत्म करो!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/गुजरात। दुनिया के अमीर माने जाने वाले किसानों के लिए 'जय किसान' का नारा बहुत ज़ोर-शोर से लगाया जाता है, लेकिन ज़मीन की सच्चाई कुछ और ही और बेहद कड़वी है। जो किसान मेहनत-मज़दूरी करके, सर्दी-गर्मी सहकर पूरे देश का पेट भरता है, आज वही किसान सिस्टम के करप्शन और एडमिनिस्ट्रेटिव रुकावटों के दुष्चक्र में फंसा हुआ है। खेती-बाड़ी के सेक्टर में कदम-दर-कदम हो रही मुश्किलें और सरकारी बाबुओं और बिचौलियों की खुली लूट अब बर्दाश्त के बाहर हो गई है। 'पक्को गुजरात न्यूज़' आज किसानों के इस दर्द भरे गुस्से को देश और राज्य के हुक्मरानों के सामने बहुत ही आक्रामक तरीके से पेश कर रहा है। हर कदम पर रुकावटें: बुआई से लेकर बेचने तक संघर्ष किसान की परीक्षा खेत में पैर रखते ही शुरू हो जाती है। सरकार चाहे कितने भी दावे कर ले, आज भी आम किसान को समय पर और अच्छी क्वालिटी के बीज या खाद पाने के लिए घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है या ब्लैक मार्केट में दोगुनी कीमत चुकानी पड़ती है। बिजली और पानी की समस्या रात में खेतों में अनियमित बिजली सप्लाई के कारण किसानों को जहरीले जानवरों के डर के बीच रात भर जागना पड़ता है। सिंचाई के पानी के लिए नहरों की परमिशन लेनी हो तो भी फाइलें एक टेबल से दूसरी टेबल पर भटकती रहती हैं। जब बेमौसम बारिश, तूफान या सूखे जैसी आपदाओं में फसलें नष्ट हो जाती हैं, तो कंपनियों की शर्तें और फसल बीमा लेने में प्रशासनिक पेचीदगियां किसान की कमर तोड़ देती हैं। खेती के क्षेत्र से जुड़ा भ्रष्टाचार सिर्फ आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि एक सामाजिक पाप है। सब्सिडी स्कीम से लेकर मार्केट यार्ड तक, भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी हैं सब्सिडी और सरकारी स्कीम में कटौती: खेती के औज़ार, ट्रैक्टर या सोलर पंप पर सरकारी सब्सिडी मंज़ूर करवाने के लिए बिचौलियों और भ्रष्ट बाबुओं को सरकारी दफ़्तरों में 'कमीशन' देना पड़ता है। जो बेचारा किसान पैसे नहीं दे पाता, उसकी फाइलें धूल फांकती रहती हैं। जब किसान अपनी फसल बेचने APMC या मार्केट यार्ड जाता है, तो बिचौलियों और व्यापारियों की साठगांठ की वजह से उसे सही दाम नहीं मिलता।

ऊंझा पुलिस का इलेक्ट्रिकल ऑपरेशनः करोड़ों/लाखों की केबल वायर चोरी कुछ ही घंटों में सॉल्व, चोरों का गैंग कीमती सामान के साथ सलाखों के पीछे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ऊंझा/मेहसाणा। मेहसाणा डिस्ट्रिक्ट सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस के निर्देशों और गाइडेंस में, ऊंझा पुलिस स्टेशन टीम ने लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने में एक और तारीफ़ के काबिल और बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने हाल ही में ऊंझा पुलिस स्टेशन एरिया से हुई कीमती केबल वायर की चोरी के क्राइम का कुछ ही घंटों में खुलासा कर दिया है। पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए चोरी में शामिल सभी कीमती सामान के साथ आदतन आरोपी को अरेस्ट कर लिया है और लीगल एक्शन लिया है।

इनफॉर्मर्स का नेटवर्क और CCTV हथियार बने!

मिली जानकारी के मुताबिक, ऊंझा एरिया से केबल वायर चोरी की शिकायत दर्ज होते ही ऊंझा पुलिस एक्शन मोड में आ गई थी। पुलिस इंस्पेक्टर की लीडरशिप में अलग-अलग टीमें बनाई गई और इन्वेस्टिगेशन शुरू की गई। पुलिस ने टेक्निकल सोर्स, एरिया के छिछूंदर फुटेज और इनफॉर्मर्स की मदद से

संदिग्ध मूवमेंट्स पर नज़र रखी। पुलिस की कड़ी निगरानी और सटीक प्लानिंग की वजह से चोरों का पूरा गैंग पुलिस की गिरफ्त में आ गया।

चोरी का 100% माल बरामद!

आमतौर पर चोरी के केस में माल पिघला दिया जाता है या बेच दिया जाता है, लेकिन ऊंझा पुलिस ने ऑपरेशन इतनी तेज़ी से किया कि चोरों के गैंग को माल लेकर भागने का मौका ही नहीं मिला। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे चोरी के सभी केबल तार सही-सलामत ज़ब्त कर लिए हैं। इसके साथ ही पुलिस ने चोरी में इस्तेमाल किए गए इक्विपमेंट या गाड़ियों की भी डिटेल में जांच शुरू कर दी है। अपराधियों में कानाफूसी, शहर के लोग ऊंझा पुलिस के काम की तारीफ़ कर रहे हैं! चोरी की घटना के कुछ ही घंटों में केस सुलझाने वाली ऊंझा पुलिस की काबिलियत और बिजली की तेज़ी की पूरे मेहसाणा ज़िले में तारीफ़ हो रही है। इस कामयाब ऑपरेशन के लिए गुजरात पुलिस और गांधीनगर रेंज IG समेत सीनियर अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर ऊंझा पुलिस की पीठ भी थपथपाई है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों की हिस्ट्रीशीट का ग्राफ चेक करने और रिमांड लेने की कोशिश कर रही है ताकि पता चल सके कि इस चोरी के पीछे कोई और बड़ा नेटवर्क तो काम नहीं कर रहा है।

श्री राजे फाउंडेशन ने मनीसा में ज़रूरतमंद स्टूडेंट्स को मुफ्त किताबें बांटीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शिक्षा को बढ़ावा देने और गरीब और ज़रूरतमंद बच्चों के सपनों को नई ज़िंदगी देने के नेक इरादे से अहमदाबाद के मनीसा इलाके में एक शानदार प्रोग्राम किया गया। 'पादि दान से विद्या दान' कैंपेन के तहत, श्री राजे फाउंडेशन की तरफ से मुफ्त किताब बांटने का प्रोग्राम बड़े पैमाने पर किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स को मुफ्त किताबें बांटी गईं। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन श्री कमलेशभाई पटेल और लोकल काउंसलर श्रीमती सोनलबा सरवैया इस प्रेरणा देने वाले मौके पर खास तौर पर मौजूद थीं। उनके साथ खोखरा वार्ड के प्रेसिडेंट श्री चिराग शेट्टे, युवा मोर्चा के शहर मंत्री श्री वृषट मर्चेंट, पूर्व काउंसलर श्रीमती शिवानीबेन जानकार और संगठन के दूसरे पदाधिकारी और नेता मौजूद थे और उन्होंने फाउंडेशन के इस काम की तारीफ़ की। प्रोग्राम में मौजूद गणमान्य लोगों ने कहा कि शिक्षा समाज के सुनहरे भविष्य की सबसे मज़बूत नींव है।

जेतपार में किसानों का आंदोलन उग्र, 10वें दिन भी आमरण अनशन जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोरबी। जेतपार गांव में किसानों का आंदोलन अब बहुत उग्र और संवेदनशील मोड़ पर पहुंच गया है। खेतों में गैर-कानूनी तरीके से लगाए जा रहे बिजली के खंभों के विरोध में जेतपार के धरतीपुत्र पिछले 10-10 दिनों से आमरण अनशन कर रहे हैं। प्रशासन की घोर अनदेखी और सख्त रवैये के खिलाफ अन्नदाता अब अपनी जान जोखिम में डालकर भी लड़ने के मूड में दिख रहे हैं। 10 दिनों से अन्न त्यागः सेहत बिगड़ रही है लेकिन हौसला मजबूत! भीषण गर्मी और असहनीय हालात के बीच लगातार 10 दिनों से भूखे-प्यासे रह रहे कुछ प्रदर्शनकारी किसानों की सेहत अब नाजुक होती जा रही है। कुछ किसान शरीर से कमज़ोर हो गए हैं और उन्हें इलाज की ज़रूरत है, फिर भी वे पक्के इरादे से डटे हुए हैं और इंसाफ़ मिलने तक अपना अनशन नहीं तोड़ने का फ़ैसला कर रहे हैं। किसानों के इस मज़बूत हौसले ने एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम की साँसें रोक दी हैं। इस आंदोलन की सबसे बड़ी और सबसे मज़बूत बात यह है कि अब बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं भी किसानों के साथ इस लड़ाई में शामिल हो गई हैं। अपने घर के काम छोड़कर माताएं और बहनें भी इस विरोध प्रदर्शन में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं।

श्री राजे फाउंडेशन ने मनीसा में ज़रूरतमंद स्टूडेंट्स को मुफ्त किताबें बांटीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हेमंत वर्मा/राजनांदगांव। आरसीए राजनांदगांव क्रिकेट अकादमी के प्रतिभाशाली खिलाड़ी हिमांशु शुक्ला ने चल रहे टेस्ट मैच में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया। उन्होंने बल्लेबाजी में 203 रन की नाबाद (203) पारी खेली, जिसमें 27 चौके और 7 छक्के शामिल रहे। उनकी इस दमदार पारी की बदौलत टीम ने अपनी पहली पारी घोषित कर विपक्षी टीम पर मजबूत दबाव बना दिया। बल्लेबाज़ी के बाद हिमांशु ने गेंदबाजी में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। इसके बाद टीम की ज़रूरत के अनुसार विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली और एक शानदार स्टंपिंग कर विपक्षी टीम को एक और बड़ा झटका दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक विपक्षी टीम 7 विकेट के नुकसान पर 104 रन ही बना सकी। अपनी ऐतिहासिक पारी के बाद हिमांशु शुक्ला ने इस सफलता का श्रेय अपने साथियों और कोच को दिया। उन्होंने विशेष रूप से साल्हेवारा के युवा क्रिकेट खिलाड़ी तन्मय निषाद का उल्लेख करते हुए कहा कि तन्मय हमेशा उनके साथ घंटों तक धुआंधार अभ्यास करते रहे। उनके जुनून, मेहनत और लगातार सहयोग ने उन्हें क्रिकेट में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और बेहतर खिलाड़ी बनने में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर सके।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेशी यात्राएँ भारत के लिए अर्थलाभदायक?

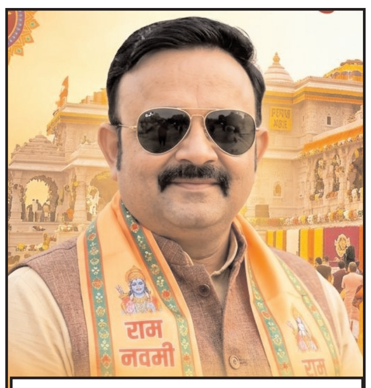

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ पिछले एक दशक से भारतीय राजनीति और कूटनीति के केंद्र में रही हैं। समर्थकों के लिए ये यात्राएँ भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं, जबकि आलोचक इन्हें अत्यधिक प्रचार आधारित और महँगी कूटनीति मानते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन यात्राओं से वास्तव में भारत को ठोस लाभ मिला है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ केवल औपचारिक कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने भारत की वैश्विक पहचान, आर्थिक हितों और सामरिक प्रभाव को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का कार्य किया है। वर्ष 2014 में सत्ता संभालने के बाद से लेकर जून 2026 तक प्रधानमंत्री मोदी लगभग 100 विदेश यात्राएँ कर 78 देशों का दौरा कर चुके हैं। यह आँकड़ा स्वयं इस बात का प्रमाण है कि भारत ने बीते एक दशक में विश्व मंच पर अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएँ पिछले एक दशक से भारतीय राजनीति और कूटनीति के केंद्र में रही हैं। समर्थकों के लिए ये यात्राएँ भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक हैं, जबकि आलोचक इन्हें अत्यधिक प्रचार आधारित और महँगी कूटनीति मानते हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या इन यात्राओं से वास्तव में भारत को ठोस लाभ मिला है?

भारत की विदेश नीति आज केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार, निवेश, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीक, रक्षा सहयोग और वैश्विक प्रभाव बढ़ाने का माध्यम भी बन चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल में अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों, अफ्रीका तथा हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ संबंधों को नई दिशा देने का प्रयास किया है। हाल की उनकी सेशेल्स हिंद महासागर में स्थित एक खूबसूरत द्वीपीय देश है। यात्रा भी समुद्री सुरक्षा, ब्लू इकोनॉमी और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक भूमिका को मजबूत करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इन यात्राओं का सबसे बड़ा लाभ आर्थिक क्षेत्र में दिखाई देता है। वैश्विक कंपनियों के साथ संपर्क बढ? से भारत में निवेश आकर्षित हुआ है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विनिर्माण क्षेत्र में भारत को नई संभावनाएँ मिली हैं। हाल के वर्षों में अनेक वैश्विक कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश की घोषणाएँ की हैं, जिससे रोजगार और औद्योगिक विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

रणनीतिक दृष्टि से भी भारत की स्थिति पहले की तुलना में अधिक सशक्त हुई है। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहा है और छोटे द्वीपीय देशों के साथ रक्षा एवं समुद्री सहयोग बढ़ा रहा है। सेशेल्स को भारत निर्मित गश्ती पोत सौंपना इसी नीति का हिस्सा है।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्वीकार्यता भी बढ़ी है। अनेक देशों ने भारत की वैश्विक भूमिका का समर्थन किया है तथा भारत को एक उभरती महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की भारतीय दावेदारी को भी विभिन्न देशों का समर्थन प्राप्त हो रहा है।

हालाँकि, विदेश यात्राओं की सफलता का मूल्यांकन केवल स्वागत समारोहों और समझौतों की संख्या से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना आवश्यक है कि कितने समझौते धरातल पर उतरते हैं, कितना निवेश वास्तव में आता है और उससे देश के आम नागरिक को कितना लाभ मिलता है। कुछ मामलों में व्यापारिक विवाद, वैश्विक तनाव और भू-राजनीतिक चुनौतियाँ भी भारत के सामने बनी हुई हैं।

आधुनिक विश्व व्यवस्था में सक्रिय कूटनीति किसी भी उभरती शक्ति के लिए अनिवार्य है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं ने भारत की अंतरराष्ट्रीय पहचान को मजबूत किया है, नए साझेदार बनाए हैं और भारत को वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रभावशाली स्थान दिलाने का प्रयास किया है। लेकिन इन यात्राओं की वास्तविक सफलता का पैमाना यही होगा कि वे देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार, सुरक्षा और आम नागरिक के जीवन में कितनी सकारात्मक परिवर्तनकारी भूमिका निभाती हैं।

विदेश नीति का अंतिम उद्देश्य राष्ट्रीय हितों की पूर्ति होना चाहिए। यदि विदेश यात्राएँ निवेश, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक शक्ति के रूप में भारत को लाभ पहुँचा रही हैं, तो उन्हें केवल राजनीतिक दृष्टि से नहीं बल्कि राष्ट्रीय विकास की व्यापक रणनीति के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका इसी संतुलित और परिणामोन्मुख कूटनीति पर निर्भर करेगी।

आलेख के बीच में

सेशेल्स यात्राः हिन्द महासागर में सहयोग और सामरिक साझेदारी की नई दिशा

भारत और सेशेल्स के बीच संबंध केवल कूटनीतिक औपचारिकताओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे साझा समुद्री हितों, सुरक्षा सहयोग और विकास की साझी आकांक्षाओं पर आधारित हैं। सेशेल्स की यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के साथ-साथ हिन्द महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के साझा लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करेगी। हिन्द महासागर आज वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक प्रतिस्पर्धा का प्रमुख केंद्र बन चुका है। विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता केवल तटीय देशों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी विश्व अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। सेशेल्स, भौगोलिक दृष्टि से छोटा द्वीपीय राष्ट्र होने के बावजूद हिन्द महासागर की समुद्री सुरक्षा व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। भारत ने हमेशा सागर अर्थात सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन की नीति के माध्यम से हिन्द महासागर क्षेत्र में सहयोग, विश्वास और साझा विकास को प्राथमिकता दी है। इसी नीति के तहत भारत ने सेशेल्स के साथ रक्षा, समुद्री निगरानी, तटरक्षक सहयोग, क्षमता निर्माण तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में निरंतर साझेदारी विकसित की है। समुद्री डकैती, अवैध मछली पकड?, तस्करी और अन्य समुद्री अपराधों से निपटने में भी दोनों देशों का सहयोग महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

सेशेल्स की यात्रा इस बात का संकेत है कि भारत अपने पड़ोसी और मित्र देशों के साथ संबंधों को केवल रणनीतिक नजरिये से नहीं देखता, बल्कि उन्हें विकास के विश्वसनीय भागीदार के रूप में भी मान्यता देता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी, अक्षय ऊर्जा और ब्लू इकोनॉमी जैसे क्षेत्रों में सहयोग की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। विशेष रूप से ब्लू इकोनॉमी के क्षेत्र में दोनों देश समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आज जब हिन्द महासागर क्षेत्र में वैश्विक शक्तियों की सक्रियता बढ़ रही है, तब भारत और सेशेल्स के बीच मजबूत होते संबंध क्षेत्रीय संतुलन और सामूहिक सुरक्षा के लिए भी आवश्यक हैं। यह साझेदारी किसी प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि सहयोग, विश्वास और साझा हितों पर आधारित व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास है। छोटे द्वीपीय देशों की विकास संबंधी चुनौतियों और जलवायु परिवर्तन के खतरों से निपटने में भारत की भूमिका एक विश्वसनीय मित्र और विकास सहयोगी के रूप में उभर रही है। सेशेल्स यात्रा दोनों देशों के संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाएगी। इससे हिन्द महासागर क्षेत्र में समुद्री सहयोग को नई गति मिलेगी तथा एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिन्द महासागर के निर्माण की साझा दृष्टि को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ऐसी साझेदारियाँ ही क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक प्रगति और दीर्घकालिक शांति की आधारशिला सिद्ध होंगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

हार से कभी मत डरनाः यही मायूसी एक दिन नया इतिहास रचेगी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जिंदगी की पिच पर वक्त की गेंद कभी गुगली बनकर आती है तो कभी बाउंसर। कई बार हम क्लीन बोल्ड हो जाते हैं, तो कई बार जीवन के मैदान पर ऐसी धूल चाटनी पड़ती है कि इंसान अंदर से टूट जाता है। आज के इस 'इंस्टेंट' और भागदौड़ वाले जमाने में हर किसी को रातों-रात कामयाबी चाहिए। लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि शॉर्टकट से मिली सफलता की उम्र बहुत छोटी होती है, जबकि संघर्ष की भट्टी में तपकर जो शख्स बाहर निकलता है, उसकी चमक सदियों तक बरकरार रहती है। जो आज संघर्ष करते हैं, वही कल इतिहास बनाते हैं... ' हार कोई फुलस्टॉप (पूर्णविराम) नहीं, बल्कि एक कॉमा (अल्पविराम) है अक्सर लोग लाइफ में एक या दो बार असफल होने पर घुटने टेक देते हैं। उन्हें लगता है कि सब कुछ खत्म हो गया। लेकिन सच तो यह है कि हार आपको यह सिखाने आती है कि आपकी कोशिशों में कहां कमी रह गई थी। अगर वह गिरने के डर से दोबारा उठना ही बंद कर दे, तो क्या वह कभी दौड़ पाएगा? बिल्कुल नहीं! नाकामयाबी जिंदगी का अंत नहीं, बल्कि जीतने की एक नई शुरुआत है। जो इंसान गिरने के बाद उठना और धूल झाड़कर दोबारा लड़ना जानता है, दुनिया की कोई ताकत उसे हरा नहीं सकती। इतिहास गवाह है कि दुनिया का कोई भी महान वैज्ञानिक, बिजनेसमैन या एथलीट पहले ही प्रयास में सफल नहीं हुआ। थॉमस अल्वा एडिसन हजारों बार फेल हुए, तब जाकर बल्ब का आविष्कार हुआ। अगर उन्होंने हार मान ली होती, तो दुनिया आज भी अंधेरे में होती। हमारे देश के धीरूभाई अंबानी से लेकर एलन मस्क तक, इन सब की शुरुआत शून्य और बेहद कड़े संघर्ष से हुई थी। लेकिन वे झुके नहीं, डरे नहीं और इसीलिए आज उनका नाम इतिहास के पन्नों पर सुनहरे अक्षरों में दर्ज है। जैसे सोने को कुंदन बनने के लिए आग में तपना पड़ता है और हीरे को कीमती बनने के लिए घिसना पड़ता है, वैसे ही इंसान की काबिलियत भी मुश्किलों से ही निखरती है। आज आप जो अकेलेपन का दर्द, रातों की नींद हराम करना और लोगों के ताने सह रहे हैं, वह असल में आपकी आने वाली कल की सफलता की स्क्रिप्ट लिख रहा है।

महानगर मेट्रो का युवा पीढ़ी को संदेशः

आज की युवा पीढ़ी जो जरा सी असफलता या करियर के उतार-चढ़ाव से डिप्रेशन में आ जाती है, उन्हें यह समझना होगा कि शांत समंदर में कोई कभी कुशल नाविक नहीं बन सकता। लहरों के थपेड़े और तूफानों से टकराकर ही जहाज किनारे तक पहुंचता है।

एनडीए कुनबे में सांसद बढ़े पर बढ़ गया अंदरूनी असंतोष

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति में इस समय एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिल रहा है। विपक्ष के सांसदों की टूट-फूट से सत्ताधारी एनडीए का कुनबा लगातार बड़ा हो रहा है। ऊपरी तौर पर ऐसा लगता है कि सरकार पहले से कहीं अधिक मजबूत और सुरक्षित हो चुकी है। लेकिन जब हम दिल्ली के राजनीतिक गलियारों और संसद के आंकड़ों की गहराई में जाते हैं, तो कहानी कुछ और ही नजर आती है। बाहर से ताकतवर दिख रही इस सरकार के भीतर तनाव की एक नई लहर दौड़ गई है।

साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने दम पर बहुमत का जाजुई आंकड़ा नहीं छू सकी थी। तब एनडीए ने 293 सीटों के साथ सरकार का गठन किया था। सरकार को टिकाए रखने के लिए 272 सांसदों की जरूरत होती है। हाल के दिनों में विपक्षी खेमे, खासकर टीएमसी और शिवसेना, जैसे दलों से सांसदों के पाला बदलने के कारण अब एनडीए का आंकड़ा 313 के पार पहुंच चुका है। सीधे गणित से देखें तो अविश्वास प्रस्ताव के जरिए इस सरकार को गिराना विपक्ष के लिए पूरी तरह असंभव है। सरकार गिरने का कोई तात्कालिक खतरा नहीं है, इसलिए सरकार के पूरी तरह अस्थिर होने का दावा तकनीकी रूप से गलत साबित होता है। लेकिन असली पेंच सरकार के बने रहने का नहीं, बल्कि उसके कामकाज और आंतरिक तालमेल का है। सरकार का कुनबा तो बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ ही गठबंधन के भीतर तनाव भी चरम पर पहुंच गया है। इस समय सबसे बड़ी अटकलें मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल को लेकर लगाई जा रही हैं। बाहर से आए दिग्गज नेताओं को संतुष्ट करने के लिए उन्हें सरकार में जगह देनी होगी। इसकी वजह से मौजूदा कई मंत्रियों पर भारी दबाव देखा जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है कि नए चेहरों को एडजस्ट करने के लिए कई पुराने और कद्दावर मंत्रियों की छुट्टी की जा सकती है या उनसे भारी-भरकम मंत्रालय छीने जा सकते हैं। इस संभावित फेरबदल की वजह से मंत्रियों और मूल पार्टी कार्यकताओं के बीच असंतोष की आग सुलगने लगी है। पुराने नेताओं को लगने लगा है कि बरसों तक पार्टी के लिए खून-पसीना बहाने के बाद भी, ऐन मौके पर दलबदलुओं को तवज्जो दी जा रही है। तनाव का दूसरा बड़ा कारण गठबंधन की छोटी और क्षेत्रीय पार्टियों में देखा जा रहा है। नीतीश कुमार की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी जैसे दल अब अपने राजनीतिक अस्तित्व को लेकर गहरे संकट और चिंता में हैं। दरअसल, जब एनडीए के पास 293 सीटें थीं, तब इन छोटे दलों की बैसाखियों के बिना सरकार एक कदम भी नहीं चल सकती थी। लेकिन अब विपक्ष से आए सांसदों के कारण सरकार का अपना आंकड़ा 313 पार कर गया है। इस नए समीकरण ने छोटे दलों की सौदेबाजी की ताकत को लगभग खत्म कर दिया है। उन्हें डर है कि भाजपा अब उनके क्षेत्रीय हितों को नजरअंदाज कर सकती है, जिससे उनके राज्यों में उनका वजूद ही खतरे में पड़ जाएगा।इस राजनीतिक उठापटक के बीच, हालिया विवादों ने सरकार की सुशासन की छवि पर भी दबाव बना दिया है। अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का बड़ा मामला सामने आने से जहां एक तरफ धार्मिक और राजनीतिक बहस छिड़ गई है, वहीं दूसरी तरफ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से जुड़ा भूमि आवंटन का ताजा प्रकरण भी विपक्ष के हाथों में बड़ा मुद्दा बन गया है। इन दोनों ही गंभीर मामलों ने भाजपा को रक्षात्मक मुद्रा में ला खड़ा किया है, जिससे संगठन के भीतर का आपसी तनाव और अधिक गहरा गया है। इस पूरे दलबदल के पीछे सरकार की अपनी एक बड़ी रणनीति भी छिपी है। सरकार संसद में मनमाने और कड़े बिल पारित कराना चाहती है। भाजपा का मुख्य एजेंडा सिर्फ सरकार चलाना नहीं, बल्कि परिसीमन और एक देश, एक चुनाव जैसे बड़े संवैधानिक सुधारों को लागू करना है। इन ऐतिहासिक बदलावों के लिए संसद में दो-तिहाई बहुमत यानी 362 सीटों की जरूरत होती है। सरकार इसी जादुई आंकड़े को छूने के लिए विपक्ष में तोड़फोड़ कर रही है। हालांकि, इतने सांसदों को जोड़ने के बाद भी सरकार अभी दो-तिहाई के आंकड़े से दूर है, जिससे विधायी स्तर पर उसकी राह अब भी आसान नहीं दिखती। कुल मिलाकर देखें तो यह दावा पूरी तरह सही है कि सांसदों के आने से एनडीए का संख्या बल तो बढ़ा है, लेकिन सरकार के भीतर आंतरिक तनाव और असंतोष अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया है। सरकार की उम्र भले ही लंबी हो गई हो, लेकिन मंत्रियों की कुर्सी छिनने का डर, पुराने नेताओं की नाराजगी, क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व का संकट और हालिया भ्रष्टाचार के आरोप इस सरकार की राजनीतिक स्थिरता को अंदर ही अंदर खोखला कर रहे हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

जीवन में दर्द अस्थायी होता है

एक राजा ने अपने सभी सलाहकारों को बुलाया और कहा, मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर बना रहूं। जीवन के उतार-चढ़ाव मेरा संतुलन बिगाड़ देते हैं। तुम कोई ऐसी चीज बताओ जिससे दुख की अवस्था से गुजरते हुए मैं खुशी पा सपूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं, तो वह चीज मुझे दुखों की याद दिलाती रहे। ऐसी चीज खोजो जो मैं अपने पास रख सपूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत-स्थिर रह सपूं। सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने विचार-विमर्श किया। अंत में वे एक बक्सा लेकर राजा के पास गए- महाराज, आप इस बक्से को खोलें। राजा ने उसे खोला तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा, इस पर जो लिखा है,उसे पढ़ें। अंगूठी पर लिखा था- यह समय भी बीत जाएगा। इन पांच सादे लफ्जों से राजा को बड़ी मदद मिली। हमें भी संतुलन बनाए रखने में इनसे मदद मिल सकती है। जब हम बहुत आनंद में हों, तब याद रखने की जरूरत है कि चीजें हर समय ऐसी नहीं रहेंगी और जब खुशहाल वक्ति गुजर जाए तो हमें निराश या हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हमें ये पांच सादे लफ्ज याद दिला सकते हैं कि दर्द अस्थायी है और खुशहाली फिर लौट आएगी। सभी जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये जीवन के अभिन्न अंग हैं। इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर अस्थिर हो जाना चाहेंगे ? अगर हम खुद को जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे लेकिन अगले ही क्षण वापस आनंद की अवस्था में होंगे। इस लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते। ध्यान और प्रार्थना के द्वारा हम शांत स्थान पर पहुंच सकते हैं। हमारे अंतर में समस्त दैवी खजाने हैं। हम मात्र शरीर और मन नहीं हैं, बल्कि हम आत्मा हैं। आत्मा ज्योति, प्रेम और आनंद से भरपूर है। यह हर समय प्रभु से जुड़ी रहती है। सृजनात्मक र्शक्ति यानी प्रभु और आत्मा एक ही तत्त्व के बने हैं। अगर हम प्रतिदिन अपना कुछ समय अंतरात्मा की र्शांति में व्यतीत करें तो हम आनंद के एक स्थान से जुड़ जाएंगे। तब बाहरी परिस्थितियां प्रभावित नहीं करेंगी। अगली बार हमें दुख-दर्द हो तो हम याद रखें, यह समय भी बीत जाएगा।

हर कोई 'VIP' नहीं हो सकता, कुछ लोगों को 'जनरल वार्ड' में ही रखना पड़ता है

हम एक ऐसे आधुनिक युग में जी रहे हैं जहाँ लोग अपने घर के दरवाजे पर तो Welcome का बोर्ड लगाते हैं, लेकिन अपने दिल के दरवाजे इतने सस्ते और खुले कर देते हैं कि कोई भी ऐरा-गैरा आकर हमारी भावनाओं, गरिमा और मानसिक शांति के साथ खेल जाता है। किसी के दो मीठे बोल या ऊपरी व्यवहार को देखकर हम उसे जान से ज्यादा चाहने लगते हैं, और फिर वही व्यक्ति जब अपने असली रंग दिखाता है, तब हमारा दिल और भरोसा दोनों एक साथ टूट जाते हैं। मानव स्वभाव की यह एक बड़ी विडंबना है कि हमें खुद वैसे ही स्वीकार होना पसंद है जैसे हम हैं, लेकिन हम सामने वाले व्यक्ति को अपनी इच्छा के अनुसार बदलना चाहते हैं। हम भूल जाते हैं कि हर व्यक्ति अपने संस्कारों, परवरिश और अनुभवों का परिणाम है। किसी को बदलने का प्रयास करना यानी पत्थर पर पानी डालने जैसा है। रिश्तों के इस भ्रम, मोह और तनाव से बाहर निकलने का एक ही सीधा, सटीक और अचूक नियम है हर इंसान को दिल में जगह नहीं दी जा सकती। यह कोई नकारात्मकता नहीं है, बल्कि खुद को मानसिक रूप से अखंड रखने के लिए एक अनिवार्य 'इमोशनल सर्जरी' (भावनात्मक सर्जरी) है।

'बदलने का आग्रह' छोड़ें, 'जगह तय करने' का निर्णय लें

जब आप किसी व्यक्ति को उसकी कमियों और खूबियों के साथ स्वीकार कर लेते हैं, तब आपके मन से अपेक्षाओं का बेकार बोझ हल्का हो जाता है। व्यक्ति को बदलने की जिद हमेशा टकराव और निराशा ही पैदा करती है। स्वीकार करना कोई आत्मसमर्पण नहीं है, बल्कि एक ऐसी मैच्योरिटी (परिपक्वता) है जो आपको सामने वाले व्यक्ति के साथ व्यवहार करने की सही दिशा देती है। दिल को धर्मशाला मत बनाइए, जहाँ कोई भी आए, अपने नकारात्मक विचारों का कचरा फेंके और चलता बने। जब आप किसी नकारात्मक, ईर्ष्यालु या स्वार्थी व्यक्ति को अपने जीवन के केंद्र में (VIP स्थान पर) रखते हैं, तब आप अपनी खुशियों की चाबी उसके हाथ में सौंप देते हैं। इंसान का मूल स्वभाव कभी नहीं बदलता। नीम के पेड़ को चाहे कितना भी पवित्र दूध पिलाया जाए, उसकी कड़वाहट कभी कम नहीं होने वाली। इसलिए, सामने वाले व्यक्ति को 'रिपेयर' करने या सुधारने का कॉन्ट्रैक्ट (ठेका) हमने नहीं लिया है, इस सत्य को स्वीकार कर लीजिए। वे जैसे हैं वैसे ही रहेंगे, बस आपको बुद्धिमानी से यह तय करना है कि अपनी लाइफ में उन्हें कौन सी जगह देनी है।

गुलाब और काँटों का गणित

आप गुलाब के पौधे से यह उम्मीद नहीं रख सकते कि वह काँटे उगाना बंद कर दे। यह उसका स्वभाव है। स्वीकार कर लीजिए कि उसमें काँटे हैं ही। अब आपको तय करना है कि आपको उससे कितनी दूरी पर खड़े रहकर सिर्फ उसकी खुशबू लेनी है, या उसे किस तरह पकड़ना है ताकि काँटा न चुभे। हमारे फोन में सैकड़ों कॉन्टैक्ट्स सेव होते हैं, लेकिन 'स्पीड डायल' में सिर्फ 4-5 खास नाम ही होते हैं। बाकी के कई ऐसे वायरस जैसे होते हैं जिससे फोन हैंग होने लगता है, इसलिए हम उन्हें तुरंत डिलीट या ब्लॉक कर देते हैं। जब हम एक निर्जीव गैजेट को साफ रखने के लिए इतने 'फिल्टर' का उपयोग करते हैं, तो फिर इस कीमती जीवन को बेकार के लोगों से हैंग क्यों होने दें? कुछ रिश्तों को जबरदस्ती रिचार्ज करना बंद कर दीजिए, जीवन का नेटवर्क अपने आप सुधर जाएगा।

'जनरल डिब्बे' के मुसाफिर

ट्रेन के जनरल डिब्बे या वार्ड में यात्रा करने वाले अजनबी लोगों के साथ हमारा रिश्ता सिर्फ इतना ही होता है कि– 'भाई साहब, थोड़ी जगह देना' या 'कौन सा स्टेशन आया? '। स्टेशन आते ही वे मुसाफिर अपने-अपने रास्ते निकल जाते हैं। जीवन में कुछ नकारात्मक सहकर्मियों, बेकार की गॉसिप (चुगली) करने वाले रिश्तेदारों या टाइम पास करने वाले दोस्तों को इसी जनरल डिब्बे का मुसाफिर मानिए। उनके साथ सिर्फ औपचारिक (Formal) व्यवहार रखिए बस, 'कैसे हैं, सब ठीक?' तक ही सीमित। उन्हें अपने दिल के 'फर्स्ट क्लास एसी' (First Class AC) में बिठाने की भूल कभी न करें।

अपने दिल की लिस्ट अपडेट करें

जीवन बहुत छोटा है और हमारी मानसिक ऊर्जा बेहद सीमित है। आज ही शांति से बैठकर आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है कि आपने किस-किस को बिना योग्यता के दिल का 'VIP पास' दे रखा है? जो आपकी कीमत नहीं समझते, जिनके होने से आपके मन में उद्वेग, क्लेश और अशांति पैदा होती है, उन्हें आज से ही 'जनरल वार्ड' में भेज दीजिए।

सोशल मीडिया की भाषा में समझें तो, हर व्यक्ति

'Close Friend' की लिस्ट में नहीं हो सकता, कुछ को सिर्फ 'Follower' या 'Blocked' लिस्ट में ही रखना पड़ता है। लोगों को वैसे ही स्वीकार करके, उनके गुण-दोष के अनुसार दूरी बना लेना ही इस दुनिया में गरिमापूर्ण और तनावमुक्त जीवन जीने का एकमात्र अनमोल मंत्र है।

अपने खुद के किरदार को पहचानें और अपनी कीमत समझें, क्योंकि आपका समय और आपका दिल दोनों अमूल्य हैं!

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट, नेशनल अवार्ड से सम्मानित) स्पोर्ट्स टीचर.

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (सोमवार)
29 जून 2026

वाराणसी : 'रघुवंशी हूं, वचन देता हूं हमेशा साथ दूंगा', पप्पू की अड़ी पहुंचे जगन्नाथ मंदिर ट्रस्टी ब्रजेश सिंह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। जगन्नाथ मंदिर के ट्रस्टी ब्रजेश सिंह शनिवार को अस्सी चौराहे पहुंचे। पप्पू की अड़ी पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और समर्थक उनके स्वागत के लिए मौजूद रहे। ब्रजेश सिंह पहले माफिया और माननीय के तौर पर चर्चा में रहे हैं। जगननाथ मन्दिर ट्रस्टी ब्रजेश सिंहअभिषेक कुमार झा, वाराणसी माफिया से माननीय और अब जगन्नाथ मन्दिर के ट्रस्टी के तौर पर नए अवतार में आ चुके ब्रजेश सिंह अस्सी चौराहे पर पहुंचे। चौराहे पर स्थित प्रसिद्ध पप्पू की अड़ी पर भाजपा के वरिष्ठ नेता समेत कई लोग ब्रजेश सिंह के स्वागत में यहां मौजूद थे। ऐसे सार्वजनिक जगह पर बिना किसी सुरक्षा ताम झाम के चाय के दुकान पर ब्रजेश सिंह को देख हर कोई हैरान था। स्थानीय लोगो ने ब्रजेश सिंह का फूल मालाओं से स्वागत किया। इस बीच ब्रजेश सिंह की शान में स्थानीय लोगो ने कसीदे भी पढ़े। ब्रजेश सिंह ने भी खुद के रघुवंशी होने की बात कह सबके सुख दुख में सदैव साथ देने की बात कही।

कुछ वर्षो में पूरी तरह से बदल लिया

एक समय खौफ का नाम रहे ब्रजेश सिंह ने खुद को बीते कुछ वर्षों में पूरी तरह से बदल लिया है। इसी क्रम में ब्रजेश सिंह की एंट्री 200 वर्ष पुराने जगन्नाथ मंदिर के ट्रस्टी के तौर पर हुई। आज ब्रजेश सिंह काशी की पहचान और और एक लैंडमार्क पप्पू की अड़ी पर पहुंचे। यंहा ब्रजेश सिंह का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। ब्रजेश सिंह ने यहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वो रघुवंशी है और वचन देते है कि आपके सुख दुख में हमेशा साथ रहूंगा। राजनीति उनके लिए एक सेवा का अवसर है और वो लोगों की सेवा करना चाहते है।

कैमरे में कैद हुआ मौत का मंजर, रिवर्स ले रही कार को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने रौंदा, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सहारनपुर। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर दो दिन पहले हुए भीषण सड़क हादसे का CCTV वीडियो सामने आया है. वीडियो में दिख रहा है कि कट छूटने के बाद कार रिवर्स हो रही थी, तभी पीछे से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी. हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे. उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर पर दो दिन पहले हुए भीषण सड़क हादसे का CCTV वीडियो अब सामने आ गया है. सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस वीडियो में हादसे का पूरा घटनाक्रम कैमरे में कैद दिखाई दे रहा है. वीडियो में साफ दिख रहा है कि हाईवे पर रिवर्स ले रही कार को पीछे से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी. हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे. दरअसल, यह हादसा रामपुर मनिहारान थाना क्षेत्र के गांव हलगोया कट के पास हुआ था. मृतक परिवार हरियाणा के बहादुरगढ़ से हरिद्वार गंगा स्नान और दर्शन के लिए जा रहा था. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई थी और राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना देकर राहत कार्य शुरू कराया था. अब सामने आए CCTV वीडियो ने हादसे की भयावहता को बयां कर दिया है. वीडियो में टक्कर इतनी तेज दिखाई दे रही है कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर कई मीटर तक घिसटती चली जाती है, जबकि स्कॉर्पियो भी अनियंत्रित होकर पलट जाती है.

कैसे हुआ हादसा?

वायरल वीडियो के मुताबिक, मृतक परिवार की कार हलगोया कट पर चढ़ने के बजाय सीधे हाईवे पर आगे निकल गई थी. बताया जा रहा है कि चालक कट पार कर गया था और निर्माणाधीन हाईवे की ओर वापस जाने के लिए कार को रिवर्स कर रहा था. इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही स्कॉर्पियो ने कार में जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के अगले और पिछले हिस्से के परखच्चे उड़ गए .

सांभर को पोहा खिलाने वाले SDO सस्पेंड, वन विभाग का सख्त एक्शन, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सतपुड़ा। मध्य प्रदेश के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में तैनात वन विभाग के एक अधिकारी को वायरल वीडियो के बाद सस्पेंड कर दिया गया है. वीडियो में अधिकारी एक सांभर को पोहा खिलाते और उसे पालतू जानवर की तरह दुलारते नजर आ रहे थे. वीडियो सामने आने के बाद वन्यजीव संरक्षण कानूनों के उल्लंघन को लेकर सवाल उठे और अब विभाग ने उनके खिलाफ कार्रवाई कर दी है. मामला सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के चूरना फॉरेस्ट रेंज का है. यहां पदस्थ प्रभारी सहायक संचालक विनोद वर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ. वीडियो में वह जंगल के भीतर बैठकर पोहा खाते दिखाई दे रहे हैं और अपने पास मौजूद एक सांभर को भी पोहा खिलाते हैं. इतना ही नहीं, वह सांभर को छूते और दुलारते भी नजर आते हैं. देखें VIDEO- जानकारी के मुताबिक, संबंधित सांभर का पहले रेस्क्यू किया गया था.हालांकि, वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी जंगली जानवर को

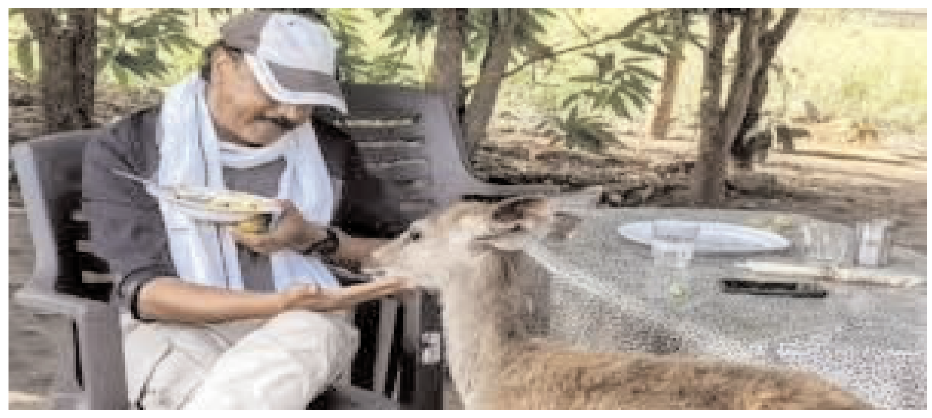

इस तरह इंसानों का भोजन खिलाना और उससे अस्वाभाविक संपर्क बनाना वन्यजीव संरक्षण के सिद्धांतों के खिलाफ माना जाता है। वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया पर लोगों ने इस पर सवाल उठाने शुरू कर दिए. कई वन्यजीव प्रेमियों और विशेषज्ञों ने इसे वन्यजीवों के ,कृतिक व्यवहार में हस्तक्षेप बताया. वाइल्डलाइफ एक्टिविस्ट अजय दुबे ने भी इस मामले में कार्रवाई की मांग की थी. उनका कहना था कि अधिकारी का व्यवहार वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 9 और 38J की भावना के विपरीत है सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की क्षेत्र संचालक राखी नंदा की ओर से जारी निलंबन आदेश में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में विनोद वर्मा वन्यजीव के साथ अस्वाभाविक व्यवहार करते दिखाई दे रहे हैं. आदेश के मुताबिक, यह आचरण एक सरकारी अधिकारी के मूल कर्तव्यों के अनुरूप नहीं है. इससे गंभीर लापरवाही और असंवेदनशीलता दिखती होती है. विभाग ने इसे मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम, 1965 के नियम-3 का उल्लंघन माना है. इसी आधार पर मध्य प्रदेश सिविल सेवा नियम 1966 के नियम 9(1) के तहत विनोद वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया. आदेश के अनुसार, निलंबन अवधि में विनोद वर्मा का मुख्यालय सहायक संचालक कार्यालय, पिपरिया रहेगा. क्षेत्र संचालक की पूर्व अनुमति के बिना वह मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे. उन्हें नियमानुसार जीवन-निर्वाह भत्ता भी दिया जाएगा.

भोपाल: बच्चों से भरी स्कूल वैन को बदमाशों ने रोका, फिर ड्राइवर पर तलवार-चाकू से किया हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र से एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां क़ानून व्यवस्था के दावों के बीच बदमाशों का खुला तांडव देखने को मिला है. यहां चिचली बैरागढ़ निवासी फरियादी वैन चालक अयाज खान पर शनिवार को सुनियोजित तरीके से हमला किया गया. जब वह दोपहर करीब पौने दो बजे वह स्कूल की गाड़ी लेकर आ रहा था, तभी ओम नगर में बिल्कुल फिल्मी स्टाइल में बदमाशों ने गाड़ी के आगे अपनी मोटरसाइकिल अड़ा दी. अयाज जैसे ही बदमाशों को रास्ते से हटाने के लिए अपनी गाड़ी से नीचे उतरा, आरोपियों ने उस पर छुरियों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया. इस खौफनाक हमले में अयाज के हाथ और सिर में गंभीर चोटें आई हैं. एजाज़ के मुताबिक़ हमलावर साफ़ तौर पर कह रहे थे कि 'अनस फ़ारूक़ की ज़मीन से हट जाओ, नहीं तो जान से मार देंगे '. वारदात के बाद आरोपी अनस भी वहां पहुंचा और धमकी देते हुए बोला कि 'जाकर पट्टी करवा लो, अभी तो और छुरियां पड़ेंगी '. इतना ही नहीं, बेखौफ बदमाशों ने एजाज़ के घर पर भी हमला बोला, जिससे पूरे परिवार में दहशत का माहौल है.

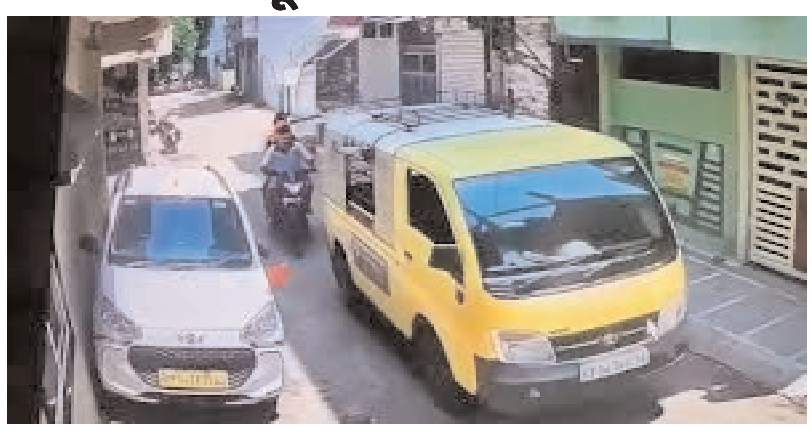

आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी पुलिस

वारदात के पीछे पैतृक जमीन को लेकर रिश्तेदारों से चल रहा पुराना संपत्ति का विवाद बताया जा रहा है. इस मामले में कोलार थाना प्रभारी ने अधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि पीड़ित का मेडिकल कराने के बाद आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का अपराध दर्ज कर लिया गया है और वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है. इस सनसनीखेज वारदात में मुख्य रूप से तीन आरोपियों के शामिल होने की बात सामने आई है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं. पुलिस ने साफ संदेश दिया है कि शहर का माहौल खराब करने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही सभी सलाखों के पीछे होंगे. स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस वक्त बस को रोककर ड्राइवर पर हमला किया गया, उस वक्त लोगों ने विरोध किया, लेकिन बदमाशों ने उन्हें भी चाकू दिखाकर डरा दिया.

जो समाज पर खतरा बनेगा, उसका एनकाउंटर होगा अखिलेश पर बरसे रवि किशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोरखपुर। भाजपा सांसद रवि किशन ने एक बार फिर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को अपराधियों के एनकाउंटर पर सवाल उठाने के बजाय प्रदेश के विकास और जनहित के मुद्दों पर राजनीति करनी चाहिए। रवि किशन ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में जिन लोगों का एनकाउंटर हुआ है, वे अपराधी थे और प्रदेश की योगी सरकार अपराधियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रखेगी।

'चुनाव नजदीक हैं, इसलिए ऐसे बयान दे रहे हैं'

रविवार को गोरखपुर में भाजपा के एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे सांसद रवि किशन ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि इन दिनों सपा प्रमुख अखिलेश यादव लगातार प्रदेश सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव पुलिस एनकाउंटर को लेकर भी सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि पुलिस कार्रवाई केवल उन अपराधियों के खिलाफ हुई है जिन्होंने पुलिस पर गोली चलाई, आम जनता को परेशान किया या निर्दोष लोगों के खिलाफ गंभीर अपराध किए। रवि किशन ने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही विपक्ष इस तरह के मुद्दे उठाकर राजनीतिक माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन प्रदेश की जनता सब कुछ समझती है और सरकार की मंशा से पूरी तरह परिचित है। 'अपराधियों को कभी बख्शने वाली नहीं है योगी सरकार' भाजपा सांसद ने कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

मंत्री हो तो ऐसा! खड़े-खड़े ट्रेन का समय बदलवा दिया, सिंधिया के फोन के बाद अब 45 मिनट देरी से आएगी मेमू ट्रेन

एमपी में यह संभव है। दरअसल गुना में मेमू ट्रेन को हरी?झंडी दिखाने के बाद लोगों की डिमांड पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने डीआरएम को फोन लगाकर ट्रेन के वापसी का समय 45 मिनट आगे बढ़वा दिया...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना रेलवे स्टेशन पर बीना-रुठियाई-बीना मेमू ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री का एक अलग ही जनसेवक रूप देखने को मिला, जब उन्होंने स्थानीय और दैनिक यात्रियों की मांग पर तुरंत संज्ञान लिया। सिंधिया ने मौके पर ही मौजूद रेलवे के डीआरएम को निर्देश देकर मेमू ट्रेन की वापसी का समय 45 मिनट आगे बढ़वा दिया, ताकि इंदौर से आने वाले यात्रियों को अशोकनगर, मुंगावली और बीना के लिए सीधी कनेक्टिविटी मिल सके। चार दिवसीय संसदीय क्षेत्र के दौरे पर आए केंद्रीय ज्योतिरादित्य सिंधिया रविवार को पूरी तरह विकास और जनसेवा के रंग में रंगे नजर आए। सुबह से लेकर देर रात तक सिंधिया ने स्वास्थ्य, कृषि, रेलवे और धार्मिक आस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और गुना वासियों को करोड़ों रुपये की सौगातें दीं। गुना स्टेशन से बीना-रुठियाई-बीना मेमू ट्रेन सेवा को दिखाई हरी झंडी। यात्रियों की मांग पर

सिंधिया ने मौके पर ही लिया त्वरित निर्णय। डीआरएम को निर्देश देकर मेमू ट्रेन की वापसी 45 मिनट आगे बढ़वाई। इंदौर से आने वाले यात्रियों को अशोकनगर, मुंगावली और बीना के लिए बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। स्थानीय और दैनिक यात्रियों ने फैसले का स्वागत करते हुए केंद्रीय मंत्री का आभार जताया। बीना-रुठियाई मेमू ट्रेन को दिखाई हरी झंडी, यात्रियों के लिए बदला समय इससे पहले, रात के समय केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने गुना रेलवे स्टेशन पहुंचकर बीना-रुठियाई-बीना मेमू ट्रेन सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। यह नई रेल सेवा विद्यार्थियों, दैनिक यात्रियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए बेहद किफायती साबित होगी। सिंधिया ने अपने दिन की शुरुआत राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत की। उन्होंने नन्हें-मुन्हें बच्चों को अपने हाथों से 'दो बूंद जिंदगी की' पिलाई। इस दौरान केंद्रीय मंत्री बच्चों को दुलारते और उन्हें उपहार बांटते हुए बेहद सहज अंदाज में नजर आए। 3 करोड़ की आधुनिक फल-सब्जी मंडी का शिलान्यास गुना के विकास में एक और बड़ा अध्याय जोड़ते हुए सिंधिया ने शहर के बायपास के पास लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली नवीन एवं आधुनिक फल-सब्जी मंडी का भूमिपूजन करते हुए कहा कि, 'यह मंडी हमारे अन्नदाताओं, फल-सब्जी उत्पादक किसानों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं के लिए बेहतर सुविधाओं और समृद्ध भविष्य की मजबूत नींव है। हमारा संकल्प है कि गुना का प्रत्येक किसान अपनी मेहनत का सही मूल्य पाए और आत्मनिर्भर बने मंडी के भूमिपूजन से पहले सिंधिया ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 135वां संस्करण सुना।

कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर ट्रेनिंग विमान हादसा; महिला कैडेट पायलट घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर 26 जून की देर शाम को एक ट्रेनिंग फ्लाइट के दौरान एक गंभीर हादसा हो गया। इस हादसे में ट्रेनी महिला केडेट प्लेन रुकने पर इंजन बंद हुए बिना उतर गई। इससे वह प्रोपेलर इंजन की चपेट में आ गई। गंभीर रूप से घायल महिला ट्रेनी पायलट को अस्पताल में भर्ती कराया गया। डीजीसीए ने इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं। घटना के संबंध में DGCA ने दिए अपने आधिकारिक स्टेटमेंट में कहा है कि 26 जून को Garg Aviation का ट्विन-इंजन छोटा प्लेन (VT-NBV) कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर नाइट इंस्ट्रक्शनल फ्लाइंग में लगा हुआ था। विमान में फ्लाइट इंस्ट्रक्टर और एक कैडेट सवार थे। लैंडिंग के बाद ट्रेनी पायलट ने इंजन चलते रहने के दौरान विमान से उतरने की कोशिश की थी।

महिला कैडेट गंभीर रूप से जख्मी

हादसे में महिला कैडेट की प्रोपेलर से टक्कर हो गई। इस टक्कर के कारण कैडेट की पीठ में चोट आई है। उन्हें कानपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में तुरंत एक्शन लेते हुए शामिल इंस्ट्रक्टर को जांच लंबित रहते उड़ान प्रशिक्षण ड्यूटी से हटा दिया गया है। मामले में साफ किया गया कि इंस्ट्रक्टर जांच पूरी होने तक टर्निंग फ्लाइट नहीं उड़ा पाएंगे। साथ ही, DGCA ने इस VT-NBV विमान को भी जांच पूरी होने तक उपयोग न करने के निर्देश दिए हैं। DGCA इस मामले की जांच कर रही है।

इंस्ट्रक्टर किए गए ऑफ रोस्टर

DGCA के आदेश के तुरंत बाद इंस्ट्रक्टर को ऑफ-रोस्टर कर दिया गया। साथ ही विमान VT-NBV को ग्राउंड कर दिया गया। इसका अर्थ यह हुआ कि जांच पूरी होने तक विमान उड़ान नहीं भर सकेगा। डीजीसीए और संबंधित एजेंसियों की ओर से घटना के सभी कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

बागपत: पड़ोसी से प्रेम में पत्नी निशा बनी कातिल, पेट्रोल डालकर पति को जिंदा जलाया

उत्तर प्रदेश के बागपत में अवैध संबंध के चलते पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी. आरोप है कि पत्नी ने पहले पति राजीव को नींद की गोलियां खिलाकर बेहोश किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागपत। 'पड़ोसी' से 'दिल्लगी' का अंजाम इतना खौफनाक होगा, किसी ने सोचा भी नहीं था. यहां पत्नी ने पति को पहले नींद की गोलियां देकर सुलाया और फिर पेट्रोल डालकर जिंदा फूंक दिया. वहीं 7 दिन बाद 80 फीसद जल चुका पति जिंदगी से जंग हार गया और उसकी मौत हो गई. ये एक ऐसी दास्तां जिसने रूह को अंदर तक झकझोर दिया है. दरअसल बागपत के बिनौली थाना क्षेत्र के बिजवाड़ा गांव का रहने वाला राजीव अपनी पत्नी निशा उर्फ नीशू के साथ रहता था. लेकिन घर की चारदीवारी के भीतर कुछ ऐसा पक रहा था, जिसकी भनक भी राजीव को लग गई थी. पत्नी निशा का प्रेम-प्रसंग अपने ही पड़ोसी विक्रांत के साथ चल रहा था. राजीव आए दिन इस अवैध रिश्ते का कड़ा विरोध करता था, जो शायद निशा और उसके प्रेमी विक्रांत के लिए सबसे बड़ी बाधा बन चुका था. ?ऐसे में 20 जून की रात को निशा और विक्रांत ने एक ऐसी साजिश को अंजाम दिया, जिसे सुनकर किसी की भी रूह कांप जाए. योजना के मुताबिक निशा ने सबसे पहले अपने पति राजीव को गहरी नींद की गोलियां खिला दीं. जब राजीव बेसुध होकर चारपाई पर सो गया, तब निशा ने

अपने प्रेमी विक्रांत को घर में बुलाया. क्रूरता की हदें पार करते हुए दोनों ने सोते हुए राजीव पर पेट्रोल छिड़का और आग के हवाले कर दिया.

80 प्रतिशत तक झुलस गया था राजीव

आग की लपटों में घिरे राजीव की चीखें सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी. राजीव 80 प्रतिशत तक झुलस चुका था. गंभीर रूप से झुलसे राजीव को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया. अस्पताल के बिस्तर पर 7 दिनों तक राजीव मौत और जिंदगी के बीच झूलता रहा. लेकिन वह बुरी तरह झुलस चुका था. आखिरकार उसने दम तोड़ दिया और अपनी अंतिम सांस लेते हुए पत्नी की बेवफाई का वह दर्द अपने साथ ले गया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए निशा और उसके प्रेमी विक्रांत को गिरफ्तार कर लिया था. शुरुआती दौर में पुलिस ने मामले को 'हत्या के प्रयास' के तहत दर्ज किया था. लेकिन अब राजीव की मौत के बाद धाराओं में बदलाव (तरमीम) करते हुए इसे हत्या की धाराओं में बदल दिया गया है.

डमी कस्टमर बनकर पहुंची पुलिस इशारा मिलते ही फ्लैट पर छापा, दो युवतियां रेस्क्यू

दिल्ली का जंतर-मंतर हंगामा: सोनम वांगचुक 'कॉकरोच जनता पार्टी' के आंदोलन में शामिल हुए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली का ऐतिहासिक जंतर-मंतर मैदान एक बार फिर बड़े आंदोलन का केंद्र बन गया है। पिछले कई दिनों से 'कॉकरोच जनता पार्टी' केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रही है। इस आंदोलन ने आज तब बहुत गंभीर और बड़ा मोड़ ले लिया जब देश के जाने-माने पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी इस प्रदर्शन में सक्रिय रूप से शामिल हो गए और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर 'आमरण अनशन' पर बैठने का ऐलान किया है। शिक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों के खिलाफ चल रहे इस विरोध प्रदर्शन में सोनम वांगचुक के आने से यह आंदोलन पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है। सोनम वांगचुक ने खाना न खाकर साफ कर दिया है कि यह संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपने पद से इस्तीफा नहीं दे देते। उनके इस अड़ियल रवैये की वजह से एडमिनिस्ट्रेशन और सरकार पर बहुत ज़्यादा दबाव बढ़ गया है। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके का सनसनीखेज आरोप: 'पानी और सफ़ाई बंद कर दी गई है!' इस बीच, प्रोटेस्ट साइट से एडमिनिस्ट्रेशन की कथित दबाने वाली पॉलिसी सामने आ रही है। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने मीडिया के सामने बड़े गुस्से के साथ एक गंभीर आरोप लगाया है, 'जब से सोनम वांगचुक ने आमरण अनशन शुरू किया है, एडमिनिस्ट्रेशन ने प्रोटेस्ट करने वालों को परेशान करने के लिए जंतर-मंतर पर सफ़ाई और पीने के पानी की सुविधा पूरी तरह से बंद कर दी है।' प्रोटेस्ट करने वालों का कहना है कि इस तरह की हल्की चालों से आंदोलन को कुचला नहीं जा सकता। जंतर-मंतर पर बहुत ज़्यादा तनाव, देश भर से सपोर्ट बढ़ा अभी, जंतर-मंतर पर हालात बहुत ज़्यादा सेंसिटिव हो गए हैं। एक तरफ सोनम वांगचुक के पक्के इरादे वाले अनशन और दूसरी तरफ सुविधाओं में कटौती को लेकर प्रोटेस्ट करने वालों में बहुत गुस्सा है। इस आंदोलन को लेकर सोशल मीडिया पर भी ज़बरदस्त ट्रेंड हो रहा है और लोग सरकार की इस पॉलिसी की बुराई कर रहे हैं।

दिल्ली में स्टॉप पर कितनी देर में आएगी आपकी बस, फोन और बोर्ड पर देख सकेंगे टाइमिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मेट्रो की तरह बस स्टॉप पर खड़े यात्रियों को भी पता चलेगा कि अगली आने वाली बस किस रूट नंबर की है और वह कितनी देर में बस स्टॉप पर पहुंचेगी। यात्रियों को यह जानकारी न सिर्फ मोबाइल पर ऐप के जरिए बल्कि बस स्टॉप पर लगने वाले डिजिटल पब्लिक इन्फर्मेशन बोर्ड पर भी मिलेगी। डीटीसी इसके लिए आईआईटी कानपुर की भी मदद लेगा। पिछले सप्ताह डीटीसी बसों को लेकर हुई बैठक में इस पर फैसला हुआ है। सरकार डीटीसी बसों के रूटों के बेहतर रेशनलाइजेशन और टाइम-टेबल पर काम करना चाहती है। ताकि यात्री जिस रूट की बस पकड़ना चाहते हैं। उसे लाइव ट्रैक कर सकें। अधिकारियों ने कहा कि इसे लागू करने के लिए तकनीकी मदद आईआईटी कानपुर से लेंगे। इन्फ्रास्ट्रक्चर लेवल पर 3500 से अधिक बस स्टॉप को पीपीपी मॉडल पर विकसित किया जाएगा।

यात्रियों को होगी आसानी

बस स्टॉप पर खड़े यात्री जान सकेंगे कि अगली आने वाली बस किस रूट नंबर की है। बसों की लाइव ट्रैकिंग सेवा शुरू करने से पहले आईआईटी दिल्ली और DTIDC (दिल्ली परिवहन अवसंरचना विकास निगम) मिलकर एक स्टडी भी कर रहे है, ताकि दिल्ली के बस नेटवर्क को मजबूत, डेटा-आधारित और बेहतर तरीके से फिर से डिजाइन किया जा सके। वर्तमान में दिल्ली में ईस्ट दिल्ली में 121, वेस्ट जोन में 181 और नॉर्थ जोन में 194 बस रूट्स रेशनलाइजेशन पर भी काम चल रहा है.

दिल्ली के इन इलाकों में अब धड़ाधड़ चलेगा बुलडोजर, ड्रोन से किया जा रहा सर्वे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। यमुना के ओ-जोन (बाढ़ क्षेत्र) को अतिक्रमण मुक्त करने और सुरक्षित बनाने के लिए DDA बड़े स्तर पर अभियान चला रहा है। दिल्ली हाई कोर्ट और एनजीटी के कड़े निर्देशों के बाद ओ-जोन की सीमा को स्पष्ट करने, लोगों को नियमों की जानकारी देने और नए अतिक्रमण को रोकने के लिए दूसरे चरण का ड्रोन सर्वे किया जा रहा है। इसके साथ ही मदनपुर खादर, सोनिया विहार और करावल नगर में करीब 300 सार्वजनिक सूचना बोर्ड (साइनबोर्ड) लगाने की प्रक्रिया भी जारी है।

अवैध कॉलोनियों को हटाने का ठोस रोडमैप तैयार करने का निर्देश

यमुना का कुल ओ-जोन क्षेत्र करीब 9,700 हेक्टेयर है, जिसमें से लगभग 807 हेक्टेयर हिस्से पर करीब 90 अवैध कॉलोनियां बसी हुई है। इन अनधिकृत कॉलोनियों से निकलने वाला गंदा पानी और सीवेज सीधे यमुना में मिलने के कारण नदी में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। इसी के चलते हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को एमसीडी, डीडीए के साथ बैठक कर इन सभी अवैध कॉलोनियों को हटाने का एक ठोस रोडमैप तैयार करने का निर्देश दिया है। डीडीए के पास इस ओ-जोन में लगभग 3,969.54 हेक्टेयर जमीन है, जिसमें से 184.2 हेक्टेयर हिस्सा अवैध कॉलोनियों की चपेट में आ चुका है। एजेंसी इस कीमती जमीन को मुक्त कराने के लिए लगातार एक्शन मोड में है और हाल ही में कई एकड़ जमीन खाली भी कराई गई है। इस खाली कराई गई जमीन का इस्तेमाल पर्यावरण संरक्षण और इकोलॉजी को सुधारने के लिए किया जा रहा है। डीडीए करीब 4,841.11 एकड़ क्षेत्र में नेचर पार्क, बांसेरा, बायोडायवर्सिटी पार्क और रिवरफ्रंट जैसे प्रोजेक्ट्स विकसित कर रहा है ताकि जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। एनजीटी में मई में दी गई जानकारी के मुताबिक दूसरे चरण का ड्रोन सर्वे पूरा होने में करीब दो महीने का समय लग सकता है। इस बीच अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में अब तक सात एकड़ जमीन खाली कराई गई है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र नागपुर में पुलिस ने सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है. क्राइम ब्रांच ने नंदनवन इलाके में छापेमारी की, और फ्लैट से दो युवतियों को बाहर निकाला. पुलिस का आरोप है कि युवतियों को कम समय में ज्यादा पैसे कमाने का लालच देकर उनसे देह व्यापार कराया जा रहा था. महाराष्ट्र के नागपुर में एक फ्लैट के बाहर सब कुछ सामान्य दिख रहा था. अंदर क्या चल रहा है, इसकी भनक आसपास रहने वाले लोगों को भी नहीं थी. लेकिन पुलिस को सूचना मिली कि इसी फ्लैट से कथित तौर पर सेक्स रैकेट चलाया जा रहा है. सूचना को पुख्ता करने के लिए पुलिस ने सीधे छापा नहीं मारा, बल्कि पहले एक डमी कस्टमर भेजा. जैसे ही कथित सौदा तय हुआ, इशारा मिला और पुलिस टीम ने फ्लैट पर दबिश दे दी. मामला नागपुर के नंदनवन थाना क्षेत्र स्थित एनआईटी कॉम्प्लेक्स का है. क्राइम ब्रांच की सामाजिक सुरक्षा शाखा को सूचना मिली थी कि एक महिला अपने फ्लैट से कथित तौर पर देह व्यापार का नेटवर्क चला रही है. इसके बाद पुलिस ने पूरी प्लानिंग के साथ कार्रवाई की. पुलिस के मुताबिक, डमी कस्टमर ने आरोपी महिला से संपर्क किया. बातचीत के बाद उसे फ्लैट पर बुलाया गया. वहां दूसरी आरोपी पहले से मौजूद थी. फ्लैट में दो युवतियां भी थीं, जिन्हें पुलिस के अनुसार कथित तौर पर देह व्यापार के लिए रखा गया था. जैसे ही डील फाइनल हुई, डमी कस्टमर ने पुलिस टीम को सिग्नल दे दिया. इसके बाद पुलिस ने फ्लैट पर छापा मारकर दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया. साथ ही वहां मौजूद दोनों युवतियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया. गिरफ्तार महिलाओं में एक 35 वर्षीय शालिनी और दूसरी 43 साल की अर्चना शामिल हैं. पुलिस का आरोप है कि दोनों मिलकर युवतियों को कम समय में ज्यादा पैसे कमाने का लालच देकर देह व्यापार में धकेल रही थीं. फिलहाल इस पूरे मामले की जांच पड़ताल चल रही है. छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 15 हजार रुपए कैश, दो मोबाइल और अन्य सामान समेत कुल 18,500 रुपए का माल जब्त किया है. हेड कॉन्स्टेबल प्रकाश माथनकर की शिकायत पर नंदनवन पुलिस स्टेशन में अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम (पीटा एक्ट) के तहत मामला दर्ज किया गया है. पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह सब कब से चल रहा था, इसमें और कौन-कौन लोग शामिल थे और युवतियों को यहां तक कैसे लाया गया. दोनों रेस्क्यू की गई युवतियों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं.

नागदा में जैन संतों का मंगल प्रवेश,भक्तामर पाठ एवं सामूहिक प्रार्थना का आयोजन संपन्न'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर/नांदेड । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के 135वें एपीसोड में महाराष्ट्र के नांदेड़ की शादी का जिक्र किया। उन्होंने कहाकि महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक परिवार ने अपनी खुशियां बांटने के लिए ऐसा काम किया है जो चर्चा का विषय बना गया है। पीएम मोदी ने बताया कि नांदेड़ के बहादुरपुरा गांव में पेठकर परिवार रहता है। इस परिवार ने सोचा कि अगर खुशी बांटनी ही है तो ऐसी चीज दी जाए। जो मुश्किल समय में किसी परिवार का सहारा बने। पीएम मोदी ने बताया कि अपने घर में विवाह के असवर पर इस परिवार ने गांव के लगभग साढ़े तीन हजार लोगों के लिए दुर्घटना बीमा की व्यवस्था की। हर व्यक्ति को एक लाख रुपये का बीमा कवर दिया गया है। महाराष्ट्र के नांदेड़ पिछले दिनों एक शादी सामुदायिक भलाई के एक अनोखे अभियान में बदल गई थी। दूल्हे के परिवार ने लगभग पूरे गांव को दुर्घटना बीमा कवर तोहफे में दिया था। बहादुरपुरा गांव में सिद्धेश्वर पेठकर और मंजूषा की शादी के जश्न के दौरान पेठकर परिवार ने लगभग 3,500 निवासियों का बीमा करवाया। इसमें हर व्यक्ति को 1 लाख रुपये का दुर्घटना कवर मिला। गांव वालों का बीम कराने के फैसले पर दूल्हे सिद्धेश्वर पेठकर ने कहा था कि हमारे गांव में ज्यादा लोग मज़दूर या किसान हैं। जब वे खेतों में काम करने जाते हैं, तो कुछ को सांप काट लेता है, तो कुछ पर जंगली जानवर हमला कर देते हैं। यहां ऐसी दुर्घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। इस लिए उन्हें सुरक्षा देने का विचार आया था। इसलिए सभी का बीमा करवाया।

गांव वालों को मिली है सुरक्षा

नांदेड़ जिले की कंधार तहसील में स्थित बहादुरपुरा की वोटर लिस्ट में 3,600 से ज्यादा नाम हैं। परिवार के अनुसारलिस्ट में शामिल लगभग सभी लोगों को अब बीमा योजना के तहत कवर कर लिया गया है। इस पॉलिसी में सांप के काटने, बिजली गिरने, जानवरों के हमले, सड़क दुर्घटनाओं और यहां तक कि रोजमर्रा के कामों के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं से होने वाली मौतें भी शामिल हैं। दूल्हे के बड़े भाई अनूप पेठकर ने कहा कि यह पूरी तरह से दुर्घटना बीमा है। ऐसी किसी भी दुर्घटना के कारण मौत होने पर परिवार को 1 लाख रुपये मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह विचार अचानक हुई दुर्घटनाओं के बाद ग्रामीणों को होने वाली आर्थिक परेशानियों को देखकर आया। पेठकर परिवार ने शादी में पहले भी एक बीमा और हेलमेट कैंप आयोजित किया था, जिसमें एक ही दिन में लगभग 900 लोगों का बीमा किया गया था। अपनी शादी के दौरान भी उन्होंने सड़क सुरक्षा के उपाय के तौर पर मेहमानों को हेलमेट बांटे थे। दुल्हन मंजूषा पेठकर भी पति के फैसले पर खुशी जताई।

दिल्ली की सड़कों पर लगे राहुल गांधी 'गुमशुदा' वाले पोस्टर, आखिर किसने लगाए?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को लेकर दिल्ली के कुछ इलाकों में पोस्टर लगे हैं। इन पोस्टर्स में राहुल गांधी को 'गुमशुदा' बताया गया है। इसमें उनके नाम के साथ पहचान का भी जिक्र किया गया है। दिल्ली के फिरोजशाह रोड समेत कई जगह पर राहुल गांधी के गुमशुदा होने के पोस्टर सामने आए हैं। जैसे ही ये पोस्टर सामने सवाल उठा कि आखिर इसे किसने लगाया है। ऐसा इसलिए क्योंकि पोस्टर में इसे लगवाने वालों को संदर्भ में कोई जानकारी नहीं दी गई है। उधर बीजेपी ने कांग्रेस नेता के इस पोस्टर पर निशाना साधा है।

राहुल गांधी के ये पोस्टर किसने लगवाए?

दिल्ली में राहुल गांधी के गुमशुदा होने के पोस्टर रविवार को नजर आए। यह सब ऐसे वक्त में हुआ है जब केंद्र की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी राहुल गांधी की कथित विदेश यात्रा को लेकर उन पर लगातार हमले कर रही है। एक दिन पहले ही केंद्र की सत्ताधारी बीजेपी ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया था कि जब भी संसद, चुनाव या उनकी पार्टी को उनकी जरूरत होती है, तो वह गायब रहते हैं। यही नहीं राहुल गांधी 'एक और विदेश यात्रा' पर चले जाते हैं।

बीजेपी के निशाने पर राहुल गांधी

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इस संबंध में कांग्रेस सांसद पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के लिए LoP का मतलब Leader of the Opposition (विपक्ष के नेता) नहीं, बल्कि Leader of Paryatan (लीडर ऑफ पर्यटन) and Partying(पर्यटन और पार्टी करने वाले नेता) है। शहजाद पूनावाला ने एक वीडियो बयान में कहा कि राहुल गांधी को LoP का नाम बदलकर Leader of Paryatan and Partying कर देना चाहिए क्योंकि वह हमेशा यही करते हैं- पार्टी करना, घूमना-फिरना और यात्रा करना। बीजेपी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी अपनी राजनीतिक जिम्मेदारियों से ज्यादा विदेश यात्राओं को अहमियत देते हैं।

महाराष्ट्र में भीषण सड़क हादसा, कंटेनर से टकराई तेज रफ्तार कार, एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। अमरावती जिले में धामणगांव रेलवे तहसील से गुजरने वाले समृद्धि महामार्ग पर रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक बड़ा सड़क हादसा हो गया. यहां एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े कंटेनर से पीछे से जा टकराई. टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सभी मृतक चंद्रपुर जिले के निवासी थे और किसी निजी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अकोला जा रहे थे. हादसे में पूरे परिवार की खुशियां पलभर में उजड़ गईं. मृतकों की पहचान भास्कर जीवने (57 वर्ष), महादेव जीवने (42 वर्ष), आरती जीवने (40 वर्ष), लता जीवने (43 वर्ष) व कृष्णा जीवने (12 वर्ष) के रूप में हुई है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इग्निस कार तेज रफ्तार में थी और सामने खड़े कंटेनर से पीछे से जा भिड़ी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और किसी भी यात्री को संभलने का मौका नहीं मिला. हादसे की सूचना मिलते ही समृद्धि महामार्ग पुलिस, हाईवे सुरक्षा टीम और आपातकालीन बचाव दल मौके पर पहुंच गया. कार में फंसे लोगों को बाहर निकालकर धामणगांव ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पांचों को मृत घोषित कर दिया. प्राथमिक स्तर पर आशंका जताई जा रही है कि चालक को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ हो सकता है. हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. इस दर्दनाक हादसे के बाद समृद्धि महामार्ग पर कुछ समय तक यातायात प्रभावित रहा. पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को हटाकर यातायात बहाल कराया. एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत से चंद्रपुर और अकोला दोनों क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई है.

महिला राइडर्स को टारगेट कर व्यूज पाने वाला यूट्यूबर गिरफ्तार, पुलिस से बचने के लिए करता था ये काम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। एक 32 साल के यूट्यूबर को महिलाओं और लड़कियों को निशाना बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि वह जानबूझकर उनकी गाड़ियों से अपनी गाड़ी टकराता था, उनका पीछा करता था और उन्हें परेशान करता था। साथ ही, वह लोकप्रियता पाने और व्यूज से पैसे कमाने के लिए इन घटनाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करता था। पुलिस के मुताबिक गुरमन सिंह एक पेज और चैनल चलाता था, जिस पर वह इन महिला राइडर्स और लड़कियों की मर्जी के बिना उनके आपत्तिजनक वीडियो अपलोड करता था।

पुलिस से बचने के लिए अपनाता था 'सॉरी दीदी' वाला तरीका

शक से बचने के लिए वह हर वीडियो की शुरुआत में 'सॉरी दीदी' कहता था। यह गिरफ्तारी राजा गार्डन के एक निवासी की ओर से वेस्ट जिले के साइबर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई शिकायत के बाद हुई। भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट के तहत FIR दर्ज की गई।

स्कूटी में मारता था पहले टक्कर और फिर करता था अभद्र टिप्पणी

पुलिस के अनुसार, शिकायत करने वाले व्यक्ति ने आरोप लगाया कि 2 जून को मोटरसाइकिल पर सवार दो अनजान लोगों ने जान-बूझकर उनकी नाबालिग बेटियों के स्कूटर को पीछे से टक्कर मारी। इसके बाद उन्होंने बेटियों का पीछा किया, उन पर गलत टिप्पणियां कीं और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। कुछ दिनों बाद, उन्हें सोशल मीडिया और एक वेबपेज पर अपनी बेटियों के वीडियो मिले। सोशल मीडिया अकाउंट्स की जांच के दौरान, जांचकर्ताओं ने पाया कि उनमें मुख्य रूप से महिला राइडर्स और नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाने वाले वीडियो थे। DCP (वेस्ट) हरेश्वर वी. स्वामी ने बताया कि इंस्पेक्टर विकास बुल्दक की अगुवाई वाली टीम ने डिजिटल और तकनीकी विश्लेषण किया और फिर सुभाष नगर के रहने वाले सिंह को गिरफ्तार किया।

महाराष्ट्र कांग्रेस में बड़े बदलाव के संकेत, मुंबई अध्यक्ष में भी परिवर्तन तय, किसको-किसको मिल सकती है नई जिम्मेदारी?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र और मुंबई कांग्रेस संगठन में बड़े बदलाव की संभावना तय है। संगठन को अधिक सक्रिय बनाने की रणनीति के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी महाराष्ट्र इकाई में व्यापक फेरबदल पर अंतिम मंथन कर रही है। इस प्रक्रिया में महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्निथला तथा मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ के दायित्वों में भी बदलाव सहित संजय दत्त को हरियाणा में प्रभारी बनाए जाने के बाद नाना पटोले , अमित देशमुख, यशोमती ठाकुर, सतेज पाटील, नेट्टा डिसूजा आदि को नई जिम्मेदारियां मिलने के संकेत है।

संगठन में नई ऊर्जा लाने की चर्चा

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी विभिन्न प्रदेशों में चुनाव और 2029 के लोकसभा चुनावों को देखते हुए संगठन में नई ऊर्जा लाना चाहते हैं। दलित, ओबीसी और अल्पसंख्यक समाज पर उनका फोकस ज्यादा है, इसी कारण प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष से लेकर मुंबई कांग्रेस के नेतृत्व तक कई स्तरों पर परिवर्तन की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाना है। पिछले कुछ समय से मुंबई कांग्रेस के संगठनात्मक कामकाज को लेकर भी पार्टी के भीतर असंतोष की आवाज उठती रही हैं।

वर्षा गायकवाड़ का क्या होगा?

वर्षा गायकवाड़ वर्तमान में सांसद हैं और उनकी बहन डॉ. ज्योती गायकवाड़ विधायक। ऐसे में कई अन्य नेताओं को वर्षा के मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष पद पर रहने पर आपत्ति इसलिए भी है क्योंकि पिछले विधानसभा और महानगर पालिका चुनावों में उनकी परफॉर्मेंस बहुत कमजोर रही है, लेकिन वर्षा पूर्व में मंत्री रही है और गुजरात में चुनाव सह प्रभारी भी रही है। ऐसे में राहुल गांधी कांग्रेस में दलित नेतृत्व को ताकतवर बनाना चाह रहे हैं, इसलिए वर्षा गायकवाड़ भले ही मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष पद पर न रहे, लेकिन कोई अन्य जिम्मेदारी मिलना तय है। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए भी कई नेताओं के नाम चर्चा में हैं। इनमें पूर्व मंत्री चरण सिंह सप्रा, पूर्व मंत्री नसीम खान, विधायक असलम शेख, सहित फिर से भाई जगताप के नाम हो सकते हैं नए प्रभारी केरल में मंत्री बन जाने के बाद रमेश चेन्निथला को महाराष्ट्र की जिम्मेदारी से मुक्त किया जाना तय है। और उनकी जगह किसी ऐसे वरिष्ठ नेता को भेजा जा सकता है जिसे संगठन और चुनाव प्रबंधन सहित गठबंधन की राजनीति का व्यापक अनुभव हो। हालांकि संभावित नामों पर अभी कांग्रेस नेतृत्व ने कोई संकेत नहीं दिया है और विभिन्न नेताओं के नाम केवल राजनीतिक अटकलों का हिस्सा हैं।

साइड कर दिए नेताओं का मिलेगी नई जिम्मेदारी

कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि मुंबई और महाराष्ट्र में कांग्रेस की विचारधारा, गठबंधन के दांव पेंच और जातिगत व सामाजिक समीकरणों सहित लोकसभा चुनाव के नजरिए से जो नेता नतीजे देने के मामले में महत्वपूर्ण होगा, उसी को जिम्मेदारी मिलेगी। इसी कारण संगठन में ऐसे नेताओं को जिम्मेदारी देने पर जोर है जो कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर सकें और चुनावी रणनीति को प्रभावी ढंग से लागू कर सकें। ऐसे चेहरों में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले, पूर्व मंत्री सतेज पाटील और यशोमती ठाकुर सहित महिला कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नेट्टा डिसूजा और चरण सिंह सप्रा, नसीम खान आदि को दूसरे प्रदेशों में प्रभारी, सह प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में सचिव जैसी जिम्मेदारियां निभाने के संकेत मिल सकते है।

सकपाल पर भी गिर सकती है गाज

हाल के महीनों में कांग्रेस ने राज्यभर में जिला और शहर स्तर पर भी बड़े पैमाने पर संगठनात्मक नियुक्तियां की हैं, जिससे प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल को पद पर रखने की चर्चाएं हैं। लेकिन संगठन के पुनर्गठन की प्रक्रिया में सकपाल पर भी गाज गिर सकती हैं क्योंकि वे प्रदेश कांग्रेस में समन्वय और कार्यकर्ताओं में उत्साह जगाने सहित नए लोगों को जोड़ने के मामले में राहुल गांधी की आशाओं पर खरे नहीं उतर सके है।

BJP-RSS की मिलीभगत के बिना 1200 करोड़ रुपये की चोरी नामुमकिन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण और फंड को लेकर सोशल मीडिया तथा राजनीतिक हलकों में एक कथित बयान चर्चा का विषय बना हुआ है। दावा किया जा रहा है कि मंदिर के एक स्टाफ सदस्य ने पहचान गुप्त रखने की शर्त पर मंदिर फंड में 1000 से 1200 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया कि इतनी बड़ी कथित गड़बड़ी बिना राजनीतिक संरक्षण के संभव नहीं थी। इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित पक्षों की ओर से इस पर आधिकारिक प्रतिक्रिया भी सामने नहीं आई है। इसी कथित बयान में यह भी दावा किया गया कि धार्मिक दान का उपयोग राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। इन आरोपों के बाद सोशल मीडिया पर तीखी बहस छिड़ गई है और कई लोग पूरे मामले की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की मांग कर रहे हैं। वहीं कुछ लोगों ने श्रद्धालुओं से जरूरतमंदों की सहायता करने की अपील भी की है। चूंकि मामला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है, इसलिए अब सभी की नजर इस बात पर है कि संबंधित संस्थाएं और सरकार इन आरोपों पर क्या प्रतिक्रिया देती हैं तथा क्या किसी आधिकारिक जांच की घोषणा की जाती है।

शिवशक्ति रेस्टोरेंट में नाश्ता करने के बाद 10 बच्चे बीमार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गिर सोमनाथ/वेरावल। सोमनाथ दर्शन के लिए राजस्थान से आए श्रद्धालुओं के एक परिवार के करीब 10 बच्चों की नाश्ता करने के बाद अचानक तबीयत बिगड़ गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बच्चों ने हाट बाजार स्थित शिवशक्ति रेस्टोरेंट में नाश्ता किया था, जिसके कुछ देर बाद उन्हें उल्टी, पेट दर्द और चक्कर आने जैसी शिकायतें होने लगीं। सभी बच्चों को तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है और चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। रेस्टोरेंट से खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने खाद्य सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तथा तीर्थस्थलों पर खाद्य प्रतिष्ठानों की नियमित जांच की मांग की है।

सालों पुरानी लड़ाई खत्म करने का ऐलान जानें वजह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। गुजरात में चार दशक से अधिक समय तक वैज्ञानिक सोच और अंधविश्वास के खिलाफ अभियान चलाने वाले 'गुजरात विज्ञान जत्था' के अध्यक्ष जयंत पंड्या ने संगठन की सक्रिय गतिविधियां बंद करने का निर्णय लिया है। इस घोषणा के बाद सामाजिक कार्यकर्ताओं और विज्ञान समर्थकों में चर्चा शुरू हो गई है। संगठन वर्षों से कथित चमत्कारों की वैज्ञानिक व्याख्या, अंधविश्वास के खिलाफ जनजागरण और लोगों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का कार्य करता रहा है। जयंत पंड्या ने निर्णय के पीछे कई कारण बताए हैं। उनके अनुसार, अंधविश्वास के मामलों में अपेक्षित सरकारी सहयोग नहीं मिलना, लगातार मिल रही धमकियां, बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं प्रमुख वजह हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समाज सुधार के ऐसे अभियानों में नई पीढ़ी की भागीदारी अपेक्षा से कम रही है।

ऊंझा पुलिस का ड्रग्स के धंधे पर बड़ा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ऊंझा/मेहसाणा। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत ऊंझा पुलिस ने एक व्यक्ति को 1.110 किलोग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में आरोपी के कब्जे से करीब 50,550 रुपये मूल्य का गांजा बरामद किया गया। बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है

सोनम वांगचुक 'कॉकरोच जनता पार्टी' के आंदोलन में शामिल हुए

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए आमरण अनशन, सुविधाएं बंद!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जारी प्रदर्शन में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के शामिल होने का दावा किया गया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वांगचुक ने आमरण अनशन शुरू किया है। वहीं, 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन स्थल पर पानी और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं बंद कर दी गई हैं। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले को लेकर प्रदर्शन जारी है और प्रशासन की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है।

5 सांसद पाला बदलने को तैयार, शिंदे गुट में शामिल होने पर फंसा पेंच

शरद पवार के खेमे में टूट की आशंका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़े उलटफेर और बगावत की सुगबुगाहट तेज हो गई है, जिससे राज्य का राजनीतिक परिदृश्य गरमा गया है। हाल ही में उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) के छह लोकसभा सांसदों के एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होने के बाद, अब राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि अगला निशाना शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एसपी) हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, शरद पवार गुट के कम से कम पांच लोकसभा सांसद विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) का साथ छोड़कर सत्ताधारी महायुति गठबंधन का दामन थामने की तैयारी में हैं, जिससे एनडीए की लोकसभा सीटों में और इजाफा हो सकता है।हालांकि, इस संभावित टूट के पीछे एक बेहद दिलचस्प और जटिल पेंच फंसा हुआ है। आमतौर पर किसी पार्टी में टूट होने पर उसके बागी सांसद या विधायक अपने ही विरोधी धड़े में शामिल होते हैं, लेकिन इस मामले में चौंकाने वाली बात यह है कि एनसीपी (एसपी) के इन सांसदों को अजीत पवार के नेतृत्व वाले पारंपरिक विरोधी गुट द्वारा नहीं, बल्कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना द्वारा पाले में लाने की कोशिश की जा रही है।

बता दें कि एनसीपी की कमान अब सुनेत्रा पवार के हाथों में है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसके पीछे अजीत पवार की पार्टी के भीतर चल रही अंदरूनी कलह और अस्थिरता सबसे बड़ी वजह है। अजीत पवार के गुट में जारी संगठनात्मक उथल-पुथल और नेतृत्व की कमजोर स्थिति उसे दूसरी पार्टी में बड़ी सेंधमारी करने की स्थिति में नहीं छोड़ रही है। अजीत पवार की पार्टी में इस समय अंदरूनी खींचतान चरम पर है, जिसकी मुख्य वजह उनके बेटे पार्थ पवार का तेजी से बढ़ता वर्चस्व माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि पार्थ पवार वरिष्ठ और कद्दावर नेताओं जैसे कि प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे को भरोसे में लिए बिना संगठन से जुड़े बड़े और महत्वपूर्ण फैसले ले रहे हैं। इस रवैए के कारण पार्टी के पुराने और अनुभवी नेताओं में भारी नाराजगी और असहजता का माहौल है। बात सिर्फ पार्टी संगठन तक ही सीमित नहीं है, आरोप यह भी लग रहे हैं कि पार्थ पवार अब देवेंद्र फडणवीस सरकार में शामिल एनसीपी कोटे के मंत्रियों के कामकाज और उनके विभागों में भी सीधा दखल देने लगे हैं। सूत्रों के अनुसार, एनसीपी के कुछ मंत्रियों ने शीर्ष स्तर पर शिकायत दर्ज कराई है कि पार्थ पवार उनके अधीन आने वाले विभागों द्वारा जारी किए जाने वाले टेंडरों की विस्तृत और गोपनीय जानकारी मांग रहे हैं, जिससे उनके कामकाज में अनावश्यक हस्तक्षेप बढ़ रहा है। महाराष्ट्र के राजनीतिक घटनाक्रम पर बारीक नजर रखने वाले जानकारों का कहना है कि पार्थ पवार अपने पिता की राजनीतिक विरासत पर पूरी तरह से नियंत्रण हासिल करने के लिए बहुत तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। वे पार्टी के भीतर खुद को निर्विवाद नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश में जुटे हैं। उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं सिर्फ महाराष्ट्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे दिल्ली में भी अपनी जमीन मजबूत कर रहे हैं। हाल ही में पार्थ पवार ने दिल्ली का दौरा किया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस बैठक के दौरान पार्थ पवार ने बीजेपी नेतृत्व के सामने एक बड़ी मांग रखी है। उन्होंने अनुरोध किया है कि भविष्य में बीजेपी और एनसीपी के बीच होने वाली सभी राजनीतिक वार्ताओं, सीट शेयरिंग या किसी भी तरह के समन्वय को केवल उन्हीं के जरिए रूट किया जाए। यानी वे खुद को बीजेपी और अपनी पार्टी के बीच एकमात्र आधिकारिक संपर्क सूत्र के रूप में स्थापित करना चाहते हैं, जो उनकी बढ़ती महत्वाकांक्षाओं और पार्टी के भीतर उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

खान सर के गार्ड ने अवैध हथियार से चलाई थी गोली

-दोनों बॉडीगार्ड्स के हथियारों के वेरिफिकेशन के बाद हुआ खुलासा

पटना (एजेंसी)। पटना पुलिस की जांच में फैजल खान (खान सर) के दोनों बॉडीगार्ड्स के हथियारों के वेरिफिकेशन के दौरान अहम जानकारियां सामने आई हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जिस हथियार से गोली चलवाई गई थी, वह तालेबर सिंह (34), निवासी कासगंज (यूपी) का है, लेकिन उसके नाम पर जारी हथियार लाइसेंस का परमिट पूरे भारत के लिए मान्य नहीं पाया गया। आरोप है कि उत्तर प्रदेश से बिहार में हथियार लेकर आने, हथियार लेकर सुरक्षा ड्यूटी करने के लिए तालेबर सिंह के पास वैध अनुमति नहीं थी। फिर भी वह बिहार में बॉडीगार्ड की नौकरी कर रहा था। पुलिस ने फायरिंग में इस्तेमाल किए गए हथियारों और उनके लाइसेंस की जांच के बाद कई बिंदुओं को अपडेटेड केस डायरी में शामिल किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक तालेबर सिंह गैर कानूनी तरीके से हथियार लेकर बिहार में बॉडीगार्ड की नौकरी कर रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि बिहार में हथियार के साथ नौकरी करने की जानकारी स्थानीय प्रशासन, आर्म्स मजिस्ट्रेट या संबंधित थाने को नहीं दी गई थी, जो कानूनन अपराध है। बिना अनुमति के हथियार लेकर बिहार में काम करना कानून के दायरे में जांच का विषय है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खान सर ने तालेबर सिंह को बॉडी गार्ड के तौर पर हायर किया, उन्होंने भी कभी इसका पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराया। उन्हें एक रिस्पॉन्सिबल व्यक्ति होने के चलते कानूनी प्रक्रिया को पूरा करना चाहिए था।

टीएमसी के बागी गुट ने फिर की बैठक, नाम, चुनाव चिह्न किया इस्तेमाल

–नहीं लगाई ममता बनर्जी की तस्वीर, नगर निगम चुनाव को लेकर की चर्चा

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट ने एक हफ्ते में दूसरी बार बैठक की। इसमें 47 पूर्व पार्षदों शामिल हुए। बैठक पूर्वी कोलकाता के टॉपसिया इलाके में हुई। इससे पहले 22 जून को न्यू टाउन में भी बागी गुट की बैठक हुई थी। दोनों बैठकों में टीएमसी का नाम और चुनाव चिह्न इस्तेमाल किया गया, लेकिन ममता बनर्जी की तस्वीर नहीं लगाई गई। इधर ममता बनर्जी गुट की डोला सेन ने न्यू टाउन और प्रगति मैदान थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में फर्जी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक संदेश प्रसारित करने के साथ बिना अनुमति बैठक करने का भी आरोप लगाया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बागी विधायक संदीपन साहा ने कहा कि उनकी ही असली तृणमूल कांग्रेस है। हमारे पास पर्याप्त संख्या है। हम विधानसभा में प्रमुख विपक्ष हैं। साहा ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यसमिति का गठन हो चुका है और जल्द ही राजनीतिक कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक बैठक में कोलकाता नगर निगम चुनाव की तैयारी पर चर्चा हुई। इस साल दिसंबर में चुनाव हो सकते हैं। दरअसल 8 जून को कोलकाता नगर निगम का बोर्ड भंग कर दिया गया था। इसके बाद सभी पार्षदों, चेयरपर्सन और मेयर-इन-काउंसिल के सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो गया। प्रशासनिक जिम्मेदारी प्रशासक को सौंप दी गई। पूर्व मेयर फिरहाद हकीम इस बैठक में शामिल नहीं हुए।

21 जुलाई को शहीद दिवस पर होने वाली रैली के लिए ममता बनर्जी गुट और बागी गुट, दोनों ने कोलकाता के धर्मतला में कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति मांगी है। ममता गुट का कहना है कि वह पिछले 33 सालों से वहीं रैली करता आ रहा है। वहीं बागी गुट ने भी उसी जगह रैली करने के लिए आवेदन देने की बात कही है। हालांकि, अनुमति नहीं मिलने पर उसने वैकल्पिक स्थान पर कार्यक्रम करने का संकेत दिया है। बागी विधायक अखरुज्जमान ने कहा कि इस बार शहीदों के परिजनों को केंद्र में रखकर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि पार्टी का सिंबल और जनसमर्थन ममता बनर्जी के नेतृत्व से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि कुछ विधायक, सांसद या पार्षद पार्टी छोड़ दें, इससे जनादेश नहीं बदलता।

धर्मेंद्र प्रधान का बदलेगा मंत्रालय, सीतारमण संभालेंगी?

मोदी कैबिनेट में जल्द होगा संभावित फेरबदल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में जल्द ही एक बड़े फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं, जिसे संसद के मॉनसून सत्र से पहले अंजाम दिया जा सकता है। राजनीतिक गलियारों में इस बात की जोरदार चर्चा है कि कई मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है, जबकि कुछ विवादों में घिरे मंत्रियों के विभागों में बड़े बदलाव हो सकते हैं। इन बदलावों के केंद्र में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, वर्तमान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को शिक्षा मंत्रालय का महत्वपूर्ण जिम्मा सौंपा जा सकता है, जबकि पूर्व आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास को देश का नया वित्त मंत्री बनाया जा सकता है। शिक्षा मंत्रालय में इस संभावित बदलाव की मुख्य वजह हाल ही में हुए नीट पेपर लीक मामले को माना जा रहा है, जिसने देश भर में व्यापक विरोध प्रदर्शनों को जन्म दिया है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग लगातार उठ रही है, और सरकार पर इस मामले में कड़े कदम उठाने का दबाव है। ऐसे में, यदि प्रधान से शिक्षा मंत्रालय वापस लिया जाता है, तो यह सरकार के लिए एक मजबूत संदेश हो सकता है कि वह जनभावनाओं के प्रति संवेदनशील है। वित्त मंत्रालय के लिए शक्तिकांत दास का नाम कई मायनों में महत्वपूर्ण है। 69 वर्षीय दास, जो पूर्व आईएएस अधिकारी और भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रह चुके हैं, के पास सरकार के साथ काम करने और वित्तीय मामलों का लंबा अनुभव है। यदि वे वित्त मंत्री बनते हैं, तो वे पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और पूर्व वित्त मंत्री सीडी देशमुख जैसी शख्सियतों की श्रेणी में शामिल हो जाएंगे, जिन्होंने आरबीआई गवर्नर के रूप में कार्य करने के बाद देश के वित्त मंत्री का पद संभाला।

दास को कर, निवेश और आर्थिक नीति की गहरी समझ है, और उन्होंने वित्त मंत्रालय में रहते हुए आठ केंद्रीय बजटों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2018 से 2024 तक आरबीआई गवर्नर के रूप में उनके कार्यकाल में उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान मिली और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। हालांकि, चूंकि शक्तिकांत दास वर्तमान में किसी सदन के सदस्य नहीं हैं, इसलिए उन्हें छह महीने के भीतर राज्यसभा भेजा जा सकता है। अटकलें हैं कि उन्हें उत्तर प्रदेश से राज्यसभा भेजा जा सकता है, जहां नवंबर 2026 में 10 राज्यसभा सीटें खाली होंगी। आगामी कैबिनेट फेरबदल में उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को भी ध्यान में रखा जा रहा है। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की जगह पंजाब से किसी सिख चेहरे को, जैसे राघव चड्ढा को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। वर्तमान में पंजाब से रवनीत सिंह बिट्टू केंद्रीय मंत्रिमंडल का हिस्सा हैं। इसके अलावा, बिहार से नीतीश कुमार, महाराष्ट्र से श्रीकांत शिंदे (जो उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे हैं और शिवसेना यूबीटी के 6 सांसदों को एनडीए के साथ लाए हैं), और टीएमसी छोड़कर एनसीपीआई में शामिल हुए सुखेंदु शेखर राय जैसे नए चेहरों को भी केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिलने की संभावना है। वहीं, अनुराग ठाकुर को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। कुछ मंत्रियों के पोर्टफोलियो में बदलाव या उन्हें बाहर का रास्ता दिखाए जाने की भी संभावना है, जिनमें मनोहर लाल खट्टर, अश्विनी वैष्णव, हरदीप सिंह पुरी और नितिन गडकरी जैसे नाम शामिल हैं। विशेषकर नौकरशाही से आए दो मंत्रियों, अश्विनी वैष्णव और हरदीप सिंह पुरी की भूमिकाओं में कमी की जा सकती है। राजनीतिक जानकारों का यह भी मानना है कि मंत्रिमंडल में होने वाले फेरबदल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की पसंद का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा, जिसकी झलक हाल ही में भाजपा और आरएसएस पदाधिकारियों की बैठक में मिली थी।

जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू

–शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

–नीट पेपर लीक और सीबीएसई गड़बड़ियों के विरोध में आंदोलन हुआ तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने रविवार को जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। नीट पेपर लीक, परीक्षा रद्द और री-एग्जाम के साथ ही सीबीएसई से जुड़ी कथित अनियमितताओं के विरोध में चल रहे आंदोलन को इससे नया बल मिला है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में चल रहे इस प्रदर्शन का रविवार को नौवां दिन रहा।

यहां बताते चलें कि सीजेपी पिछले 20 जून से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रही है। रविवार को सोनम वांगचुक के भूख हड़ताल शुरू करते ही जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में छात्र, युवा और प्रदर्शनकारी जुटने लगे। आंदोलन में कई किसान संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। भूख हड़ताल शुरू करने से पहले सोनम वांगचुक और पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद दोनों जंतर-मंतर पहुंचे और आंदोलन को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अभिजीत दीपके ने कहा कि जब तक शिक्षा मंत्री का इस्तीफा नहीं होता और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं ने छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है। प्रदर्शन स्थल पर छात्रों ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई। प्रशासन की ओर से जंतर-मंतर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

पुणे मर्डर केस में घटनास्थल पर सीन रीक्रिएट, पुलिस ने की गहन जांच

लोहगढ़ किले पर आरोपियों को ले जाकर घटना दोहराई

पुणे (एजेंसी)। चर्चित पुणे मर्डर केस की जांच में पुलिस ने रविवार को महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लोहगढ़ किले पर घटनास्थल का सीन रीक्रिएट किया। पुलिस टीम सुबह केतन मडर केस की आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी को किले पर लेकर पहुंची, जहां लगभग ढाई घंटे तक जांच प्रक्रिया चली।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, केतन के समान वजन की एक डमी तैयार की गई थी, जिसके माध्यम से घटना को दोहराकर यह समझने का प्रयास किया गया कि कथित वारदात किस प्रकार अंजाम दी गई। डीएसपी गजानन टोंपे ने बताया कि आरोपी सिया गोयल के बताए अनुसार पूरे घटनाक्रम का पुनर्निर्माण किया गया। जांच के दौरान पुलिस को कई महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य भी मिले हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सिया और चेतन ने कथित तौर पर गूगल पर लोहगढ़ किले के खतरनाक स्थानों और गहरी खाइयों से संबंधित जानकारी खोजी थी। पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने इंटरनेट पर ऐसे सवाल भी सर्च किए, जिनमें पुलिस जांच से बचने, सबूत मिटाने और पूछताछ के दौरान जवाब देने से जुड़ी जानकारियां शामिल थीं। साथ ही, व्हाट्सएप संदेशों को हटाने संबंधी गतिविधियों की भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, चेतन चौधरी ने घटना वाले दिन अपनी पहचान छिपाने के लिए अपना मोबाइल फोन एक दुकान पर छोड़ दिया था और दूसरे मोबाइल का इस्तेमाल किया था। डिलीट किए गए व्हाट्सएप संदेशों की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है। हालांकि पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच अभी जारी है और अंतिम निष्कर्ष सभी वैज्ञानिक एवं फोरेंसिक साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद ही सामने आएंगे।

किसी ने महंगी जमीन व फ्लैट खरीदे तो किसी ने लक्जरी गाड़ियां, बन गए धनवान

–खुलासा : राम मंदिर चढ़ावा की गणना से जुड़ते ही आरोपियों की बदली आर्थिक स्थिति

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर की कई व्यवस्थाओं से जुड़ने के उपरांत चढ़ावा चोरी में पकड़े गए आरोपितों की आर्थिक स्थिति सुधरती चली गई थी। किसी ने महंगी जमीनें खरीदीं, तो किसी ने फ्लैट। किसी ने लग्जरी वाहन खरीद लिए, तो किसी ने बना बनाया घर। यही नहीं गणना कार्य से इन कर्मियों को जोड़ा गया, तो इसमें ज्यादा लाभ को देखकर कइयों ने अपने रिश्तेदारों को भी ट्रस्टियों से पैरवी करके रखवा दिया गया। इससे भी बात नहीं बनी, तो स्थानीय जनप्रतिनिधियों से अनुशंसा करा दी।

जानकारी के मुताबिक आरोपित लाभ कमाते रहे, अपने रिश्तेदारों और परिजनों की भी यदा-कदा सहायता करते रहे। आरोपितों के जेल चले जाने के बाद अब इनके परिजनों में मायूसी है, तो कुछ मंदिर से जुड़े अन्य लोगों की भी इसमें संलिप्तता की बात कह कर न्याय मिलने की आस संजोए हैं। मिल्कीपुर के बसावां गांव के रहने वाले अनुकल्प मिश्रा का परिवार पहले जैसे-तैसे गुजर-बसर करता रहा। बताते हैं जब उसे एक ट्रस्टी व कुछ स्थानीय जनप्रतिनिधियों की निकटता का लाभ मिला और वह एक कर्मी के रूप में मंदिर की व्यवस्थाओं से जुड़ा तो कुछ ही समय में पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति बदल गई और इसका परिवार गांव में धनी परिवारों में शामिल हो गया।

अनुकल्प मिश्रा की चाची नेहा मिश्रा की मानें तो उसने अपने अन्य चाचा की भी मदद की और रिश्तेदारों की भी। स्वयं नोएडा के एक अपार्टमेंट में फ्लैट लिया और रिश्तेदार को लखनऊ में बीबीडी कालेज के सामने भूखंड खरीदवाया। उसने लोकगायक दिवाकर द्विवेदी के कौशलपुरी स्थित आवास को करीब 62 लाख रुपए में खरीद लिया और यहीं अपने परिवार के साथ रहने लगा। वहीं, इसका बहनोई रुदौली के फगौली ठाकुरान निवासी लवकुश मिश्र पहले एक साधारण कार मिस्त्री रहा।

इसी तरह अयोध्याधाम के स्वर्गद्वार मोहल्ले का रहने वाला रामशंकर यादव टिन्नू विश्व हिंदू परिषद में रहने के बाद जब मंदिर की व्यवस्थाओं से जुड़ा तो ट्रस्ट महासचिव के साथ उसकी निकटता का उसे काफी लाभ मिला। वह मंदिर की प्रत्येक व्यवस्थाओं में दखल देने लगा। यहां तक कि नकदी की गणना जहां होती थी, वहां भी वह बेधड़क पहुंचता रहा। एसआइटी जांच में उसके पास दानपात्रों की चाबियां मिलने से यह प्रमाणित भी हो गया। इसी कारण उसने चार-पांच महीने पहले अपने भतीजे मनीष यादव को भी न केवल ट्रस्ट का कर्मी बनवा दिया था, बल्कि उसे भी गणना में रखवा दिया। दोनों के जेल चले जाने के बाद अब इसके परिवार के लोग हैरान व परेशान हैं।

हालांकि टिन्नू यादव की पत्नी पूनम यादव तो अभी भी पति को निर्दोष बताते हुए साजिशन फंसाने का आरोप लगाती हैं। वहीं, अविनाश शुक्ल के बारे में भी बताया जाता है कि उसने अयोध्या में ही कहीं प्लाट खरीद लिया है, लेकिन वह नाका पर किराए के कमरे में रहता था।

ऑपरेटिंग सिस्टम हाइपरओएस 4 शीघ्र होगा पेश

नई दिल्ली ।

चाइनीकी कंपनी शाओमी ने अपने अपकमिंग ऑपरेटिंग सिस्टम, हाइपरओएस 4 के जल्द लॉन्च होने की पुष्टि कर दी है। हालांकि, शाओमी ने अभी तक उन डिवाइस की आधिकारिक सूची जारी नहीं की है जिन्हें यह अपडेट मिलेगा, लेकिन कई रिपोर्ट्स में शाओमी, रेडमी और पोको स्मार्टफोन व टैबलेट के नाम सामने आए हैं। एंड्रॉयड 17 पर आधारित यह नया ओएस बेहतर परफॉर्मेंस, नया इंटरफेस, एआई फीचर्स और मजबूत प्राइवेसी टूल्स के साथ आएगा, जिससे यूजर्स को एक बेहतरीन अनुभव मिलने की उम्मीद है। कंपनी के मुताबिक, हाइपरओएस 4 को सबसे पहले चीन में जुलाई से अगस्त 2026 के बीच पेश किया जाएगा, जिसके कुछ हफ्तों बाद इसके वैश्विक ऐलान की उम्मीद है। माना जा रहा है कि स्टेबल अपडेट से पहले शाओमी बीटा प्रोग्राम भी शुरू कर सकती है और शाओमी 17 सीरीज तथा रेडमी के90 सीरीज सबसे पहले बीटा अपडेट पाने वाले डिवाइस हो सकते हैं। यदि कंपनी अपने पुराने अपडेट शेड्यूल पर कायम रहती है, तो वैश्विक यूजर्स के लिए हाइपरओएस 4 की रोलआउट प्रक्रिया अक्टूबर 2026 के आसपास शुरू हो सकती है। मौजूदा सॉफ्टवेयर अपडेट पॉलिसी के आधार पर शाओमी 15 सीरीज, शाओमी 15 अल्ट्रा, शाओमी 14 सीरीज, रेडमी नोट 15 सीरीज, रेडमी नोट 14 प्रो सीरीज, पोको एफ7 सीरीज, पोको एक्स7 सीरीज और पोको एक्स6 प्रो जैसे कई डिवाइस को यह अपडेट मिलने की संभावना है। कुछ रेडमी टैबलेट और पोको डिवाइस को भी यह अपडेट मिलने की उम्मीद है। इस बार शाओमी का फोकस सिर्फ नए फीचर्स जोड़ने पर नहीं, बल्कि सिस्टम को ज्यादा हल्का और तेज बनाने पर भी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी 'जीरो-लेगेसी' फ्रेमवर्क पर काम कर रही है, जिसका मकसद पुराने और गैर-जरूरी कोड को हटाकर सिस्टम की स्पीड और एफिशिएंसी बढ़ाना है। इसके अलावा, बेहतर प्राइवेसी कंट्रोल, एआई आधारित प्रोडक्टिविटी टूल्स, अलग-अलग डिवाइस के बीच बेहतर मल्टीटास्किंग और नया इंटरैक्टिव लॉक स्क्रीन अनुभव जैसे फीचर्स भी इसमें शामिल हो सकते हैं। कई कोर ऐप्स और सिस्टम फ्रेमवर्क को रस्ट और फ्लटर जैसी उन्नत तकनीकों की मदद से दोबारा तैयार किया जा रहा है, जिससे बेहतर मेमोरी मैनेजमेंट, स्मूद एनिमेशन और ज्यादा स्थिर अनुभव मिलने की उम्मीद है। हाइपरओएस 4 में शाओमी अपने लिक्विड ग्लास डिजाइन को और बेहतर बना सकती है, जिसमें नए एनिमेशन, ट्रांसपेरेंसी इफेक्ट्स और रिफाइंड यूजर इंटरफेस देखने को मिल सकते हैं।

जेप्टो का महा-दांव स्टैनफोर्ड ड्रॉपआउट्स से क्विक-कॉमर्स किंग तक का सफर

1- 8,010 करोड़ के नए शेयरों के साथ बाजार में दस्तक की तैयारी

बेंगलुरु ।

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के दो युवा ड्रॉपआउट्स द्वारा स्थापित, क्विक-कॉमर्स दिग्गज जेप्टो, लगभग 8,010 करोड़ रुपये के नए शेयरों के साथ देश के शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास हाल ही में जमा किए गए मसौदा दस्तावेजों में एक वेयरहाउस-सह-प्रयोगशाला की झलक मिलती है, जहां अत्याधुनिक तकनीक भारत के तेज-तर्रार डिलीवरी मॉडल के भविष्य को आकार दे रही है। बेंगलुरु के बाहर स्थित, पांच फुटबॉल मैदान के आकार का यह विशाल वेयरहाउस जेप्टो के संचालन का केंद्र है। यहां 23 वर्षीय सह-संस्थापक और अध्यक्ष (तकनीक और उत्पाद) कैवल्य वोहरा, बारकोड रीडर के साथ अरहर दाल के पैकेट स्कैन करते हुए दिखते हैं। उनके आसपास, रोबोट और इंसान सामंजस्य बिठाकर काम करते हैं - स्वचालित मशीनें आलू और प्याज की छंटाई करती हैं, जबकि आयातित उपकरण सेब के कुरकुरेपन और संतरों के चीनी अंश का परीक्षण करते हैं। 'पुट टु लाइट' स्टेशन पिकर्स को डिलीवरी ट्रकों तक आइटम ले जाने का निर्देश देते हैं, जो इस इकाई को एक लैब का रूप देते हैं जहां क्विक-कॉमर्स की गति निर्धारित होती है।

वोहरा ने आदित पलिचा के साथ मिलकर जेप्टो की स्थापना तब की थी जब वे दोनों किशोर थे। बचपन के दोस्तों ने 2021 में वैश्विक महामारी के दौरान कंपनी बनाने के लिए स्टैनफोर्ड का कंप्यूटर साइंस प्रोग्राम छोड़ दिया और भारत लौट आए। उन्होंने सुविधा आधारित अर्थव्यवस्था पर दांव लगाया, जहां घंटों के बजाय मिनटों में किराना डिलीवरी की गुंजाइश थी। यह कंपनी दो मोर्चों पर तेजी से आगे बढ़ रही है- देश के सबसे अधिक पूंजी-प्रधान उपभोक्ता दांवों में से एक में अपनी बढ़त बनाए रखने के लिए विस्तार करना, और यह साबित करना कि 10 मिनट की डिलीवरी अंततः मुनाफे में बदल सकती है। मसौदा आवेदन से पता चलता है कि पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही तक, जेप्टो हर दिन लगभग 23.3 लाख ऑर्डर पूरे कर रही थी, जिससे उस तिमाही में लगभग 8,134 करोड़ रुपये का शुद्ध प्राप्त योग्य मूल्य (एनआरवी) सृजित हुआ।

आर्थिक आंकड़ों और मानसून पर रहेगी निवेशकों की नजर

वाहन कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़े भी बाजार के सेंटीमेंट पर सीधा असर डालेंगे

मुंबई ।

पिछले सप्ताह की मामूली बढ़त के बाद, भारतीय शेयर बाजार आगामी सप्ताह में कई घरेलू और वैश्विक कारकों से अपनी दिशा तय करेगा। निवेशकों की पैनी नजर जहां औद्योगिक उत्पादन, क्रय प्रबंधक सूचकांक

और वाहन बिक्री जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी, वहीं मानसून की प्रगति भी बाजार के रुख को प्रभावित करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इसके अतिरिक्त, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौता भी वैश्विक बाजारों के माध्यम से घरेलू धारणा पर असर डाल सकता है। आगामी सप्ताह कई अहम आर्थिक आंकड़े जारी होने वाले हैं।

औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े, मैन्युफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र के लिए पीएमआई (परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स) के आंकड़े निवेशकों को देश की आर्थिक सेहत का संकेत देंगे। इसके अलावा, वाहन कंपनियों द्वारा जारी किए जाने वाले मासिक बिक्री आंकड़े भी बाजार के सेंटीमेंट पर सीधा असर डालेंगे। कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था होने के नाते, मानसून की प्रगति हमेशा से भारतीय बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण कारक रही है। हालांकि, इस बार मानसून 10 दिनों की देरी के बाद पश्चिमी भारत में आगे बढ़ा है, लेकिन पूर्वी भारत में इसकी धीमी गति चिंता का विषय बनी हुई है। यदि मानसून पूर्वी क्षेत्रों में कमजोर रहता है, तो यह निवेश धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय मोर्चे पर, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित अंतिम शांति समझौते की दिशा में प्रगति का सीधा असर वैश्विक कमोडिटी बाजारों और अंततः शेयर बाजार पर दिखेगा। पिछले सप्ताह की बात करें तो, उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बावजूद घरेलू बाजारों ने मामूली बढ़त दर्ज की। बीएसई का सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत चढ़कर 77,100.47 अंक पर बंद हुआ, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 0.18 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त के साथ 24,056 अंक पर पहुंच गया। वृहत बाजारों में, निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 0.83 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.03 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ।

भारत के लग्जरी कार बाजार की रफ्तार थमी, पांच साल की तेजी पर लगा ब्रेक

मुंबई ।

रत के लग्जरी कार बाजार की पांच साल की शानदार रफ्तार पर 2026 की पहली छमाही में ब्रेक लग गया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, रुपये की कमजोरी और लगातार बढ़ती कीमतों के कारण 40 लाख से अधिक कीमत वाली कारों की बिक्री में ठहराव आ गया है। उद्योग के शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, लग्जरी कारों की बिक्री 24,000 से 25,000 यूनिट के बीच ही सीमित रही। पिछले पांच सालों में लग्जरी कारों की कीमतों में 25-30 प्र तिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिसका मुख्य कारण यूरो के मुकाबले रुपये की कमजोरी और बढ़ी हुई आयात लागत है। इससे प्रीमियम सेगमेंट के वे ग्राहक, जो पहली बार लग्जरी कार खरीदना चाहते थे, अब अपनी खरीदारी टाल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि हाई-नेट-वर्थ निवेशक भी वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव को देखते हुए बड़े खर्चों से बच रहे हैं। हालांकि, सबसे महंगी और हाई-एंड अल्ट्रा-लग्जरी कारों की मांग अब भी मजबूत बनी हुई है, जिस पर वाहन निर्माता कंपनियां अब अधिक ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

ईरान पर 60 दिनों का प्रतिबंध हटने के बाद बिचौलिए भारत को दे रहे सस्ते तेल का ऑफर

रिफाइनरियों से संपर्क करने वाले व्यापारी सिंगापुर और दुबई की छोटी ट्रेडिंग कंपनियों के

नई दिल्ली।

अमेरिका से प्रतिबंधों में ढील के बाद कई बिचौलिए भारत को सस्तार तेल बेचने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका ने ईरान पर 60 दिनों का प्रतिबंध हटा दिया है, जिसके बाद तमाम बिचौलियों ने भारत को सस्ताा ईरानी तेल खरीदने का ऑफर दिया है। इस डील में भारत को सामान्यो क्रूड की कीमत के मुकाबले करीब 3 से 4 डॉलर प्रति बैरल की बचत हो सकती है।

भारतीय रिफाइनरी सूत्रों का कहना है कि कई बिचौलिए ईरानी तेल छूट पर बेचने की पेशकश कर रहे हैं, क्योंकि तेहरान वाशिंगटन की अस्थायी प्रतिबंध छूट के बाद बिक्री तेज करना चाहता है।भारतीय रिफाइनरियों से संपर्क सीधे नेशनल ईरानी ऑयल कंपनी (एनआईओसी) और बिचौलियों के जरिए हुआ है, जिन्होंने कहा है कि उन्हें ईरानी राज्य उत्पादक से तेल मिला है। एक रिफाइनिंग सूत्र ने बताया कि एनआईओसी के अलावा कई व्यापारी हमसे ईरानी तेल बेचने के लिए संपर्क कर रहे हैं, लेकिन मेरी प्राथमिकता एनआईओसी को मौका देना है। सूत्रों का कहना है कि एनआईओसी भारतीय खरीदारों को बता रहा है कि ईरानी कच्चा तेल अन्यस क्षेत्रीय ग्रेड की तुलना में 3 से 4 डॉलर प्रति बैरल सस्ता होगा। रिफाइनरियों से संपर्क करने वाले व्यापारी ज्यादातर सिंगापुर और दुबई की छोटी और मध्यम ट्रेडिंग कंपनियों से हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस हफ्ते ईरानी पेट्रोलियम मंत्री मोहसिन पकनेजाद की नई दिल्ली यात्रा के दौरान भारत को कच्चा तेल और एलपीजी की संभावित आपूर्ति पर भी चर्चा हुई। हालांकि, भारतीय रिफाइनरियों के पास निकट भविष्य में ईरानी कच्चा तेल लेने की सीमित गुंजाइश है।

टॉप 10 कंपनियों के मूल्यांकन में 88,678 करोड़ की बढ़ोतरी

कच्चे तेल सस्ता होने से और एफआईआईएस की खरीदारी ने बढ़ाया निवेशकों का भरोसा

मुंबई ।

पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कारोबार के दिन कम होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार में कारात्मक माहौल बना रहा। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में ₹88,678.1 करोड़ का उल्लेखनीय इजाफा देखा गया। इस बढ़त की अगुवाई निजी क्षेत्र के दिग्गज आईसआइस **ICICI** बैंक ने की, जो सबसे बड़े विजेता के रूप में उभरा। सप्ताह के दौरान, बीएसई का बेंचमार्क सेंसेक्स 297.57 अंक (0.38 प्रतिशत) और एनएसई का निफ्टी 42.9 अंक (0.17 प्रतिशत) चढ़ा, जिससे निवेशकों में भरोसा कायम रहा। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक स्थिति में सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा चुनिंदा खरीदारी जैसे कारकों ने बाजार के माहौल को सकारात्मक बनाए रखा। एशियाई बाजारों में भी माइक्रोन की कमाई और क्वालकॉम के पूर्वानुमान से एआई को लेकर आशावाद बढ़ने से तेजी देखी गई। लाभ कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक शीर्ष पर रहा, जिसका बाजार मूल्यांकन 29,588.75 करोड़ बढ़कर 9,95,610.74 करोड़ रुपए हो गया। इसके बाद, एचडीएफसी बैंक ने 24,718.3 करोड़ का इजाफा दर्ज किया, जिससे उसका मूल्यांकन बढ़कर12,25,981.44 करोड़ पर पहुंच गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 12,043.96 करोड़ बढ़कर 17,83,926.92 करोड़ हुआ, जबकि बजाज फाइनेंस और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (**SBI**) ने भी क्रमशः 11,580.28 करोड़ और 9,322.93 करोड़ की वृद्धि दर्ज की। इंजीनियरिंग दिग्गज लार्सन एंड टुब्रो को भी 1,423.88 करोड़ का लाभ हुआ। हालांकि, सभी कंपनियों के लिए सप्ताह अच्छा नहीं रहा। भारती एयरटेल को 35,615.21 करोड़ का सबसे बड़ा नुकसान झेलना पड़ा, जिससे उसका मूल्यांकन गिरकर 11,27,348.09 करोड़ हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम के मूल्यांकन में 21,188.74 करोड़ की गिरावट आई, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (और हिंदुस्तान यूनिलीवर (बाजार

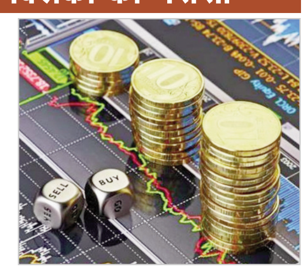

पूंजीकरण भी क्रमशः 11,143.71 करोड़ और 5,321.83 करोड़ रुपए कम हुआ। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपना पहला स्थान बरकरार रखा। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

दक्षिण-पूर्व एशिया में मंडराया खाद्य महंगाई का खतरा गोल्डमैन सैक्स

बढ़ती ऊर्जा लागत, अल-नीनो का खतरा और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ाएंगे खाद्यान्नों के दाम

नई दिल्ली।

अमेरिकी निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के लिए एक गंभीर चेतावनी जारी की है। अपनी नई रिपोर्ट में बैंक ने कहा है कि आगामी समय में इस क्षेत्र में खाद्य महंगाई तेजी से बढ़ सकती है, जिसके पीछे मौसम संबंधी जोखिम, बढ़ती ऊर्जा लागत और उर्वरकों की कमी जैसे कई कारक जिम्मेदार होंगे। इससे रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम आसमान छू सकते हैं। गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 के त तक एक मजबूत अल-नीनो मौसम पैटर्न विकसित होने की प्रबल संभावना है। यह स्थिति बारिश के पैटर्न को गंभीर रूप से बिगाड़ सकती है, जिससे कहीं अत्यधिक वर्षा तो कहीं भीषण सूखे की स्थिति बन सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौसम प्रतिकूल रहा, तो चावल, सब्जियों और अन्य प्रमुख खाद्यान्न फसलों का उत्पादन बुरी तरह प्रभावित होगा, जिससे बाजार में आपूर्ति घटने और कीमतों पर दबाव बढ़ने की आशंका है। इसके अतिरिक्त, कच्चे तेल और उर्वरकों की बढ़ती कीमतें किसानों की उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि कर रही हैं। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है, जिसका सीधा असर

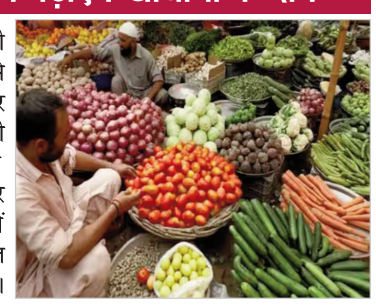

परिवहन लागत और कृषि इनपुट पर पड़ता है। यह बढ़ी हुई लागत अंततः महंगे खाद्य उत्पादों के रूप में उपभोक्ताओं तक पहुंचेगी।

मंत्री ने ब्रिटेन में सीईटीए की तैयारियों की समीक्षा की

लंदन ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लंदन में भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (सीईटी) से परिवर्तनकारी आर्थिक वृद्धि का आह्वान किया।

वे 15 जुलाई से लागू होने वाले इस समझौते की तैयारियों की समीक्षा के लिए ब्रिटेन दौरे पर हैं। गोयल ने भारतीय उद्योग प्रतिनिधिमंडल से चर्चा में कहा कि सीईटीए का मुख्य लक्ष्य दोनों देशों के लिए परिवर्तनकारी आर्थिक विकास होना चाहिए। उन्होंने भारतीय और ब्रिटिश कंपनियों को उन्नत विनिर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में सहयोग से कारोबार विस्तार का सुझाव दिया।

मंत्री ने जोर दिया कि भारत को अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सामान्य 4-6 फीसदी वृद्धि दर से कहीं अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखने होंगे। गोयल ने बताया कि सीईटीए केवल शुल्क नियमों तक सीमित नहीं है, बल्कि 48 अरब पाउंड के द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का अवसर है। उन्होंने अगले महीने लागू होने वाले दोहरा योगदान समझौता भी जिक्र किया। इस अवसर पर विभिन्न औद्योगिक संगठनों की रिपोर्टें भी जारी की गईं।

ईवी बाज़ार में बदलाव टाटा मोटर्स 2031 तक 14 नए मॉडल लाकर बढ़ाएगा अपनी पकड़

कंपनी का लक्ष्य 2030-31 तक ईवी पहुंच को 30 फीसदी से अधिक करना

नई दिल्ली।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार के अर्ली अडॉप्टर्स चरण से आगे बढ़ने के साथ ही, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स अपनी अग्रणी स्थिति को बनाए रखने के लिए कमर कस रहा है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2030-31 तक चार बिल्कुल नए ईवी उत्पाद और 10 से अधिक उन्नत संस्करण वाले मॉडल पेश करने की घोषणा की है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स भारत में इलेक्ट्रिक वाहन खंड में अपनी बाजार हिस्सेदारी को मजबूत करने की महत्वाकांक्षी योजना के साथ आगे बढ़ रहा है। निवेशकों के समक्ष एक प्रस्तुति में, कंपनी ने बताया कि भारतीय ईवी बाजार अब अर्ली अडॉप्टर्स से अर्ली मेजॉरिटी ग्राहकों की ओर बढ़ गया है। ये वे ग्राहक हैं जिन्हें किसी भी नई तकनीक को अपनाने से पहले सफल केस स्टडीज देखने की आवश्यकता होती है। इस बदलाव को भुनाने के लिए, टाटा मोटर्स का लक्ष्य वित्त वर्ष 2030-31 तक अपने इलेक्ट्रिक वाहन खंड में 30 प्रतिशत से अधिक की बाजार पहुंच हासिल करना है। कंपनी ने कहा कि वह अर्ली और लेट मेजॉरिटी ग्राहकों के बीच ईवी को बढ़ावा देने के लिए अपने उत्पादों को लगातार बेहतर बनाएगी। वर्तमान में, अर्ली अडॉप्टर्स की हिस्सेदारी 13.5 प्रतिशत है, जबकि अर्ली मेजॉरिटी और लेट मेजॉरिटी दोनों की हिस्सेदारी 34-34 प्रतिशत है, जो बाजार के बड़े हिस्से को दर्शाते हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, टाटा मोटर्स 2030-31 तक कुल 10 ईवी गाड़ियों का मजबूत पोर्टफोलियो तैयार करेगा। इसमें चार नए उत्पाद शामिल होंगे, जिनमें सिएरा.ईवी, इसके अविन्या कॉन्सेप्ट पर आधारित एक उत्पाद, और दो अन्य मॉडल शामिल हैं।

ऐपल दूसरी पीढ़ी के आईफोन एयर 2 पर कर रही काम

नई दिल्ली ।

दिग्गज टेक कंपनी ऐपल दूसरी पीढ़ी के आईफोन एयर 2 पर काम कर रही है, जिसे स्प्रिंग 2027 में स्टैंडर्ड आईफोन 18 के साथ लॉन्च किया जा सकता है। ऐपल इस बार उन दो बड़ी कमियों को दूर कर सकता है, जिनकी शिकायत पहले आईफोन एयर यूजर्स ने सबसे ज्यादा की थी - कैमरा और बैटरी लाइफ। मौजूदा आईफोन एयर में सिर्फ एक रियर कैमरा मिलता है, जिससे कई यूजर्स को मल्टीपल कैमरा ऑप्शन की कमी महसूस हुई थी। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐपल नए आईफोन एयर 2 में अल्ट्रावाइड कैमरा जोड़ सकता है, यानी फोन में डुअल रियर कैमरा सेटअप देखने को मिल सकता है।

इससे यूजर्स प्रो मॉडल खरीदे बिना भी आसानी से लैंडस्केप, ग्रुप फोटो और वाइड एंगल शॉट्स ले सकेंगे। रिपोर्ट्स का दावा है कि ऐपल पहले ही डुअल कैमरा वाले कुछ प्रोटोटाइप की टेस्टिंग कर चुका है, हालांकि फोन का ओवरऑल डिजाइन पहले जैसा ही रहने की उम्मीद है। ऐपल इस बार बैटरी पर भी खास ध्यान दे सकता है। अल्ट्रा-स्लिम डिजाइन की वजह से बड़े बैटरी पैक के लिए जगह कम होती है, जिससे पहले मॉडल की बैटरी को लेकर कुछ सवाल उठे थे।

लीक्स के मुताबिक, आईफोन एयर 2 में या तो बड़ी बैटरी दी जा सकती है या फिर कंपनी बेहतर पावर एफिशिएंसी पर काम करेगी। इसके लिए फोन में नया ए20 चिपसेट मिलने की संभावना है, जिसे नए मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस पर बनाया जा सकता है, जिससे बैटरी बैकअप और पावर मैनेजमेंट पहले से बेहतर होने की उम्मीद है।

अगर आपको मौजूदा आईफोन एयर का पतला और हल्का डिजाइन पसंद आया है, तो अच्छी खबर है क्योंकि रिपोर्ट्स बताती हैं कि ऐपल डिजाइन में कोई बड़ा बदलाव नहीं करेगा।

कंपनी मौजूदा डिजाइन को और बेहतर बनाने पर फोकस कर रही है और पहले मॉडल की कमजोरियों को दूर करने की कोशिश करेगी।

आईफोन एयर सीरीज उन लोगों के लिए बनाई गई है जो प्रो मॉडल जितनी कीमत खर्च किए बिना हल्का और प्रीमियम आईफोन चाहते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईफोन एयर 2 इस बार ऐपल के पारंपरिक सितंबर लॉन्च इवेंट का हिस्सा नहीं होगा। कहा जा रहा है कि कंपनी आईफोन लॉन्च को दो चरणों में बांट सकती है।

विदेशी बाजारों से घरेलू तेल-तिलहन में मामूली सुधार, किसानों को मिल रहा बेहतर दाम

अंतर्राष्ट्रीय मजबूती के बावजूद घरेलू मांग कमजोर, लेकिन सोयाबीन-सरसों किसानों को मिला बेहतर मूल्य

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में खाद्य तेलों की मजबूती का असर भारतीय तेल-तिलहन बाजारों पर भी देखा गया, जहाँ कीमतों में मामूली सुधार दर्ज हुआ। सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन, सीपीओ, पामोलीन और बिनौला तेल के दाम बढ़ गए।

हालाँकि, घरेलू हाजिर कारोबार में कमजोर मांग के चलते यह तेजी सीमित रही। बाजार सूत्रों ने बताया कि ऊंचे दामों के कारण सरसों की मांग सुस्त है। वहीं सोयाबीन किसानों को पहली बार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से बेहतर दाम मिले हैं, जिससे वे ऊंची कीमतों पर ही उपज बेच रहे हैं, परिणामस्वरूप सोयाबीन तिलहन में मजबूती आई।

मूंगफली तेल के थोक दाम सस्ते होने से इसकी मांग बढ़ी। बिनौला की आपूर्ति बेहद कम होने से इसके तेल में भी सुधार आया, जिसकी कमी पामोलीन पूरी कर रहा है। हालांकि, आयातक अभी भी आयात लागत से नीचे भाव पर तेल बेचकर नुकसान उठा रहे हैं। इस बीच, कई वर्षों बाद सोयाबीन और सरसों के बेहतर दाम मिलने से किसानों का उत्साह बढ़ा है।

यह स्थिति भविष्य में तेल-तिलहन के उत्पादन में वृद्धि कर सकती है, जिससे देश में खाद्य तेलों के दाम स्थिर होंगे, विदेशी मुद्रा की बचत होगी, प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार बढ़ेंगे और आयातित तेलों पर भारत की निर्भरता भी कम हो सकेगी। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये के सुधार के साथ 7,575-7,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,575 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमश- 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,575-2,675 रुपये और 2,575-2,720 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुआ।

गर्मी के मौसम में एसी की बिक्री गिरी, ठंडे पेय और आइसक्रीम की धूम

बेमौसम बारिश और महंगाई ने एसी उद्योग को झटका दिया

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में गर्मी से जुड़े उत्पादों की बिक्री ने एक दिलचस्प तस्वीर पेश की है। जहां उम्मीद के विपरीत एयर कंडीशनर (एसी) की मांग कमजोर रही, वहीं ठंडे पेय, आइसक्रीम और डेयरी उत्पादों ने शानदार वृद्धि दर्ज की। मौसम में अप्रत्याशित बदलाव और लगातार बढ़ती महंगाई के दबाव ने उपभोक्ताओं की खर्च करने की आदतों को प्रभावित किया, जिससे गर्मी से राहत देने वाले उत्पादों की बिक्री में विरोधाभासी रुझान देखने को मिला है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, जून में देश के कई हिस्सों में हुई बेमौसम बारिश, आंधी और शाम के समय कम तापमान ने एसी की बिक्री पर नकारात्मक प्रभाव डाला। गोदरेज एंटरप्राइजेज समूह के उपकरण कारोबार के प्रमुख कमल नंदी ने बताया कि जून में, खासकर उत्तर भारत में, एसी की बिक्री में उल्लेखनीय गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि मौसम में बदलाव के अलावा, पिछले कुछ वर्षों में एसी की कीमतों में 18 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि ने भी उपभोक्ताओं को एयर कूलर और पंखों जैसे सस्ते विकल्पों की ओर धकेल दिया है। हालांकि, कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष में एसी उद्योग के कारोबार के मूल्य में लगभग 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसका मुख्य कारण प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती हिस्सेदारी और ऊंची कीमतें हैं। इसके उलट, पेय पदार्थ और डेयरी कंपनियों ने इस गर्मी में जोरदार मांग दर्ज की। कोका-कोला भारत के एक अ धिकारी ने बताया कि कंपनी को पूरे गर्मी के मौसम में अच्छी मांग मिली, जिसमें छोटे पैक, क्विक कॉमर्स और चलते-फिरते उपभोग की बढ़ती प्रवृत्ति ने प्रमुख भूमिका निभाई। मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक जयतीर्थ चारी ने घोषणा की कि जून तिमाही में उनके ताजा डेयरी उत्पादों और आइसक्रीम कारोबार की बिक्री मात्रा में पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत से अधिकारी की वृद्धि हुई है। आइसक्रीम, दही और डेयरी पेय की मजबूत मांग ने इस वृद्धि को गति दी। हैवमोर आइसक्रीम के ण्क अ प्रबंध निदेशक देबब्रत मुखर्जी ने त्वरित उपभोग वाले उत्पादों जैसे कोन, स्टिक और सिंगल-सर्व कप की बढ़ती मांग पर जोर दिया, जिसे फटाफट सामान पहुंचाने वाले मंचों से बल मिला। वहीं, डीएस ग्रुप के अ धिकारी ने बताया कि रायता मसाला, छाछ मसाला और जलजीरा जैसे पारंपरिक भारतीय पेय पदार्थों की मांग में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।

घर ले आएं लक्ष्मी चरण पादुका

न-संपदा की प्राप्ति हेतु लक्ष्मी के पूजन का विधान है। ऐसा माना जाता है कि दीपावली की रात लक्ष्मी जी घर में आती हैं। इसीलिए लोग दहलीज से लेकर घर के अंदर जाते हुए लक्ष्मी जी के पांव बनाते हैं। इसी मान्यता के चलते हम लक्ष्मी जी को स्थाई करने हेतु घर में लक्ष्मी जी के चरणों का प्रतीक लक्ष्मी चरण पादुका स्थापित करते हैं।

लक्ष्मी जी के चरणों का रहस्य : शास्त्रों के अनुसार महालक्ष्मी के चरणों में सोलह शुभ चिन्ह होते हैं। यह चिन्ह अष्ट लक्ष्मी के दोनों पावों से उपस्थित 16 (षोडश) चिन्ह है जो के 16 कलाओं का प्रतीक हैं। शास्त्रों में मां लक्ष्मी को षोडशी भी कहकर पुकारा जाता है। ये सोलह कलाएं हैं 1.अन्नमया, 2. प्राणमया, 3.मनोमया, 4.विज्ञानमया, 5. आनंदमया, 6. अतिशयिनी, 7. विपरिनाभिमी, 8.संक्रमिनी, 9.प्रभवि, 10. कुंथिनी, 11 विकासिनी, 12.मर्यदिनी, 13. सन्हालादिनी, 14.आह्लादिनी, 15.परिपूर्ण, 16.स्वरुपवस्थित।

शास्त्रों में चंद्रमा की सोलह कलाओं का भी वर्णन आता है। चंद्रमा की सोलह कलाएं हैं अमृत, मनदा, पुष्प, पुष्टि, तुष्टि, ध्रुति, शाशनी, चंद्रिका, कांति, ज्योत्सना, श्री, प्रीति, अंगदा, पूर्ण और पूर्णामृत का उल्लेख है। वास्तवकिता में ये सोलह कलाएं सोलह तिथियां हैं जिसके क्रम में अमावस्या एकम से लेकर चतुर्दशी तथा पूर्णिमा। लक्ष्मी चरण पादुका के लक्ष्मी के षोडशी रूप के 16 चिन्ह इस प्रकार हैं 1 प्राण, 2.श्री, 3. भू, 4.कीर्तिं, 5.इला, 5 लीला, 6.कांति, 7.विद्या, 8 विमला, 8.उत्कर्शिनी, 9.ज्ञान, 10 क्रिया, 11. योग, 12.प्रहवि, 13. सत्य, 14. इसना 15. अनुग्रह, 16. नाम। अष्ट लक्ष्मी के दोनों चरणों में इस सोलह कलाओं के प्रतीक चिन्ह स्थापित होते है। सोलह कलाओं वाली श्री लक्ष्मी षोडशी का रहस्य : जो श्री विद्या सोलह कलाएं प्रदान करे वही षोडशी है। लक्ष्मी का यह स्वरुप ऐश्वर्य, धन, पद जो भी चाहिए सभी कुछ प्रदान करता है। इनके श्री चक्र को श्रीयंत्र कहा जाता है। इनका एक नाम श्री महा त्रिपुरा सुंदरी यां ललिता भी है। त्रिपुरा समस्त भुवन मे सर्वाधिक सुन्दर है। महालक्ष्मी का यह स्वरुप जीव को शिव बना देता है। यह श्री कुल की विद्या है। इनकी पूजा से साधक को पूर्ण समर्थ प्राप्त होता है। लक्ष्मी चरण पादुका इन्हीं ललिता श्री देवी के चरणों का प्रतीक है जिसमें सोलह चिन्ह बने होते हैं। लक्ष्मी चरण पादुका जहां भी स्थापित कि जाती है वहां से समस्याओं का नाश होता है। इसकी स्थापना से धनाभाव खत्म होकर स्थाई धन संपत्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। इसे मकान, दुकान, आफिस या कहीं भी दरवाजे पर चिपकाना भी शुभ होता है। अष्ट धातु से निर्मित यह चरण पादुका सुख-समृद्धि हेतु निश्चित ही उपयोगी सामग्री है।

घर-कार्यस्थल पर न रखें श्रीगणेश की ये मूर्तियां

भगवान श्रीगणेश मंगलकारी देवता हैं। जहां श्रीगणेश का नित पूजन-अर्चन होता है, वहां रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ का वास होता है। वास्तु शास्त्र में भगवान श्रीगणेश को महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया गया है। धन से संबंधित जो भी बाधाएं आती हैं उसका दोष घर अथवा दुकान में ही मौजूद होता है। बहुत कुछ ऐसा होता है जिनकी अनजाने में अनदेखी हो जाती है। वास्तु दोष-विघ्न दूर करते हैं विनायक।

जिस घर के मुख्य द्वार पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर होती है, वहां रहने वालों की दिनों-दिन उन्नति होती है। आम, पीपल और नीम से बनी श्रीगणेश की मूर्तिं घर के मुख्य दरवाजे पर लगाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

घर के मुख्य द्वार पर चौखट के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर लगानी चाहिए। उनके आस-पास सिंदूर से उनकी दोनों पत्नियों के नाम रिद्धि-सिद्धि लिखने की परम्परा है। घर में पूजा के लिए भगवान श्रीगणेश की शयन या बैठी हुई मुद्रा में मूर्तिं शुभ मानी जाती है। कार्यस्थल पर खड़ी हुई मुद्रा में भगवान श्रीगणेश की मूर्तिं लगाएं। इससे स्फूर्तिं और उमंग बनी रहती है। ध्यान रहे कि खड़े हुए श्रीगणेश जी के दोनों पैर जमीन को स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आती है। घर में भगवान श्रीगणेश का चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। घर में भगवान श्रीगणेश की ज्यादा मूर्तियां या तस्वीरें नहीं होनी चाहिए।

इनकी शरण में गए थे भगवान के ये अवतार

भगवद् गीता जी में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, विगतेच्छा भय क्रोधो य : सदा मुक्त एव स : जो इच्छा, भय और क्रोध से रहित है वह सदा मुक्त ही है। इस उपरोक्त ज्ञान रूप तप से पवित्र होकर बहुत से भक्त भगवान के स्वरूप को प्राप्त कर चुके हैं। जो मनुष्य सदैव कामनाओं के अधीन रहता है उसमें सदैव भय व्याप्त रहता है। कामनाओं में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से विवेक रूपी ज्ञान शक्ति का नाश होता है।

इसलिए हे अर्जुन। न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला नि :संदेह कुछ भी नहीं है। भगवान के नाम का आश्रय लेने वाला सदैव भय मुक्त रहता है। असुरराज रावण, जिसे ब्रह्मा जी से वर प्राप्त था, भगवान शिव की जिस पर विशेष कृपा थी, समस्त देवतागण, नवग्रह जिसके अधीन थे। केवल भगवान श्री राम नाम का आश्रय लेकर ज्ञानियों में अग्रगण्य श्री हनुमान जी ने उसकी लंका को भस्मीभूत कर दिया। बाली पुत्र अंगद ने अपने प्रभु के नाम के बल पर ही रावण की सभा में बड़े-बड़े योद्धाओं को अपने पृथ्वी पर जमाए हुए पैर को हिलाने के लिए आमंत्रित किया। भय मुक्त अंगद के मुख पर जो आत्मविश्वास था, वह केवल भगवद् नाम की ही कृपा थी जिस कारण रावण सहित सभी योद्धाओं को अपमानित होना पड़ा था। जब तक मनुष्य के मन में भय समाया रहता है तब तक उसमें निश्चयात्मिका बुद्धि का अभाव रहता है। जब तक अर्जुन के मन में युद्ध के प्रति भय था, कि कहीं उसके हाथों अपने गुरुजनों का वध हो जाने से, अधर्म न हो जाए, वह इस निर्णय को लेने में अक्षम थे कि युद्ध करने, अथवा न करने में सही विकल्प कौन-सा है। भगवान की शरण प्राप्त करने से ही वह श्रेष्ठ निर्णय लेने में सफल रहे, जब उन्होंने स्वयं को भगवान का शिष्य मान लिया। शिष्यस्तेहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम। इस प्रकार अर्जुन ने सभी प्रकार से भगवान की शरण प्राप्त कर ली।

मनुष्य जीवन में निर्णय-अनिर्णय की स्थिति सदैव बनी रहती है। विवेक शक्ति से युक्त होकर ही मनुष्य सही निर्णय का चुनाव करता है। भय से युक्त मन में विवेक शक्ति का अभाव होता है। मार्कण्डेय ऋषि मां भगवती से अभय प्रदान करने के लिए स्तुति करते हैं :
सर्व स्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते।
भयभयस्राहि नो देवि दुर्गे देवि नमोस्तुते।
हे मां! आप सर्वस्वरूपा, सर्वेश्वरी, सभी शक्तियों से सम्पन्न हैं। आप मुझे भय से मुक्त करें। हे देवि! आपको नमस्कार है। मां आदि शक्ति सभी प्रकार के भय का नाश करने वाली है।

षोड वर्ष के बालक मार्कण्डेय ने मृत्यु को समीप जान, जब मृत्युंजय भगवान शिव जी की चंद्रशेखरमाश्रय मम किं करिष्यति वै यम : से स्तुति कर भगवान शिव को प्रसन्न कर न केवल आश्रय प्राप्त किया अपितु भगवान शिव से अमरत्व भी प्राप्त किया। भय नाम अंधकार का है। यह अंधकार अज्ञानता, अश्रद्धा और संशययुक्त बुद्धि से उत्पन्न होता है। इसी से जीव का नाश होता है।

योगी और भोगी दोनों को अंतिम समय का भय होता है परन्तु दोनों के भय में अंतर है। भोगी जीवन भर सांसारिक पदार्थों का संग्रह करता है ताकि बुढ़ापे के समय उसका जीवन कष्टमय न हो। योगी जीवन पर्यन्त यह अभ्यास करता है कि प्रयाण काल (शरीर छोड़ते समय) में उसकी चित्त वृत्ति परमात्मा में स्थिर रहे क्योंकि यह नियम है कि परमेश्वर के ध्यान के अभ्यास रूप योग से युक्त, दूसरी ओर न जाने वाले चित्त से निरंतर चिंतन करता हुआ मनुष्य परम प्रकाश रूप दिव्य पुरुष को अर्थात परमेश्वर को ही प्राप्त होता है। जटायु, बाली, भीष्म पितामह ने अंतिम समय में अपनी चित्त वृत्तियों को भगवान के श्रीमुख पर स्थिर कर परमधाम प्राप्त किया।

श्री राम चंद्र कृपालु भज मन।
हरण भव भय दारूणम

भगवान श्री राम अत्यंत कृपालु हैं तथा सांसारिक बंधनों के भय से मुक्त करने वाले हैं इसलिए हे मन। तू केवल उनका नाम ही भज।

वंदे विष्णुं

सभी लोकों के एकमात्र स्वामी भव भय हरने वाले भगवान विष्णु की हम वंदना करते हैं। उपरोक्त स्तुतियों में भय से मुक्ति हेतु ही भगवान की वंदना भक्तों द्वारा की जाती है। काक भुशुण्डि जी श्रीराम की कृपा से, भागवत प्रवक्ताओं में अग्रगण्य शुकदेव मुनि जी भगवान श्री कृष्ण जी की कृपा से ही निर्भय होकर इस संसार में विचरण करते हैं। माया के बंधन में बंधा जीव सदैव भय से युक्त रहता है। केवल भगवद् नाम का आश्रय ही जीव की बुद्धि को निर्भय बनाता है। उसके लिए आवश्यक है कि मनुष्य भगवान की दिव्य लीलाओं का स्वाध्याय करे अथवा श्रवण परायण होकर रसास्वादन करे। कलिकाल में केवल गोविंद नाम ही सब प्रकार के भय का नाश करने वाला है।

पीपल की पूजा का रहस्य

दधीचि पुत्र पिप्पलाद ने जब माता से अपने पिता की देवताओं द्वारा अस्थियां मांगे जाने और उनसे बने वज्र से अपने प्राण बचाने का पौराणिक विवरण सुना तो उनके मन में देवताओं के प्रति घृणा उपजी। मैं इनसे पिता को 'सताने' का बदला लूंगा। ऐसा संकल्प करके पिप्पलाद तप करने लगे। कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और बोले, वर मांगो।

पिप्पलाद ने नमन किया और बोले, प्रभु! अगर आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो कृपा करके अपना रौद्र रूप प्रकट कीजिए और इन देवताओं को जलाकर भस्म कर दीजिए। शिव यह अनुरोध सुन कर स्तब्ध रह गए, परंतु वचन तो पूरा करना ही था। देवताओं को जलाने के लिए तीसरा नेत्र खोलने का उपक्रम करने लगे। इस आरंभ की प्रथम परिणति यह हुई कि पिप्पलाद का रोम-रोम जलने लगा। वह चिल्लाए और बोले, प्रभु! यह क्या हो रहा है? देवता नहीं, उल्टा मैं ही जला जा रहा हूं। शिव ने कहा, देवता तुम्हारी देह में ही समाए हुए हैं। अवयवों की शक्ति उन्हीं की सामर्थ्य है। देव जलें और तुम अछूते बचे रहो यह तो संभव नहीं है। पिप्पलाद ने अपनी याचना वापस ले ली तो शिव ने कहा, देवताओं ने त्याग का अवसर देकर तुम्हारे पिता को कृत-कृत्य और तुम्हें गौरवान्वित किया है। मरण तो होता ही है, न तुम्हारे पिता बचते और न काल के ग्रास से वृत्रासुर बचा रहता। यश, गौरव प्राप्त करने का लाभ प्रदान करने के लिए देवताओं के प्रति कृतज्ञ होना ही उचित है। पिप्पलाद का भ्रम दूर हो गया। उनकी तपस्या आत्म-कल्याण की दिशा में मुड़ गई। पिप्पलाद को ही पीपल कहते हैं। उनके त्याग, साधना और परोपकार की भावना के कारण उन्हें पूजा जाने लगा। पीपल समस्त वृक्षों में सबसे पवित्र इसलिए माना गया है क्योंकि स्वयं भगवान श्रीहरि विष्णु पीपल में निवास करते हैं। श्रीमद् भागवत गीता में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपने श्रीमुख से उच्चारित किया है कि, वृक्षों में मैं 'पीपल' हूं।

स्कंद पुराण के अनुसार पीपल के मूल (जड़) में विष्णु, तने में केशव, शाखाओं में नारायण, पत्तों में भगवान हरि और फलों में समस्त देवताओं से युक्त भगवान सदैव निवास करते हैं।

ऑक्सीजन 'प्राण-वायु' कही जाती है। प्रत्येक जीवधारी ऑक्सीजन लेता है व कार्बन डाईआक्साइड छोड़ता है। ऑक्सीजन देने के अतिरिक्त पीपल में अनेक विशेषताएं हैं जैसे इसकी छाया सर्दी में गर्मी देती है और गर्मी में शीतलता देती है। इसके अतिरिक्त पीपल के पत्तों से स्पर्श करने से वायु में मिले संक्रामक वायरस नष्ट हो जाते हैं। इसकी छाल, पत्तों और फल आदि से अनेक प्रकार की रोगनाशक दवाएं बनती हैं। इस दृष्टि से भी पीपल पूजनीय है।

भगवान शिव ने कब, कहां और किसे दिया अमरत्व का वरदान

भारत विभिन्न संस्कृति और धर्मों का घर है। हमारे देश में भिन्न-भिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। भारत के प्रसिद्ध धार्मिक पूजा स्थलों में से एक अमरनाथ धाम है। अमरनाथ हिंदुओं का प्रमुख तीर्थस्थल है। कश्मीर राज्य के उत्तर पूर्व से 135 हजार मीटर की दूरी पर अमरनाथ की गुफा स्थित है। अमरनाथ गुफा भगवान शिव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। कहा जाता है कि इसी गुफा में भगवान शिव ने मां पार्वती को अमर कथा का रहस्य बताया था। एक बार पार्वती द्वारा अमर होने की कथा सुनने की जिद्द करने पर भगवान शिव पार्वती को अमर कथा सुनाने के लिए समुद्रतल से 13,600 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस स्थान पर लाए। गुफा में प्रवेश करने से पहले भगवान शिव ने अपने गले में सुशोभित नाग और सिर पर सजे चांद को उतार दिया। ताकि माता पार्वती के अलावा कोई और कथा न सुन सके। यहां आकर उन्होंने माता पार्वती को कथा सुनानी आंरभ की लेकिन माता को कथा के मध्य में ही नींद आ गई। इस दौरान इस गुफा में कबूतरों के दो बच्चों ने जन्म लिया, जिन्होंने अमर कथा सुन अमरता प्राप्त की। जब शिव जी को यह ज्ञात हुआ तो वह क्रोधित हो गए और उन्हें मारने के लिए आगे बढ़े। तभी कबूतरों ने भगवान शिव को कहा कि अगर वे उन्हें मारेंगे तो अमर कथा झूठी साबित हो जाएगी। तब शिव जी ने अपने क्रोध को शांत कर उन्हें वरदान दिया कि युगों-युगों तक तुम दो कबूतरों का जोड़ा शिव-पार्वती का प्रतीक बन कर इस गुफा में निवास करेगा। उसी समय से यह स्थान अमरनाथ गुफा के नाम से प्रचलित हुआ। मान्यता है कि इन कबूतरों के दर्शन करने से शिव-पार्वती के दर्शनों जितना पुण्य मिलता है। इनके दर्शनों से वंचित रहने वाले हर व्यक्ति की यात्रा असफल मानी जाती है।

फीफा विश्व कप के बीच आई बुरी खबर

नीदरलैंड के फॉरवर्ड गाकपो के अजन्मे बेटे की गर्भ में मौत

वाशिंगटन : नीदरलैंड के फॉरवर्ड कोडी गाकपो की 'पार्टनर' (महिला मित्र) ने घोषणा की है कि गर्भावस्था के दौरान उनके अजन्मे बेटे की मृत्यु हो गई। गाकपो और मॉडल नोआ वैन डेर बिज का पहले से ही एक बेटा है और अक्टूबर में उनकी दूसरी संतान होनी थी। गाकपो अभी विश्व कप में टीम के साथ हैं, जहां नीदरलैंड नॉकआउट चरण में पहुंच चुका है। वैन डेर बिज ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें दोनों कंबल और छोटी बुनी हुई टोपी के ऊपर हाथ पकड़े हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह घोषणा भी की कि बच्चे की मौत हो गई है। वैन डेर बिज ने लिखा, 'आपके प्यार और समर्थन के लिए आभार। एलिजय राफेल गाकपो। हमेशा प्रिय। हमेशा हमारा बेटा।' अपनी पोस्ट में गाकपो ने लिखा, 'यह हमारे परिवार के लिए बेहद मुश्किल समय है। हम आपसे निजता और एकांत बनाए रखने का अनुरोध करते हैं।' गाकपो ने स्वीडन के खिलाफ नीदरलैंड की जीत में दो गोल किए और टीम को अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान दिलाने में मदद की। नीदरलैंड सोमवार को राउंड ऑफ 32 में मोरक्को से भिड़ेगा।

महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड का सफर खत्म

तीन दिग्गज खिलाड़ियों ने टी20 को कहा अलविदा

महिला टी20 विश्व कप 2026 में मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड का अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया। इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के साथ व्हाइट फर्न्स न केवल टूर्नामेंट से बाहर हो गई, बल्कि टीम की तीन दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और लिया ताहूहू ने भी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया। मैच के बाद इंग्लैंड की खिलाड़ियों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर इस महान तिकड़ी को भावुक विदाई दी।

मेली केर ने संभाली पारी, लेकिन टीम नहीं बचा सकीं

पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 163 रन बनाए। कप्तान सोफी डिवाइन ने 14 गेंदों में 30 रन की तेज पारी खेलकर अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद मेली केर ने 34 गेंदों में 42 रन बनाकर पारी को संभाला। उनकी पारी में छह चौके शामिल रहे। हालांकि बाकी बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं बना सके। इंग्लैंड की ओर से डैनी गिब्सन ने सबसे प्रभावी गेंदबाजी करते हुए दो विकेट हासिल किए।

ग्रुप स्टेज में ही बाहर हुई डिफेंडिंग चैंपियन – महिला टी20 विश्व कप 2026 की विजेता बनकर उतरी न्यूजीलैंड टीम इस बार उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। वेस्टइंडीज, श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के बाद टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। टूर्नामेंट का अंत न्यूजीलैंड के लिए बेहद निराशाजनक रहा।

तीन दिग्गज खिलाड़ियों का शानदार करियर हुआ खत्म – इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और तेज गेंदबाज लिया ताहूहू के टी20 इंटरनेशनल करियर का आखिरी मैच साबित हुआ। मुकाबले के बाद इंग्लैंड की टीम ने मैदान पर दोनों टीमों के बीच गार्ड ऑफ ऑनर बनाकर इन तीनों दिग्गजों को सम्मानजनक विदाई दी, जिसने सभी क्रिकेट प्रेमियों को भावुक कर दिया।

इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने बनाई सेमीफाइनल में जगह – इस जीत के साथ इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। दूसरी ओर, मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड का अभियान ग्रुप चरण में ही समाप्त हो गया। टीम के लिए यह हार इसलिए भी यादगार रही क्योंकि इसी मुकाबले के साथ तीन महान खिलाड़ियों के शानदार टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का भी अंत हो गया।

बेल्जियम ने जीता एफआईएच प्रो लीग का खिताब

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए किया क्वालिफाई

नई दिल्ली । बेल्जियम की पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग 2026 का खिताब जीतते हुए एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। नीदरलैंड्स को 2-1 से हराकर बेल्जियम ने एक मैच शेष रहते ही चैंपियन बनने के साथ-साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इस उपलब्धि के साथ बेल्जियम ओलंपिक में जगह पक्की करने वाली पहली पुरुष हॉकी टीम बन गई है।

नीदरलैंड्स को हराकर जीता दूसरा प्रो लीग खिताब – शनिवार को खेले गए मुकाबले में बेल्जियम ने नीदरलैंड्स को 2-1 से मात देकर एफआईएच प्रो लीग का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ टीम ने अंक तालिका में ऐसी बढ़त बना ली कि एक मैच बाकी रहते ही उसे चैंपियन घोषित कर दिया गया। यह बेल्जियम का एफआईएच प्रो लीग इतिहास में दूसरा खिताब है। इससे पहले टीम ने 2021 में पहली बार यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती थी।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का टिकट भी किया पक्का

एफआईएच प्रो लीग जीतने के साथ ही बेल्जियम ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का कोटा भी हासिल कर लिया। मेजबान अमेरिका पहले ही क्वालिफाई कर चुका है, जबकि बेल्जियम उपलब्ध 12 कोटा में जगह बनाने वाली पहली पुरुष टीम बन गई। महिला वर्ग में प्रो लीग चैंपियन बनने के बाद पहला ओलंपिक कोटा नीदरलैंड्स की महिला टीम को मिला।

विसेंट वनाश बने प्लेयर ऑफ द मैच

बेल्जियम के गोलकीपर विसेंट वनाश को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने पूरे मुकाबले में कई अहम बचाव किए और टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मैच के बाद वनाश ने कहा कि टीम ने शुरुआत से अंत तक शानदार संघर्ष किया और इस जीत की पूरी हकदार थी। उन्होंने कहा कि मौजूदा पीढ़ी द्वारा इतिहास में दूसरी प्रो लीग ट्रॉफी जीतना गर्व की बात है। साथ ही उन्होंने विश्व कप और लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए क्वालिफाई करने पर भी खुशी जताई।

- **हेंड्रिक्स और बून ने दिलाई यादगार जीत** – बेल्जियम की जीत में अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स और टॉम बून ने अहम भूमिका निभाई। दोनों खिलाड़ियों ने एक-एक गोल कर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई। नीदरलैंड्स की ओर से तीसरे क्वार्टर में टिज़मेन रेयेंगा ने गोल कर मुकाबले को रोमांचक बनाया, लेकिन बेल्जियम ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए अपनी बढ़त आखिर तक कायम रखी।

अफ्रीका ने रचा इतिहास

पहली बार नॉकआउट राउंड में 9 टीमें पहुंचीं

न्यूयॉर्क । फीफा विश्व कप 2026 में अफ्रीकी फुटबॉल ने नया इतिहास रच दिया है। पहली बार अफ्रीका की रिकॉर्ड नौ टीमें टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण (राउंड ऑफ 32) में पहुंची हैं। कांगो की उज्बेकिस्तान पर शानदार जीत और ऑस्ट्रिया के खिलाफ अल्जीरिया के रोमांचक ड्रॉ ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मुहर लगा दी। मोरक्को, मिस्र, सेनेगल और घाना जैसी मजबूत टीमों के साथ केप वर्दे और कांगो जैसी टीमों ने भी शानदार प्रदर्शन कर दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

राउंड ऑफ 32 में पहुंचने वाली अफ्रीकी टीमें :

मोरक्को
दक्षिण अफ्रीका
सेनेगल
आइवरी कोस्ट
घाना
केप वर्दे
मिस्र
अल्जीरिया
कांगो

विश्व कप 2026 के लिए अफ्रीका से कुल 10 देशों ने क्वालीफाई किया था, जिनमें से नौ ने अब नॉकआउट में भी अपनी जगह बना ली है।

अफ्रीका की रिकॉर्ड 9 टीमों ने किया नॉकआउट के लिए क्वालीफाई – अटलांटा में खेले गए मुकाबलों के बाद अफ्रीका की नौ टीमों ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की कर ली। इससे पहले किसी भी विश्व कप में इतने अफ्रीकी देश नॉकआउट चरण तक नहीं पहुंच पाए थे।

- **कांगो की जीत ने रचा इतिहास** – कांगो ने उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराकर नॉकआउट में प्रवेश किया। मुकाबले में उज्बेकिस्तान ने 10वें मिनट में एल्डोर शोमुरोदोव के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद कांगो ने शानदार वापसी की। योएन विस्सा ने 68वें और इंजरी टाइम (90+1) में दो गोल दागे, जबकि फिस्टन मायेले ने 78वें मिनट में गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। विस्सा को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अब कांगो का अगला मुकाबला इंग्लैंड से होगा, जिसे टीम के लिए सबसे बड़ी परीक्षा माना जा रहा है।
- **अफ्रीकी फुटबॉल की बढ़ती ताकत** – इस विश्व कप ने साबित कर दिया कि अफ्रीकी फुटबॉल अब केवल कुछ चुनिंदा टीमों तक सीमित नहीं है। केप वर्दे और कांगो जैसी उभरती टीमों का नॉकआउट में पहुंचना इस महाद्वीप की बढ़ती प्रतिस्पर्धा और प्रतिभा का बड़ा प्रमाण है। विश्व कप के इतिहास में पहले केवल छह अफ्रीकी देश ही कभी नॉकआउट चरण तक पहुंच पाए थे, लेकिन 2026 संस्करण ने इस रिकॉर्ड को पूरी तरह बदल दिया।

आमिर जंगू ने लारा और गेल की बराबरी की, श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में ऐतिहासिक दोहरा शतक लगाया

एंटीगा : वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज आमिर जंगू ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में में रिकॉर्ड 233 की पारी खेलकर इतिहास रच दिया। दस दोहरे शतक के साथ वह ब्रायन लारा और क्रिस गेल के बाद श्रीलंका के खिलाफ़ टेस्ट दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे कैरेबियाई बल्लेबाज बन गए। सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में इस 28 वर्षीय बल्लेबाज ने अपना पहला दोहरा शतक लगाकर शानदार अंदाज में यह उपलब्धि हासिल की। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए जंगू ने 342 गेंदों में अपना दोहरा बनाया। उन्होंने सोनल दिनुशा की गेंद पर एक रन लेकर अपनी यादगार पारी पूरी की। यह पारी अनुशासन, धैर्य और नियंत्रित आक्रामकता का बेहतरीन उदाहरण थी।

यह उपलब्धि जंगू के शुरुआती अंतरराष्ट्रीय करियर का एक और शानदार अध्याय है। अपने वनडे डेब्यू पर शतक लगाकर अपनी पहचान बनाने के बाद अब वे वेस्टइंडीज क्रिकेट के सबसे खास रिकॉर्ड बुक में शामिल हो गए हैं और देश के दो महानतम बल्लेबाजों की बराबरी कर ली है। ब्रायन लारा श्रीलंका के खिलाफ 200 रन का आंकड़ा पार करने वाले पहले वेस्टइंडीज खिलाड़ी थे। उन्होंने 2001 में कोलंबो में 221 रन बनाए थे और फिर 2003 में सेंट लूसिया में 209 रनों की एक और शानदार पारी खेली थी। क्रिस गेल ने 2010 में गाले में 333 रनों की विशाल पारी खेलकर इस विरासत को और आगे बढ़ाया। यह पारी आज भी श्रीलंका के खिलाफ किसी भी बल्लेबाज का सबसे बड़ा व्यक्तिगत टेस्ट स्कोर है। गेल पाकिस्तान के यूनिस खान के साथ उन दो बल्लेबाजों में से एक हैं जिन्होंने इस द्वीप देश के खिलाफ टेस्ट में तिहरा शतक लगाया है। जंगू की शानदार पारी वेस्टइंडीज की पहली पारी की मजबूत नींव बनी। उन्होंने कप्तान रोस्टन चेज के साथ मिलकर एक बड़ी साझेदारी की, जिसने श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया और मेजबान टीम को सीरीज के पहले मैच में मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

किदांबी श्रीकांत फाइनल में पहुंचे, देविका सिहाग और रौनक चौहान का शानदार सफर थमा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत के स्टार शटलर और पूर्व विश्व नंबर-एक किदांबी श्रीकांत ने बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जापान के चौथी वरीयता प्राप्त युदाई ओकिमोटो को 22-20, 15-21, 21-19 से हराकर इस साल पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने यह मुकाबला एक घंटे 12 मिनट में अपने नाम किया।

तीनों गेम में दिखा जबरदस्त संघर्ष – पहले गेम में श्रीकांत ने 17-11 की बढ़त बना ली थी, लेकिन ओकिमोटो ने शानदार वापसी करते हुए गेम प्वाइंट हासिल कर लिया। हालांकि भारतीय खिलाड़ी ने दबाव में संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक जीतकर पहला गेम 22-20 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में जापानी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए 21-15 से जीत दर्ज की और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

चेक ओपन 2026:

दीक्षा डागर की दमदार वापसी, तीन भारतीय महिला गोल्फरों ने कट किया पार

नई दिल्ली। चेक गणराज्य में खेले जा रहे टिप्सपोर्ट चेक लेडीज ओपन 2026 में भारतीय महिला गोल्फरों ने शानदार प्रदर्शन किया है। पूर्व चैंपियन दीक्षा डागर ने दूसरे दौर में एक अंडर 69 का कार्ड खेलकर खिताब की दौड़ में खुद को बनाए रखा। उनके अलावा प्रणवी उर्स और वाणी कपूर ने भी कट हासिल कर भारत की चुनौती को मजबूत किया। हालांकि अवनि प्रशांत, रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी कट पार करने में सफल नहीं हो सकीं।

दीक्षा डागर ने बनाए रखी खिताब जीतने की उम्मीद – 2019 की चैंपियन दीक्षा डागर ने दूसरे राउंड में संयमित खेल दिखाते हुए एक अंडर 69 का स्कोर बनाया। पहले दिन के शानदार 66 के बाद उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और 36 होल के बाद कुल नौ अंडर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गईं। हाल ही में डच लेडीज ओपन में संयुक्त तीसरे स्थान पर रहने वाली दीक्षा शानदार लय में नजर आ रही हैं। वह लीडर से सिर्फ चार शॉट पीछे हैं और अंतिम दौर में मजबूत चुनौती पेश कर सकती हैं।

प्रणवी उर्स और वाणी कपूर ने भी किया प्रभावित – भारत की युवा गोल्फर प्रणवी उर्स ने दूसरे दौर में बेहतरीन 67 का कार्ड खेलकर अपनी स्थिति मजबूत की और आसानी से कट हासिल किया। वहीं अनुभवी वाणी कपूर ने 70 का स्कोर बनाकर सप्ताहांत के मुकाबलों में जगह बनाई। तीन भारतीय खिलाड़ियों का अंतिम दो दौर में पहुंचना भारतीय गोल्फ के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

भारतीय गोल्फ की नजरें अब अंतिम दौर पर – तीन भारतीय खिलाड़ियों के कट पार करने से भारतीय प्रशंसकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

तीन भारतीय खिलाड़ियों का अभियान हुआ समाप्त

दूसरी ओर भारत की अवनि प्रशांत, रिद्धिमा दिलावड़ी और हिताशी बख्शी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं। तीनों खिलाड़ी कट लाइन पार करने में नाकाम रहीं और उनका अभियान दूसरे दौर के बाद ही समाप्त हो गया।

स्वीडन और इंग्लैंड की खिलाड़ियों के बीच शीर्ष स्थान की जंग

टूर्नामेंट में फिलहाल स्वीडन की लिसा पीटरसन और इंग्लैंड की चार्लोट हीथ संयुक्त बढ़त पर हैं। दोनों खिलाड़ियों का कुल स्कोर 13 अंडर पार है। हालांकि दीक्षा डागर उनसे केवल चार शॉट पीछे हैं। ऐसे में अंतिम दौर में मजबूत प्रदर्शन उन्हें एक बार फिर खिताब की दौड़ में सबसे बड़े दावेदारों में शामिल कर सकता है।

अर्जेंटीना की धमाकेदार जीत, मेसी का छठा गोल

ऑस्ट्रिया और अल्जीरिया भी नॉकआउट में पहुंचे

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-जे के दो मैच खेले गए, जिससे लीग स्टेज का अंत बेहद रोमांचक अंदाज में हुआ। भारत में 12 जून से शुरू हुए लीग स्टेज 28 जून को जाकर खत्म हुआ। डिफेंडिंग चैंपियंस अर्जेंटीना के सामने जॉर्डन की चुनौती थी, लेकिन उन्होंने 3-1 से जीत हासिल की। जबकि ऑस्ट्रिया और अल्जीरिया के बीच खेला गया मैच टक्कर का रहा, जो 3-3 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस ग्रुप से अर्जेंटीना, अल्जीरिया और ऑस्ट्रिया तीनों टीमों ने राउंड ऑफ 32के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जबकि जॉर्डन का सफर ड्रॉ के साथ ही समाप्त हुआ।

कैसा रहा अर्जेंटीना बनाम जॉर्डन मैच का हाल?

डलास स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मेसी की अर्जेंटीना ने जॉर्डन को 3-1 से मात दी। इस मैच में पूरे मैच में अर्जेंटीना का दबदबा देखने को मिला। मैच के 24वें मिनट में जियोवानी लो सेल्सो ने शानदार गोल कर अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद 31वें मिनट में जॉर्डन के डिफेंस ने अपने बॉक्स के अंदर फाउल किया, जिसके बाद अर्जेंटीना को पेनेल्टी शूट अवॉर्ड किया गया, जिसमें बिना कोई गलती किए लौटारो मार्टिनेज ने गोल दागा और अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया।

मैच में फिर जॉर्डन ने वापसी की कोशिश की। दूसरे हाफ में उन्होंने पलटवार किया। 55वें मिनट में मूसा अल तमारी ने गोल कर स्कोर को 2-1 पर पहुंचा दिया। मेसी ने 80वें मिनट पर अपना इस विश्व कप का छठा गोल दागा और इस तरह अर्जेंटीना ने 3-1 का स्कोर कर दिया। इसके बाद कोई टीम गोल नहीं कर सकी और अर्जेंटीना ने 3-1 से मैच जीतकर अगले राउंड में मजबूती से कदम बढ़ाए। वहीं, जॉर्डन की टीम का सफर समाप्त हुआ।

ऑस्ट्रिया बनाम अल्जीरिया का मैच कैसा रहा?

कैंसस सिटी में खेला गया यह मैच बेहद ही रोमांच से भरपूर रहा। ये मुकाबला 3-3 की बराबरी पर छूटा, लेकिन दोनों ही टीमें राउंड ऑफ 32 में जगह बनाने में कामयबा रही। मैच में मार्को अर्नातोविच ने 28वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को अल्जीरिया पर 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद अल्जीरिया के राफिक बेलघाली ने 45वें मिनट में गोल कर स्कोर को 1-1 पर पहुंचाया। फिर ऑस्ट्रिया के मार्सेल सबित्जर ने 55वें मिनट में गोल किया और टीम को 2-1 से आगे कर दिया। फिर रियाद महरेज ने गोल कर 2-2 स्कोर कर दिया। रियाद ने इंजरी टाइम में 90+3वें मिनट में गोल किया अल्जीरिया को 3-2 से आगे कर दिया। ऐसा लगा कि ऑस्ट्रिया की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी, लेकिन सासा कालजिच ने 90+6वें मिनट में गोल दागकर स्कोर को 3-3 कर दिया। इस तरह मैच 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ और दोनों टीमों ने नॉकआउट का टिकट कटाया।

टाइपकास्टिंग से लगता है डर

एक्टर रणवीर शौरी अपनी वर्सेटैलिटी के लिए जाने जाते हैं। वो अक्सर अपने किरदारों के साथ प्रयोग करते रहते हैं। एक्टर का मानना है कि उन्हें टाइपकास्ट होने से सबसे ज्यादा डर लगता है। इसीलिए वो अपने किरदारों के साथ अलग-अलग तरह का प्रयोग करते रहते हैं।

मैंने एक जैसे रोल दोहराने की कोशिश नहीं की

पीटीआई के साथ हालिया बातचीत में रणवीर शौरी ने अपने किरदारों और टाइपकास्ट होने के डर को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि मैंने कभी भी एक जैसे रोल दोहराने की कोशिश नहीं की, क्योंकि मैं फिल्म इंडस्ट्री के बाहरी दायरे में पला-बढ़ा हूं। जब से मैं एक्टर बना हूं, टाइपकास्टिंग का डर मुझे परेशान करता रहा है और इसी बात ने मेरे कई फैसलों पर असर डाला है। इसलिए हर बार मैं कुछ नया और बिल्कुल अलग करने की कोशिश करता हूं। मेरी यही कोशिश रहती है।

'पिरामिड स्कीम' में नजर आए रणवीर

रणवीर शौरी हाल ही में प्राइम वीडियो की सीरीज 'पिरामिड स्कीम' में नजर आए हैं। सात एपिसोड की यह सीरीज भारत में 'मल्टी-लेवल मार्केटिंग' और पोंजी स्कीम के नाम पर होने वाले करोड़ों के घोटालों की कड़वी सच्चाई को उजागर करती है। सीरीज की कहानी सांस्कृतिक रूप से समृद्ध हरिद्वार पर आधारित है। इसमें गोल्डी नाम के एक आकर्षक और मेहनती युवा की कहानी है जो बेहतर जिंदगी की तलाश में है, लेकिन किसी तरह पिरामिड मार्केटिंग की चकाचौंध भरी और अजीब तरह से भरोसेमंद लगने वाली दुनिया में फंस जाता है। इस सीरीज को श्रेयांश पांडे ने बनाया है और आशीष आर. शुक्ला और पांडे ने इसे डायरेक्ट किया है।

वरुण धवन की मां का रोल ऑफर होने पर ऐसा था मौनी रॉय का रिएक्शन

डेविड धवन की फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में मौनी रॉय ने वरुण धवन की नकली मां का रोल किया है। इस रोल के चलते उन्हें काफी आलोचना और सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा। लेकिन इस सबके बावजूद मौनी रॉय इस विवाद से परेशान नहीं हैं। इन बातों को नजरअंदाज करते हुए उनका कहना है कि उनका पूरा ध्यान सिर्फ डायरेक्टर की सोच के मुताबिक काम करने और उन्हें ठीक वैसा ही देने पर था, जैसा वे चाहते थे।

मुझे परवाह नहीं लोग क्या कहते हैं

बातचीत के दौरान मौनी रॉय ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर कहा कि मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकती। मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि क्या शोर-शराबा हो रहा था। मुझे इसकी परवाह नहीं थी कि लोग क्या कह रहे थे। यह बात बहुत बड़ी बन गई थी कि 'मेकर्स मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकते हैं!' लेकिन मुझे पता था कि मैंने फिल्म में क्या किया है। मुझे पता था कि मेरे डायरेक्टर बहुत खुश थे और फिल्म में जिन लोगों के साथ मैंने काम किया है, वे सभी भी खुश हैं।

फिल्म का हिस्सा बनने पर जताई खुशी

फिल्म का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए मौनी ने कहा कि शुरू में अपने रोल के बारे में सुनकर मुझे भी हैरानी हुई थी। सबसे पहले कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने मुझे फोन किया था। जब उन्होंने मुझे रोल के बारे में बताया, तो मेरा पहला रिएक्शन भी यही था। मैंने कहा, 'उनकी मां?' फिर मैंने जाकर डेविड सर और फरहाद सामजी (डायलॉग राइटर) से कहानी सुनी। मैं जोर-जोर से हंस पड़ी। जरा सोचिए वरुण मनीष को फोन करके कह रहे हैं, 'मां का फोन कॉल नहीं चाहिए, पूरी की पूरी मां चाहिए। निरूपा रॉय जैसी।' और फिर सीन कट होता है और मैं अंदर आती हूं, जहां कोई जिमी सर के किरदार से कह रहा है, 'क्या यह मां के रोल के लिए थोड़ी छोटी नहीं है?'

मैं डेविड धवन की बड़ी फैन रही हूं

फिल्ममेकर की तारीफ करते हुए मौनी ने डेविड धवन के लिए अपनी गहरी पसंद जाहिर की और बताया कि उन्होंने यह प्रोजेक्ट क्यों नहीं छोड़ा। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं डेविड धवन की बहुत बड़ी फैन हूं। उनकी फिल्में मेरी दोस्त जैसी हैं। उन्हें देखना मुझे सुकून देता है। उन्होंने कहा था कि यह उनकी आखिरी फिल्म होगी। साथ ही यह एक कॉमेडी फिल्म थी और मैं पहली बार कॉमेडी कर रही थी। इसलिए मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रही थी। उन्होंने मुझे सभी प्रमोशन से दूर रखा। यह एक अच्छा फैसला था क्योंकि इससे लोगों में उत्सुकता जगी कि फिल्म में यह क्या कर रही है।

पर्सनल ट्रेनर 2 में नया अवतार दिखाएंगी टीना दत्ता

ओटीटी की दुनिया में नई वेब सीरीज 'पर्सनल ट्रेनर 2' को लेकर खूब चर्चा हो रही है। इसमें टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री टीना दत्ता फिटनेस ट्रेनर नेहा मल्होत्रा नाम का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि वह भूमिका से तुरंत जुड़ गईं, क्योंकि असल जिंदगी में फिटनेस उनके जीवन का अहम हिस्सा है। वह योग, जिम और पिलेट्स रोजाना करती हैं, जिससे उन्हें इस किरदार को समझने में आसानी हुई। अभिनेत्री टीना दत्ता ने कहा, ''मेरा किरदार नेहा मल्होत्रा फिटनेस की शौकीन है। उसके कई शेड्स हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ेगी, इस किरदार की असली सच्चाई और उसके अलग-अलग पहलू धीरे-धीरे सामने आते जाएंगे। यही इस भूमिका को दिलचस्प बनाता है।'' टीना दत्ता ने कहा, ''इस सीरीज में दर्शक मुझे एक ऐसे अवतार में देखेंगे, जो पहले मैंने कभी नहीं निभाया था। जैसे ही मुझे इस शो के पहले सीजन की कहानी समझ आई थी, तभी मैंने दूसरे सीजन के लिए तुरंत हामी भर दी थी। यह प्रोजेक्ट मेरे करियर में एक नया और अलग अनुभव जोड़ने वाला है।''

इस सीरीज में टीना के साथ आकांक्षा पुरी, पूनम पांडे और राहुल सुधीर जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीना दता ने सीरी में काम करने के अनुभव को लेकर कहा, ''शूटिंग के दौरान मेरा अनुभव काफी अच्छा रहा, खासकर आकांक्षा पुरी के साथ काम करना मेरे लिए बेहद सुखद रहा। हम दोनों ही फिटनेस को लेकर काफी गंभीर हैं, इसलिए सेट पर अक्सर हम एक-दूसरे से वर्कआउट और हेल्थ टिप्स शेयर करते रहते थे। इससे शूटिंग का माहौल और भी सकारात्मक और ऊर्जा से भरा रहता था।'' बता दें कि 'पर्सनल ट्रेनर 2' मुंबई के हाई-प्रोफाइल जिम्स की दुनिया पर आधारित है, जहां फिटनेस के अलावा, पावर गेम्स और छुपी हुई राजनीति भी चलती है।

'द बैड्स ऑफ...2' पर काम शुरू, नई टोन में तैयार हो रही स्क्रिप्ट

आर्यन खान के निर्देशन और क्रिएटिव डेब्यू प्रोजेक्ट 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के दूसरे सीजन पर शुरुआती स्तर पर काम शुरू हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स फिलहाल स्क्रिप्ट और कहानी के डेवलपमेंट फेज पर फोकस कर रहे हैं। यदि प्री-प्रोडक्शन तय समय पर आगे बढ़ता है तो सीरीज की शूटिंग 2027 की पहली तिमाही में शुरू हो सकती है। आर्यन के लिए यह प्रोजेक्ट इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने अभिनय के बजाय निर्देशन और लेखन को अपने करियर का रास्ता चुना है। सूत्रों के अनुसार, टीम दूसरे सीजन को पहले पार्ट का विस्तार भर नहीं बनाना चाहती। स्टोरीलाइन, टोन और कहानी के अलग स्ट्रक्चर पर भी काम हो रहा है ताकि शो अपनी नई पहचान बना सके। पहले सीजन की क्रिएटिव टीम से जुड़े बिलाल सिद्दीकी भी राइटिंग प्रोसेस में शामिल हैं। सीरीज के प्रोडक्शन से जुड़े कुछ बड़े फैसले शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' के अगले शेड्यूल्स के बाद लिए जा सकते हैं। फिलहाल कहानी, कास्ट और रिलीज टाइमलाइन को लेकर मेकर्स ने गोपनीयता बनाए रखी है। आर्यन को भी जल्दबाजी में नहीं हैं। वह मजबूत राइटिंग के साथ ही आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं।

बचपन में जिन सितारों को देखती थी, आज उनके साथ काम कर रही हूं

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में अभिनेत्री मोना सिंह ने मेहनत और समर्पण के दम पर खास मुकाम बनाया है। इस कड़ी में मोना सिंह ने अपने सफल करियर का राज खोला है। उन्होंने बताया कि सफलता का सबसे बड़ा राज अपने काम से प्यार करना और कभी हार न मानना है। मोना सिंह ने अपने करियर के सफर को याद किया और बताया, ''मैंने हमेशा एक बात पर भरोसा किया है कि अगर इंसान की नीयत सही हो और वह अपने काम को पूरी ईमानदारी से करे, अपने हुनर को लगातार बेहतर बनाने की कोशिश करे, तो उसे काम जरूर मिलता है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए सिर्फ प्रतिभा ही काफी नहीं होती, बल्कि अनुशासन और मेहनत भी उतनी ही जरूरी होता है। यही बातें मुझे लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रही हैं।'' मोना ने कहा, ''मैं बचपन में जिन कलाकारों और फिल्मों को बड़े ध्यान से देखा करती थी, आज उन्हीं लोगों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। यह मेरे लिए बेहद गर्व और खुशी की बात है। जब मैं उन कलाकारों से मिलती हूं, उनके साथ शूटिंग करती हूं और उनकी आवाज में अपना नाम सुनती हूं, तो ऐसा महसूस होता है कि जैसे मेरी मेहनत सफल हो गई है। मैंने अपने करियर में जो भी हासिल किया है, वह लगातार मेहनत और धैर्य का नतीजा है।'' इन दिनों मोना सिंह कई बड़े और चर्चित प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं। हाल के समय में वह 'हैप्पी पटेल', 'बॉर्डर 2', 'कोहरा सीजन 2', 'सूबेदार' और 'मां का सम' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आई थीं। अब जल्द ही वह राजकुमार हिरानी की डेब्यू सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' में भी दिखेंगी। इस सीरीज का निर्देशन अविनाश अरुण ने किया है। वहीं, अरशद वारसी, वीर हिरानी, विक्रांत मैसी, बोमन ईरानी और मोना सिंह अहम भूमिकाओं में हैं। कॉमेडी और ड्रामा से भरपूर सीरीज 3 जुलाई को रिलीज होगी।

अच्छी-खासी नौकरी छोड़कर इन एक्टर्स ने फिल्मी दुनिया में रखा कदम

बॉलीवुड के कई ऐसे सितारे हैं, जो फिल्मों से पहले अच्छी-खासी नौकरी करते थे, लेकिन उनका मुकाम वो नहीं था। इसीलिए उन्होंने नौकरी छोड़कर फिल्मों की ओर रुख किया। जानिए कुछ ऐसी ही सितारों के बारे में, जो पहले कुछ और थे, और अब जानी-मानी हस्ती। फिल्म इंडस्ट्री में नाम कमाना आसान नहीं होता। लेकिन कुछ ऐसे स्टार्स भी हैं, जिन्होंने अपनी अच्छी-खासी नौकरी छोड़कर अपने सपनों के पीछे दौड़ लगाई और आखिरकार बड़ी सफलता हासिल की। जानिए कौन थे वो एक्टर्स, जिन्होंने नौकरी छोड़कर फिल्मी दुनिया में कदम रखा।

आयुष्मान खुराना

फिल्मों में आने से पहले आयुष्मान खुराना रेडियो जॉकी और टीवी प्रेजेंटर थे। उन्होंने एक सुरक्षित मीडिया करियर छोड़कर बॉलीवुड में कदम रखा और सफल हुए।

सोनू सूद

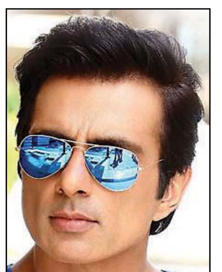

एक्टर बनने से पहले सोनू सूद ने इलेक्ट्रॉनिक्स में इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और इंजीनियर के तौर पर काम भी किया। लेकिन उन्होंने यह सुरक्षित करियर छोड़कर मुंबई का रुख किया और एक्टिंग में अपना नाम बनाया।

आर. माधवन

स्टार बनने से पहले आर. माधवन पब्लिक स्पीकिंग और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट ट्रेनर थे। बाद में उन्होंने अपना करियर बदला और टीवी व फिल्मों में एंट्री की।

परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा का करियर कॉर्पोरेट दुनिया में था। वह यशराज फिल्म्स के मार्केटिंग डिपार्टमेंट में काम करती थीं, लेकिन बाद में उन्होंने एक्टिंग में डेब्यू किया।

विक्रांत मैसी

विक्रांत मैसी ने कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। उनके पास दूसरे प्रोफेशनल करियर के मौके भी थे, लेकिन उन्होंने पूरी तरह एक्टिंग पर फोकस किया और आज उन्हें काफी सराहना मिलती है।

हर्षवर्धन राणे

हर्षवर्धन राणे ने 200 रुपये लेकर मुंबई आए थे। फिल्मों से पहले वो हॉटल में वेटर के तौर पर काम करते थे, जिसके बदले में उन्हें 10 रुपये मिलते थे। इसके अलावा उन्होंने एसटीडी बूथ पर भी काम किया है। काफी समय बाद उन्हें मौका मिला और फिर एक फिल्म आई - 'सनम तेरी कसम', जिसके बाद उनकी जिंदगी बदल गई।

रणविजय सिंह

रणविजय सिंह पहले आर्मी में जाने की तैयारी कर रहे थे और उनके पास कई दूसरे करियर ऑप्शन भी थे। लेकिन MTV रोडीज ने उनकी जिंदगी बदल दी और वह टीवी पर्सनैलिटी बन गए।

तापसी पन्नू

तापसी पन्नू ने कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की है और वह सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल के तौर पर काम कर चुकी हैं। बाद में उन्होंने मॉडलिंग और फिर फिल्मों की दुनिया में कदम रखा।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

हिंदू सेना बालोद जिला कार्यकारिणी का हुआ गठन, बोधन भट्ट बने प्रदेश कोषाध्यक्ष,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बालोद। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता एवं प्रदेश अध्यक्ष हेमंत वर्मा की अनुशंसा पर प्रदेश महामंत्री निलेश श्रीवास्तव ने बालोद जिला कार्यकारिणी की घोषणा की। इस अवसर पर बालोद कुर्मी भवन में आयोजित जिला स्तरीय बैठक में प्रदेश महामंत्री निलेश श्रीवास्तव एवं जिला अध्यक्ष नंदा पसीने ने संगठन का विस्तार करते हुए विभिन्न पदाधिकारियों की नियुक्ति की। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी बोधन भट्ट को हिंदू सेना का प्रदेश कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वहीं पद्मिनी साहू को बालोद जिला महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा ममता पटेल को जिला उपाध्यक्ष, वर्षा दुबे को संगठन मंत्री, दुर्गा जोशी को सचिव तथा ज्योति पटेल को जिला कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों का पुष्पमाला के साथ भगवा गमछा पहनाकर स्वागत किया गया तथा संगठन की मजबूती और समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में उत्तम साहू, उदय साहू, दीपक यादव, विमल विश्वकर्मा, देवेंद्र साहू इंजीनियर ,श्वेता राजपूत, पुष्पा शांडिल या महामंत्री दल्ली राजहरा, डिलेश्वरी साहू , सुशीला गरिया, मीनाक्षी सोनकर, निर्मला कोसमा, सकुन बाई ,किसन बाई भोजेश्वरी साहू, श्यामा बाई साहू सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अमेरिका ने ईरान पर हमले का वीडियो किया जारी इस्राइल-लेबनान ने शांति समझौते पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन, एजेंसी। कतर के रास लाफान औद्योगिक क्षेत्र में हुए भीषण विस्फोट में जान गंवाने वाले आठ और भारतीय नागरिकों के शव भारत भेज दिए गए हैं। इसके साथ ही अब तक कुल 12 भारतीयों के पार्थिव शरीर स्वदेश लाए जा चुके हैं। भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। रास लाफान स्थित बरजान गैस आपूर्ति केंद्र में हुए विस्फोट में 13 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 12 भारतीय और एक पाकिस्तानी नागरिक शामिल थे। हादसे में 66 लोग घायल हुए हैं। भारतीय दूतावास ने घायलों से मुलाकात की और कहा कि सभी को उचित चिकित्सा सुविधा दी जा रही है। दूतावास ने शवों की स्वदेश वापसी में मदद के लिए कतर सरकार और अन्य एजेंसियों का आभार जताया।

ईरान ने युद्धविराम तोड़ा तो नतीजे भुगतने होंगे- ट्रंप : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की ओर से कथित तौर पर युद्धविराम उल्लंघन के सवाल पर सख्त प्रतिक्रिया दी है। ट्रंप ने कहा कि इसके क्या नतीजे होंगे, यह जल्द ही पता चल जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें यह पसंद नहीं आया कि ईरान ने एक दिन पहले गोलीबारी की। ट्रंप के मुताबिक, चार हमले किए गए थे, जिनमें से तीन को अमेरिकी बलों ने मार गिराया। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक महंगे वाणिज्यिक जहाज को नुकसान पहुंचा है। ट्रंप ने कहा कि ऐसी गतिविधियां नहीं होनी चाहिए। उनका यह बयान अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया है।

सुलेमानी की हत्या को लेकर क्या बोले ट्रंप : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान के पूर्व सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की हत्या को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि सुलेमानी की हत्या पिछले 100 वर्षों की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक थी। उन्होंने दावा किया कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई लोग भी सुलेमानी से डरते थे और उसकी मौत से खुश थे। ट्रंप ने कहा कि सुलेमानी का प्रभाव इतना बड़ा था कि उसकी मौत ने पूरे क्षेत्र की राजनीति को प्रभावित किया। हालांकि, ट्रंप के इस दावे पर ईरान की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

ट्रंप बोले- ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बना पाएगा : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि पिछले सप्ताह अमेरिका ने एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बना सकेगा। फेथ एंड फ्रीडम कोएलिशन की 2026 पॉलिसी कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि अब तक कोई भी अमेरिकी राष्ट्रपति ऐसा नहीं कर पाया था। उन्होंने कहा, 'हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे।' ट्रंप ने ईरानी नेतृत्व पर भी निशाना साधते हुए कहा कि अब कोई भी ईरान का नेतृत्व नहीं करना चाहता। ट्रंप के बयान को अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच अहम माना जा रहा है।

अमेरिका ने ईरान पर हमले का वीडियो किया जारी : अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने ईरान के ठिकानों पर किए गए सैन्य हमलों का वीडियो जारी किया है। अमेरिका ने दावा किया है कि यह कार्रवाई होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले के जवाब में की गई। वीडियो में अमेरिकी लड़ाकू विमानों द्वारा ईरान के कथित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए दिखाया गया है। सेंटकॉम के अनुसार, सिंगापुर के झंडे वाले मालवाहक जहाज एम/वी एवर लवली पर ड्रोन से हमला किया गया था। अमेरिकी सेना का आरोप है कि यह हमला ईरान की ओर से किया गया। जहाज उस समय ओमान के तट के पास होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहा था।

अमेरिकी सेना ने ईरान के मिसाइल ठिकानों पर किए हवाई हमले : अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने कहा कि उसके ईरान के मिसाइल और ड्रोन भंडारण ठिकानों व तटीय रडार साइट्स पर हमले किए हैं। यह कार्रवाई तब की गई, जब ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक जहाज को निशाना बनाया।

समझौते से देश की संप्रभुता बहाल होगी: लेबनानी प्रधानमंत्री : लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने कहा कि इस ढांचा समझौते का उद्देश्य इस्राइल की सभी लेबनानी क्षेत्रों से वापसी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि इससे देश की संप्रभुता बहाल होगी और लोग अपने घरों में सुरक्षित लौट सकेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि इस समझौते के दौरान लेबनान से यह अपेक्षा है कि वह अपने सभी क्षेत्रों पर राज्य की सेना के जरिये पूरा नियंत्रण स्थापित करे। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के मंत्रिमंडल के बयान और संसद का विश्वास इस बात की पुष्टि करता है कि देश में युद्ध और शांति का निर्णय केवल सरकार के पास होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका, अरब देशों और अन्य मित्र देशों के प्रयासों से यह समझौता संभव हुआ है।

त्रासदी के बीच गूंजी किलकारी, मलबे में बच्चे का जन्म; अब तक 920 की मौत, 3000 घायल, 50+ हजार लापता

काराकस, एजेंसी। दो शक्तिशाली भूकंपों से इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदी का सामना कर रहे वेनेजुएला में मृतकों की संख्या बढ़कर 920 हो चुकी है। करीब 3,360 लोग घायल हैं, जबकि 50 हजार से अधिक लोग लापता हैं। मलबे में अभी भी सैकड़ों लोगों के दबे होने की आशंका है। हर तरफ मौत व तबाही के मंजर के बीच काराकस में मलबे में दबी गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। राहत व बचाव कार्य में जुटे कर्मी जब उसके पास पहुंचे तो पता चला कि वह बच्चे को जन्म देने वाली है। तब मेडिकल टीम की मदद से महिला की मलबे के नीचे ही डिलीवरी कराई गई। उसने एक बच्चे को जन्म दिया। हर तरफ कंक्रीट और खौफनाक मंजर के बावजूद मां और बच्चा दोनों सुरक्षित बच गए। अभी दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना के वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं। लोग मां की हिम्मत और बचाव दल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। भारत ने छह टन राहत सामग्री व मेडिकल टीम भेजी वेनेजुएला में तबाही के बीच भारत ने मदद का हाथ बढ़ाया है। ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत शुक्रवार को वायुसेना के दो विमानों से सेना ने 41 सदस्यीय मेडिकल दल को घायलों के इलाज के लिए वेनेजुएला रवाना किया गया। विदेश मंत्रालय ने इस टीम के साथ लगभग छह टन चिकित्सा सामग्री और मानवीय राहत से जुड़ी सामग्री इस दल के साथ भेजी है। इसके अलावा भारत की आरोग्य मैत्री परियोजना के तहत एक विमान में अत्याधुनिक भीष्म क्यूब भी भेजा गया है।

यह टीम गाजियाबाद के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन से भेजी गई। भीष्म क्यूब की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह कम समय में स्थापित होकर लगभग 200 मरीजों तक को उपचार और जीवनरक्षक सुविधाएं प्रदान कर सकता है। इस प्रणाली ने भारत की आपदा प्रतिक्रिया क्षमता को नई मजबूती दी है। इसे दुनिया के विभिन्न संकटग्रस्त क्षेत्रों में त्वरित सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

फिर युद्धबंदियों की अदला-बदली की। दोनों देशों के अधिकारियों के अनुसार, इस बार दोनों तरफ से 160-160 कैदियों को छोड़ा गया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यूक्रेन के कब्जे वाले इलाके से 160 रूसी सैनिकों को वापस लाया गया, जबकि इसके बदले 160 यूक्रेनी युद्धबंदियों को छोड़ा गया। मंत्रालय के मुताबिक, वापस आए रूसी सैनिकों को पहले बेलारूस में चिकित्सा और मानसिक सहायता दी जा रही है। इसके बाद उन्हें आगे इलाज और देखभाल के लिए रूस भेजा जाएगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इस अदला-बदली में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने मानवीय मदद और मध्यस्थता की भूमिका निभाई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रिहा किए गए यूक्रेनी सैनिक 2022 से कैद में थे। जेलेंस्की ने कहा कि इनमें यूक्रेनी सशस्त्र बलों के जवान, स्टेट स्पेशल ट्रांसपोर्ट सर्विस, नेशनल गार्ड और स्टेट बॉर्डर गार्ड सर्विस के सदस्य शामिल हैं। शुक्रवार की यह अदला-बदली 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद रूस और यूक्रेन के बीच 76वीं कैदी अदला-बदली थी।

जिनेवा में पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन : पीओजेके में मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप

जिनेवा, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के खिलाफ यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने शुक्रवार को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय के बाहर स्थित 'ब्रोकन चेयर' स्मारक पर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 62वें सत्र के दौरान आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बल पीओजेके में लोगों पर दमन कर रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से 7 जून को रावलाकोट में हुई गोलीबारी का जिक्र किया, जिसमें कई लोगों की मौत और कई अन्य घायल हुए थे। यूकेपीएनपी के नेताओं जमील मकसूद और अमजद यूसुफ ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर दबाव बनाया जाए ताकि वह अपनी सुरक्षा बलों को क्षेत्र से हटाए और रावलाकोट में जारी घेराबंदी खत्म करे। प्रदर्शन के आयोजकों ने नागरिकों के खिलाफ बल प्रयोग और शांतिपूर्ण विरोध को दबाने के आरोपों की स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच कराने की मांग भी की। यूकेपीएनपी की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष जमील मकसूद ने कहा कि पार्टी पीओजेके के लोगों पर कथित दमन और आतंक के खिलाफ आवाज उठा रही है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र को पाकिस्तान से सुरक्षा बल हटाने और रावलाकोट की घेराबंदी समाप्त करने के लिए कहना चाहिए। यूकेपीएनपी के सदस्य अमजद यूसुफ ने दावा किया कि रावलाकोट में करीब दो लाख लोग अपने बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं।

अमेरिका ने भारतीय कंपनी और सीईओ समेत आठ पर लगाया बैन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अफ्रीकी देश सूडान में जारी गृहयुद्ध के बीच एक भारतीय कंपनी और उसके का नाम सामने आया है। अमेरिका ने शुक्रवार को एक भारतीय नागरिक और उसकी कंपनी समेत आठ व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिका का आरोप है कि इन लोगों और कंपनियों ने सूडान में चल रहे संघर्ष के दौरान ऐसे नेटवर्क का हिस्सा बनकर काम किया, जिसने युद्ध को लंबा खींचने में मदद की।

अमेरिकी वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय के अनुसार, रायपुर के आलोक चौधरी और उनकी कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड पर प्रतिबंध लगाया गया है। अमेरिका का कहना है कि कंपनी ने सूडान की एक फर्म को विस्फोटक और उससे जुड़ी सामग्री की आपूर्ति की थी। अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि इस सामग्री का इस्तेमाल बाद में सूडानी सेना के सैन्य ढांचे से जुड़ी गतिविधियों में हुआ। अमेरिकी वित्त विभाग के मुताबिक, एसबीएल एनर्जी लिमिटेड, जिसे एमिन एक्सप्लोसिव प्राइवेट लिमिटेड के नाम से भी जाना जाता है, ने सूडान की टारगेट मल्टीएक्टिविटीज कंपनी को 200 से अधिक खेपों में विस्फोटक और संबंधित सामग्री उपलब्ध कराई। अमेरिका का कहना है कि यह कंपनी सूडानी सेना के हथियार भंडार को बनाए रखने से जुड़ी थी। इसी मामले में टीएमएसी और उसके महाप्रबंधक तारिक हुसैन मोहम्मद मदानी को भी प्रतिबंधित किया गया है। सूडान में अप्रैल 2023 से सूडानी सशस्त्र बल और रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच संघर्ष जारी है। इस लड़ाई ने देश में गंभीर मानवीय संकट पैदा कर दिया है। अमेरिका का कहना है कि कुछ कंपनियां और नेटवर्क दोनों पक्षों को हथियार, विस्फोटक और अन्य सहायता उपलब्ध करा रहे थे, जिससे संघर्ष और लंबा खिंचा। अमेरिका ने सूडान और मिस्र की कुछ अन्य कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं। इनमें पोर्ट्स इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड भी शामिल है।

ट्रंप के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कबूला जुर्म, गोपनीय दस्तावेज मामले में दोषी करार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रह चुके जॉन बोल्टन ने गोपनीय सरकारी दस्तावेजों को अवैध रूप से अपने पास रखने के मामले में अदालत में दोष स्वीकार कर लिया है। बोल्टन ने शुक्रवार को अमेरिकी अदालत में अपना जुर्म कबूल किया। इस मामले में उनके और अमेरिकी न्याय विभाग के बीच समझौता भी हुआ है, जिससे उन्हें जेल की सजा से राहत मिल सकती है। हालांकि अंतिम फैसला अदालत ही सुनाएगी। 77 वर्षीय जॉन किरियाको नहीं, मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट स्थित अमेरिकी जिला अदालत में राष्ट्रीय रक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी को अवैध रूप से अपने पास रखने के एक मामले में दोषी होने की बात स्वीकार की। इस अपराध के लिए अधिकतम 10 साल जेल की सजा का प्रावधान है। बोल्टन को 28 अक्टूबर को सजा सुनाई जाएगी। इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए बोल्टन को भयानक व्यक्ति बताया और कहा कि उनके साथ सख्ती से पेश आना चाहिए।

जॉन बोल्टन पर क्या आरोप लगे थे : अमेरिकी अभियोजकों के अनुसार, बोल्टन पर पिछले साल अक्टूबर में कुल 18 आरोप लगाए गए थे। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान तैयार की गई डायरी जैसी निजी नोट्स और अन्य गोपनीय जानकारियां अपने पास रखीं और उनमें से कुछ को अपने परिवार के सदस्यों के साथ साझा भी किया। जांच एजेंसियों के मुताबिक, बोल्टन ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में अपने दैनिक कार्यों से जुड़ी 1,000 से अधिक पन्नों की जानकारी अपने परिवार को भेजी थी।

क्या समझौते से जेल की सजा टल सकती है : न्याय विभाग के साथ हुए समझौते के तहत बोल्टन ने 22.5 लाख अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भरने पर सहमति जताई है। उन्हें अपनी संघीय सेवा से मिलने वाली सेवानिवृत्ति राशि भी छोड़नी होगी। इसके अलावा उन्हें खुफिया अधिकारियों के साथ पूछताछ सत्र में शामिल होना होगा और 100 घंटे तक सामुदायिक सेवा भी करनी होगी। समझौते में जेल की सजा को अधिकतम पांच साल तक सीमित रखने की सिफारिश की गई है, लेकिन अदालत इस सिफारिश को मानने के लिए बाध्य नहीं है। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, बोल्टन ने कुछ दस्तावेज अपनी पत्नी और बेटी के साथ साझा किए थे। एक दस्तावेज भेजने के बाद उन्होंने संदेश में लिखा था, इस बारे में हम बात नहीं करेंगे। अभियोजकों का कहना है कि हालांकि इस बात के कोई सबूत नहीं मिले कि उनके परिवार ने यह जानकारी किसी और को दी। लेकिन सरकारी सेवा छोड़ने के बाद बोल्टन के निजी ईमेल खाते को ईरान से जुड़े एक हैकर ने निशाना बनाया था, जिससे गोपनीय जानकारी तक पहुंच बनने की आशंका जताई गई। जॉन बोल्टन ने ट्रंप के पहले कार्यकाल में एक साल से अधिक समय तक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में काम किया था। वर्ष 2019 में उन्हें पद छोड़ना पड़ा। इसके बाद उन्होंने द रूम व्हेयर इट हैपन्ड नामक पुस्तक लिखी, जिसमें ट्रंप के नेतृत्व की आलोचना की गई थी। ट्रंप प्रशासन ने इस पुस्तक के प्रकाशन को रोकने की कोशिश की थी, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली।

वेनेजुएला में तबाही के बीच अब पाकिस्तान में भूकंप, डेरा गाजी खान के पास कांपी धरती

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के डेरा गाजी खान क्षेत्र के पास शनिवार सुबह 5.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र जमीन से 75 किलोमीटर की गहराई में था। फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। यह झटका ऐसे समय आया है, जब वेनेजुएला हाल ही में आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के विनाशकारी भूकंपों से जूझ रहा है, जहां राहत और बचाव कार्य अब भी जारी हैं। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंपों से दुनिया अभी उबर भी नहीं पाई है कि अब पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। शनिवार सुबह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के डेरा गाजी खान इलाके के पास 5.4 तीव्रता का

भूकंप आया। हालांकि, राहत की बात यह है कि अब तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। स्थानीय प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। जानकारी के अनुसार, भूकंप शनिवार सुबह पाकिस्तान समयानुसार 8:53 बजे आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.4 मापी गई। भूकंप का केंद्र डेरा गाजी खान के पास जमीन से करीब 75 किलोमीटर नीचे स्थित था। झटके महसूस होते ही लोग घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन प्रशासन सतर्क है। पाकिस्तान में हाल के दिनों में कितनी बार महसूस किए गए भूकंप के झटके? यह पहला मौका नहीं है जब हाल के दिनों में पाकिस्तान में धरती कांपी हो। इससे पहले शुक्रवार को बलूचिस्तान के कई इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। पाकिस्तान भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है, जिसके कारण यहां समय-समय पर भूकंप आते रहते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे क्षेत्रों में लोगों को हमेशा सतर्क रहने की जरूरत होती है। वेनेजुएला में भूकंप ने कितनी तबाही मचाई है? पाकिस्तान में आए भूकंप की खबर ऐसे समय आई है, जब वेनेजुएला अभी भी हाल के विनाशकारी भूकंपों से जूझ रहा है। बुधवार को वेनेजुएला में 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंप आए थे, जिनसे बड़े पैमाने पर तबाही हुई। कई इमारतें ढह गईं और हजारों लोग प्रभावित हुए। बचाव और राहत अभियान अब भी जारी है। वेनेजुएला के कई शहरों में मलबे में दबे लोगों की तलाश जारी है। अस्पतालों और राहत शिविरों में बड़ी संख्या में घायलों का इलाज किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियां भी राहत कार्य में जुटी हैं। अधिकारियों का कहना है कि प्रभावित इलाकों का पूरा आकलन करने में अभी समय लगेगा, क्योंकि कई क्षेत्रों तक पहुंचना मुश्किल बना हुआ है।

एफसीआरए संशोधन किसी समुदाय के खिलाफ नहीं', केरल भाजपा अध्यक्ष बोले- कांग्रेस ने इसे राजनीतिक मुद्दा बनाया

इस्लामाबाद, एजेंसी। केरल में विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) में किए गए संशोधनों को लेकर जारी बहस के बीच प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एफसीआरए में किए गए बदलाव किसी भी समुदाय को निशाना बनाने के लिए नहीं हैं। चंद्रशेखर ने कहा कि इन संशोधनों का उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना है कि विदेशी फंड का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों के लिए न हो। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान इस मुद्दे का राजनीतिकरण किया, जिससे भाजपा को ईसाई समुदाय का समर्थन प्रभावित हुआ।

तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव के दौरान एफसीआरए संशोधनों को बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाया। उन्होंने कहा कि इस वजह से भाजपा को ईसाई समुदाय के बीच नुकसान उठाना पड़ा। चंद्रशेखर ने यह भी स्पष्ट किया कि एफसीआरए के तहत सिर्फ ईसाई संस्थाएं ही नहीं, बल्कि सभी धर्मों से जुड़ी संस्थाएं विदेशी फंड प्राप्त करती हैं और कानून में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिसका इस्तेमाल किसी विशेष समूह को निशाना बनाने के लिए किया जा सके। एफसीआरए संशोधनों को लेकर भाजपा का क्या कहना है? राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि संशोधनों का मकसद विदेशी चंदे के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग को रोकना है। उन्होंने कहा

कि यदि किसी संगठन को कानून को लेकर वास्तविक चिंता है, तो उसे सरकार से चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा और केंद्र सरकार इस मुद्दे पर बातचीत के लिए तैयार हैं। चंद्रशेखर ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वह स्वयं भी संबंधित संगठनों और गृह मंत्रालय के बीच बातचीत कराने में मदद करेंगे। ईसाई संगठनों ने किस बात पर चिंता जताई है? केरल के कई ईसाई संगठनों ने एफसीआरए संशोधनों को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि नए प्रावधानों से चर्च और उससे जुड़े संस्थानों के कामकाज पर असर पड़ सकता है। हालांकि, भाजपा का कहना है कि संशोधन का उद्देश्य किसी धार्मिक संस्था को प्रभावित करना नहीं है, बल्कि विदेशी फंड के उपयोग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ पर बोलते हुए राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि आपातकाल को सिर्फ इतिहास के एक अध्याय के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की याद दिलाता है। चंद्रशेखर ने कहा कि भारत जब विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

भारत आएंगे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने की पुष्टि

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द भारत का दौरा करेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसकी पुष्टि की है। रुबियो ने एक इंटरव्यू में बताया कि वे खुद ट्रंप के भारत के ऐतिहासिक दौरे की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं और इसके लिए वे जल्द भारत आएंगे। रुबियो ने बताया कि ट्रंप प्रशासन अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रपति ट्रंप के भारत दौरे की तैयारियां कर रहा है। यह भारत और अमेरिका के रिश्तों में बढ़ती नजदीकी को रेखांकित करता है, क्योंकि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं। रुबियो ने कहा- इस साल के अंत में वे भी भारत का दौरा करेंगे व्हाइट हाउस में न्यूज एजेंसी आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में रुबियो ने कहा, मैं साल के अंत में राष्ट्रपति ट्रंप के दौरे की तैयारियों के सिलसिले में भारत की यात्रा करूंगा। भारत-अमेरिका के संबंधों को लेकर रुबियो ने कहा कि दोनों देशों के संबंध मजबूत स्थिति में हैं और जी7 शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच हुई हालिया मुलाकात के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में बेहतरी हुई है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने ये भी कहा कि क्वाड बैठक पर भी जल्द बातचीत हो सकती है। रुबियो ने भारत को अमेरिका का सबसे करीबी सहयोगी बताया। उन्होंने कहा, 'भारत, अमेरिका का करीबी सहयोगी है और प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के रिश्ते भी बहुत अच्छे हैं, जो मुझे लगता है कि कूटनीति में बेहद महत्वपूर्ण होते हैं।'

फरवरी 2020 में ट्रंप ने किया था भारत दौरा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिरी बार फरवरी 2020 में भारत का दौरा किया था। उस समय उन्होंने नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता से पहले अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप रैली को भी संबोधित किया था। साल 2024 में अमेरिकी सत्ता में दोबारा लौटने के बाद भी ट्रंप ने भारत के साथ बेहतर संबंधों को बढ़ावा दिया है और दोनों देश व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी और हिंद प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को बढ़ा रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी में कई समानताएं भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने भारत और अमेरिका को असीमित संभावनाओं वाले स्वाभाविक साझेदार बताते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन प्रौद्योगिकी, रक्षा, निवेश और उभरते क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग को राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी व्यक्तिगत संबंधों से भी मजबूती मिल रही है।

व्हाइट हाउस में आईएएनएस को दिए एक विशेष साक्षात्कार में गोर ने भारत में अपने पहले छह महीनों के अनुभव साझा करते हुए कहा कि देश की विविधता, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और अमेरिका के साथ मजबूत होती साझेदारी ने द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य को लेकर उनके विश्वास को और मजबूत किया है। अमेरिकी राजदूत ने राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच करीबी कार्य संबंधों की भी तारीफ करते हुए इसे द्विपक्षीय संबंधों की मजबूत नींव बताया। प्रधानमंत्री मोदी के बारे में गोर ने कहा, 'वे बेहद ऊर्जावान हैं, हर काम में व्यक्तिगत रूप से रुचि लेते हैं और परिणाम देने पर जोर देते हैं। मुझे उनमें और राष्ट्रपति ट्रंप में कई समानताएं दिखाई देती हैं, क्योंकि दोनों ही खुद नेतृत्व करते हुए काम पूरा कराने में विश्वास रखते हैं।' उन्होंने कहा, 'दोनों की सोच काफी हद तक एक जैसी है और दोनों परिणाम देना चाहते हैं।

भविष्य की प्राथमिकताओं पर गोर ने कहा कि उनका ध्यान भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने, रक्षा सहयोग का विस्तार करने और पैक्स सिलिका जैसी पहलों को आगे बढ़ाने पर रहेगा।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.